वर्ष 69 ▸▸ अंक 146 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 23 फरवरी, 2026
▸▸ फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सुख और दुख का कारण हमारे अपने ही कर्म हैं।
-अज्ञात

ऑफ बीट

32 कैंचियों से कटिंग बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

जागरण, उज्जैन। क्या कोई एक साथ एक से ज्यादा कैंचियां चला सकता है। दोनों हाथों में एक-एक कैंची हो, तो भी दोनों को एक साथ चलाना मुश्किल है, लेकिन यकीन मानिए एक-दो नहीं, बल्कि ढेरों कैंचियां भी कोई एक साथ चला सकता है। आप सोच रहे हैं कौन और कैसे, तो बता दें उज्जैन के एक युवक ने एक-दो या 10-20 नहीं, बल्कि पूरी 32 कैंचियां एक साथ चलाकर पूरे दुनिया को हैरान कर दिया। इस हैरतअंगेज हुनर के चलते युवक (मूलतः केश शिल्पी-बार्बर) ने एक साथ 32 कैंचियों से बाल काटकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। यह कारनामा कर दिखाया है उज्जैन में सैलून चलाने वाले आदित्य देवड़ा ने। हुनर को देख आदित्य का नाम लंदन की वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

दिल्ली में आतंकी साजिश का भंडाफोड़
6 बांग्लादेशी नागरिकों समेत 8 गिरफ्तार
तमिलनाडु व प. बंगाल में नए मॉड्यूल का खुलासा, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तार

नई दिल्ली, जेएनएन। सुरक्षा एजेंसियों के लाल किले के पास लश्कर-ए-तैयबा के संभावित आतंकी हमले का अलर्ट जारी करने के एक दिन बाद पुलिस ने रविवार को तमिलनाडु और प. बंगाल में पाकिस्तान की आईएसआई इंटेलिजेंस एजेंसी और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों के साथ कथित संबंधों के लिए 8 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 6 बांग्लादेशी भी शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए 6 लोगों की पहचान मोहम्मद शबात, मिजानुर रहमान, उमर, लिटन, शाहिद और उज्जल के रूप में हुई है, जो तमिलनाडु के तिरुपुर में तीन कपड़ा फैक्ट्रियों में काम कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शनिवार को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और तमिलनाडु पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, तीन फैक्ट्रियों पर रेड की गई। दो को उथुकुली से, एक को थिरुमुरुगनपूंडी से और तीन को पल्लादम इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनमें से ज्यादातर ने सालों पहले गैर-कानूनी तरीके से पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश बॉर्डर पार किया था और बाद में तमिलनाडु चले गए थे। उनके आधार कार्ड जाली पाए गए हैं।

दिल्ली में पोस्टर लगाने के बाद तमिलनाडु, बंगाल भागे

अधिकारी ने कहा, संदिग्धों की पहचान होने के बाद जांच करने वालों ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट ट्रैक किए। हमें तिरुप्पुर से पोस्ट किए गए मैसेज मिले जो आतंकी संगठनों को सपोर्ट कर रहे थे। शनिवार दोपहर को छह लोगों के गिरफ्तार होने के बाद उनके फोन की जांच में पश्चिम बंगाल में रहने वाले दो अन्य लोगों के साथ मैसेज का आदान-प्रदान हुआ। इन दो संदिग्धों को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती डिजिटल ट्रेल से पता चला है कि आरोपी एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल करके कई राज्यों में लोगों के संपर्क में थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, सभी आठों आतंकियों को दिल्ली लाया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि उनके आईएसआई और बांग्लादेश के कुछ आतंकी संगठनों से संबंध थे। उनके पास से 16 से ज्यादा सिम कार्ड मिले हैं। अधिकारी ने कहा कि आगे की जांच चल रही है।

किश्तवाड़ में जैश के 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चतरू में रविवार सुबह सुरक्षा बलों-आतंकियों में मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 3 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षा बलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे थे। अधिकारियों ने कहा कि पाक के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया, तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। 4 फरवरी को भी चतरू में सुरक्षा बलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था। किश्तवाड़ में एनकाउंटर में आर्मी के 2 पैरा (एसएफ) के9 डॉग टायसन को भी गोली लगी।

माओवादियों को अब तक का सबसे बड़ा झटका
टॉप नक्सल कमांडर देवजी समेत 18 ने किया सरेंडर

जगदलपुर,जेएनएन। छग के जगदलपुर से माओवाद के खिलाफ चल रहे सघन सुरक्षा अभियानों के बीच एक बड़ी खबर है। माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो मेंबर और केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य देवजी उर्फ तिरुपति ने 18 अन्य सदस्यों के साथ तेलंगाना में सरेंडर कर दिया है। इसे माओवादी नेटवर्क के लिए अब तक के सबसे बड़े झटकों में से एक माना जा रहा है। लंबे समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती दबिश, ऑपरेशनों की तेज रफ्तार, नेटवर्क पर सटीक चोटों से माओवादी नेतृत्व के भीतर हताशा बढ़ती जा रही है। देवजी जैसे शीर्ष कमांडर का सरेंडर संगठन की रणनीतिक, मनोवैज्ञानिक कमजोरी को उजागर करता है। देवजी वर्तमान में संगठन के सबसे बड़े व प्रभावशाली कमांडरों में गिने जाते थे। उनके सरेंडर से संगठन की संरचना, संचालन क्षमता पर सीधा असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

बचे नक्सली अभी भी मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं: गृह मंत्री

इधर, गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि देवजी ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष सरेंडर किया है। नक्सल विरोधी अभियान तेज गति से जारी है और सशस्त्र नक्सलवाद अब अंतिम दौर में है। बचे नक्सली अभी भी मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं। कुछ बड़े नक्सली जरूर बचे हैं, लेकिन वे सक्रिय नहीं हैं। इनामी नक्सली संग्राम ने भी सरेंडर कर दिया है। उनके अनुसार, नक्सलियों का बड़ा किला अब ढह चुका है।

साल 2025 में 576 नक्सलियों ने डाले थे हथियार

तेलंगाना पुलिस की सरेंडर पॉलिसी काफी सक्सेसफुल रही है। साल 2025 में कुल 576 माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था, इसके अलावा पुलिस लगातार एनकाउंटर भी कर रही है। पिछले साल नवंबर में देवजी की सिक्योरिटी टीम के कई मेंबर अरेस्ट हुए थे। उसी दौरान टॉप कमांडर माडवी हिड्मा और देक शंकर भी मारे गए थे। देवजी के सरेंडर से पुलिस को नक्सलियों के कई बड़े सीक्रेट्स मिल सकते हैं।

टी-20 वर्ल्ड में आज
सुपर-8 के मुकाबले

जिम्बाब्वे बनाम वेस्टइंडीज

समयः दोपहर 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

मप्र सहित 18 राज्य अप्रैल तक पूरा करें हाउसहोल्ड सर्वे

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने मप्र सहित 18 राज्यों से अप्रैल के आखिर तक खासतौर पर कमजोर आदिवासी ग्रुप (पीवीटीजी) का पहला हाउस होल्ड सर्वे पूरा करने को कहा है, जिसका मकसद कई सेंट्रल और स्टेट स्कीम की डिलीवरी पर लास्ट-माइल डेटा जुटाना है। राज्यों को इस महीने की शुरुआत तक जिला, ब्लॉक टीमों की पहचान करनी थी, और मार्च की शुरुआत से बीच तक फील्ड-रेडी होना था। सर्वे का मकसद टारगेटेड सेंट्रल, स्टेट वेलफेयर स्कीम के तहत पीवीटीजी परिवारों के सैचुरेशन में किसी भी कमी को पूरा करना है और आखिर में एंटाइटलमेंट कार्ड बांटना है। मंत्रालय हर घर के हिसाब से सर्वे के लिए मदद देगा, इस ऐप-बेस्ड डेटा कलेक्शन के जरिए केंद्र उन एंटाइटलमेंट का डिजिटल डेटाबेस बनाने की कोशिश करेगा, जो पीवीटीजी को मिले हैं या अभी मिलने बाकी हैं।

नए परिसीमन के बाद महिलाओं को मिलेगा 33% आरक्षण: मुख्यमंत्री
महू में बोले सीएम-राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनेगा भगोरिया

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2029 तक नए परिसीमन के बाद लोकसभा, विधानसभा चुनावों में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना शुरू हो जाएगा। प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सीएम रविवार को इंदौर के महू क्षेत्र के महूगांव में कार्यक्रम में बोल रहे थे।

सीएम ने कहा, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास से हम प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया है, हम उसी संकल्प को लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। सीएम ने कहा, राज्य में महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे इन वर्गों के जीवन में तेजी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। सरकार लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप में 1000 रुपए से बढ़कर 1500 रुपए की राशि दे रही है और आगे भी महिलाओं के हित में निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि महू-खंडवा रेल लाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण होगा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने रेल सेवाओं का विस्तार भी किया जाएगा।

महूंगांव बनेगी नगर पालिका : सीएम ने जनजातीय नायक टंट्या मामा के सम्मान में किए जा रहे कार्यों को भी याद किया और भगोरिया उत्सव को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने महूगांव को सौगात देते हुए यहां 100 बिस्तरों का नया अस्पताल बनाने और महूगांव नगर परिषद को नगर पालिका का दर्जा दिया जाने की घोषणा की। सीएम ने नानाजी देशमुख पर्यटक स्थल का लोकार्पण किया। 4.50 करोड़ से विकसित स्थल पर नाना जी की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया।

ये भी बोले

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी एवं सीएम डॉ. यादव के नेतृत्व में मप्र में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। विधायक उषा ठाकुर ने कहा, महू क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में तेजी से पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम में मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित दूसरे जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

टैरिफ में बदलाव से टली भारत-यूएस डील

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) को लेकर होने वाली बैठक टल गई है। सरकारी सूत्रों के हवाले से दी गई जानकारी के मुताबिक, बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होनी थी। बैठक के टलने से अब इस ट्रेड डील में देरी हो सकती है। दरअसल, समझौते में भारत को 18 फीसदी टैरिफ देना था, लेकिन शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सभी ग्लोबल टैरिफ रद्द कर दिए थे, जिसके बाद ट्रंप ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10 फीसदी टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। अब ट्रंप का 15 फीसदी ग्लोबल टैरिफ लागू हो रहा है, जो डील वाले 18 फीसदी से कम है।

भारत पर टैरिफ 15 या 18%

अब ट्रंप के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18 फीसदी टैरिफ देना होगा या 15। हालांकि, ट्रंप ने कहा, भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत, ईयू सहित अमेरिका के साथ डील करने वाले देशों को धारा 122 के तहत 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा। ऐसे में ऐलान के बाद भारत पर टैरिफ 18 से 15 फीसदी रह जाएगा।

इन फायदों की है उम्मीद

- **अमेरिकी टैरिफ में कमी:** भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के टैरिफ को 18 प्रतिशत तक घटाया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी।
- **चुनिंदा उत्पादों पर जीरो टैरिफ:** जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

पाकिस्तान ने टीटीपी के 7 कैंपों को निशाना बनाकर किया हमला

पाकिस्तान की अफगान पर स्ट्राइक, 16 की मौत

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और आईएस से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया है। पाक सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा, इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।' अफगानिस्तानी मीडिया के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए।

अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे

अफगानिस्तान रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाक ने कहा, उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ। पाक लंबे समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे।

स्कूटी सवार युवती को ट्रक ने रौंदा, सिर अलग

जागरण, जबलपुर। एक तेज रफ्तार ट्रक ने रविवार शाम स्कूटी सवार युवती को रौंद दिया। दर्दनाक हादसा माढ़ोताल थाना क्षेत्र में शासकीय आईटीआई के सामने हुआ। हादसे में युवती का सिर उसके धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को पीएम के लिए भिजवाया गया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत वाहन और चालक से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस युवती की पहचान में जुटी है। स्कूटी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पहचान की कोशिश की जा रही है। संबंधित थानों को भी सूचना भेजी गई है। माढ़ोताल थाना पुलिस ने बताया कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए जा रहे हैं। पीएम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्ते-नाते हाई प्रोफाइल नैनी की चाह में मां से दूर हो रही है नई पीढ़ी

मां का स्पर्श छूटा, तो सोना-खाना भूले बच्चे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। तेज होती जिंदगी में हाई प्रोफाइल सोसायटी में नैनी यानी आया की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इसमें भी लोगों को पढ़ी-लिखी यानी हाई प्रोफाइल नैनी चाहिए। संयुक्त से एकल हो चुके परिवारों में या तो पति-पत्नी दोनों जॉब में हैं या पत्नी बच्चों को संभालने में अक्षम महसूस करती हैं। ऐसे में बच्चों की परवरिश डे-केयर या नैनी के भरोसे है। बच्चों को नैनी की आदत हो गई और अब परिवार परेशान हैं। अब नैनी दिनभर की जरूरत बन चुकी है। शादी-पार्टी से लेकर अन्य दीगर कामों तक नैनी के भरोसे बच्चे को रखा जा रहा है। बच्चों को भी आदत हो गई है। कोई नैनी को छोटी मां मानने लगा है, तो कोई उसके बिना सोता या खाना नहीं खाता। काउंसलर सरिता रजानी का कहना है कि नौबत यहां तक आ गई कि बच्चों की काउंसलिंग, थैरेपी कराई जा रही है ताकि वह मम्मी को मां समझे, उसके पास आए और उसकी बात माने।

केस-1 एक घर में बच्चे की देखरेख के लिए सुबह 10 से शाम 5 बजे तक नैनी रखी गई। मां ने बच्चे पर ध्यान नहीं दिया और नैनी का समय रात 10 बजे तक बढ़ा दिया। बच्चा दिनभर नैनी के साथ रहा। उसे मां का स्पर्श तक नहीं मिला। अब नैनी जब रात में घर जाती है, तो बच्चा रोता है। खाना नहीं खाता। वह नैनी को बुलाने के लिए बोलता है। सोता तक नहीं है। ऐस में परिवार अब परेशान हो रहा है।

केस-2 एक परिवार के एक कंपनी से नैनी को हायर किया। नैनी दो साल तक बच्चे के साथ रहकर उसकी देखभाल की। इसके बाद उसकी शादी हो गई। वह चली गई। पांच साल के बच्चे को इस कदर नैनी का आदत हो गई कि वह डिप्रेशन में चला गया। बीमार रहने लगा। अब उसकी थैरेपी चल रही है। साइकोलॉजिकल ट्रीटमेंट चल रहा है। यह परिवार की अनदेखी का नतीजा है, जिन्होंने बच्चे को जरा भी स्पर्श नहीं दिया।

केस-3 एक परिवार ने दूसरा बच्चा प्लान किया। पहले बच्चे को देखने के लिए नैनी रख ली। दूसरा बच्चा हुआ, लेकिन पति जरा भी ध्यान नहीं दे रहा था। ऐसे में मां ने भी बच्चे से दूरी बना ली। तीन साल का बच्चा नैनी को छोटी मां बुलाने लगा। बच्चे के बर्थडे पर भी उसकी मां ने गोद नहीं लिया और वह छोटी मां के साथ रहा। वह नैनी के बिना नहीं रह पाता। परिवार को अब लग रहा है कि वह उसे छोटी मां क्यों बुला रहा है, हमारे पास नहीं आता।

दादा-दादी को घर से बाहर कर दिया

काउंसलर सरिता का कहना है कि वर्तमान समय में यह विकराल समस्या बनकर सामने आई है। पहले दादा-दादी का प्यार और दुलार बच्चों को मिलता है। वह बच्चों को संभालते थे, लेकिन इस तरह उनका बच्चा नहीं छीनते थे, लेकिन एकल परिवार के दौर में दादा-दादी को बाहर कर दिया। अनपढ़ बताकर बच्चों से दूर कर दिया। खांस रहे हैं बच्चे को बीमारी हो जाएगी करके घर से निकाल दिया, लेकिन दादा-दादी या रिश्तेदार उसे अपना स्पर्श देते थे, उसे माता-पिता से छीनते नहीं थे। ऐसे में परिवार का बच्चों पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' बनी कार्य संस्कृति

भोपाल । मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की गई है। मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

स्पीकर रहे स्व. टेंभरे को किया याद

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में रविवार को पूर्व स्पीकर स्व.तेजलाल टेंभरे को याद किया गया। परिसर के सेंट्रल हाल में उनकी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रनिधियों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधायक भगवान दास सबनानी एवं पूर्व अध्यक्ष के परिवारजनों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविन्द शर्मा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

सफारी पहुंचे डिप्टी सीएम

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर जिले के मुकुंदपुर मे महाराजा मार्तण्ड सिंह जू देव वाईट टाइगर सफारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उनकी उपस्थिति में जू मे लाये गए विदेशी प्रजाति के पक्षी भी उनके रह्वास मे छोड़े गये। नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड सिगरोली द्वारा सी एस आर मद से मुकुंदपुर को प्रदाय किये गए नये विदेशी पक्षियों को वॉक इन एवियारी के अंदर प्राकृतिक निवास पर छोड़ा गया। वन्यजीव संरक्षण के लिए मुकुंदपुर जू के एवीयरी मे अब नये प्रजाति के रंग बिरंगे पक्षी आ चुके है। जिनमें रेड स्कारलेट मैकॉ, रेड ग्रीन विंग्ड मैकॉ, सल्फर-क्रेस्टेड कॉकाटू, ब्लू गोल्ड मैकॉ, हैनस मैकॉ, अफ्रीकन ग्रे पैरोट, ग्रैंड इलेक्टस, सन कोनूर, कॉकेटियल्स, और लव बर्ड शामिल हैं। नये पक्षियों के आगमन से पर्यटक को अब और अधिक विदेशी प्रजाति के पक्षी देखने को मिलेंगे।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भ्रमण के दौरान पक्षियों के सरंक्षण के प्रयासो की सराहना की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा जिले के हरिहरपुर में की जा रही प्राकृतिक खेती का भी अवलोकन किया।

समय पर काम पूरा कराएं अधिकारी: गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक

कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा में विभिन्न सड़कों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मापदंडों और समयसीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं, इसलिए निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने वार्ड 61 में अवधपुरी तिराहे से एसओएस बालग्राम तक बनने वाली खजूरी सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क किनारे स्थित बिजली के पोल एवं घरों के आगे लगी जालियों को हटाकर पेबल ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए।

अफसरों की लापरवाही से सरकार को 8.73 करोड़ के राजस्व का लगा चूना, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

कैग की रिपोर्ट में पंजीयन विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल, संपत्तियों के गलत मूल्यांकन की बात आई सामने

विशेष संवाददाता, भोपाल। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक(कैग) की रिपोर्ट ने वाणिज्यिक कर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है। कैग की रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि राज्य के 10 उप पंजीयक कार्यालयों द्वारा संपत्ति का सही मूल्यांकन नहीं होने पर 8.73 करोड़ का स्टाम्प और और पंजीयन शुल्क कम जमा कराया गया। कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2023 और फरवरी 2024 के बीच राज्य के 10 उप-पंजीयक कार्यालयों के अभिलेखों के नमूनों की जांच की गई,जिसमें यह बात सामने आई कि अप्रैल 2017 से मार्च 2023 के बीच पंजीकृत 29 दस्तावेजों का पंजीकृत मूल्य 98.44 करोड़ रुपए था,जिन पर स्टाम्प शुल्क और पंजीयन शुल्क उसी मूल्य के आधार पर लगाया गया था। लेकिन जांच के दौरान जब संबंधित संपत्ति का क्रॉस-सत्यापन किया गया,तो पता चला कि तत्कालीन समय में संबंधित संपत्ति का बाजार मूल्य 168.85 करोड़ था,जबकि आवेदकों ने संपत्ति का कम मूल्याकंन किया,जिसके परिणाम स्वरुप स्टाम्प शुल्क 6.59 करोड़ रुपए और पंजीयन शुल्क 2.14 करोड़ रुपए का कम भुगतान हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि उप पंजीयक की ओर से हुई चूक की वजह से 8.73 करोड़ की कम वूसली हुई और सरकार को राजस्व में इतनी राशि का चूना लगा।

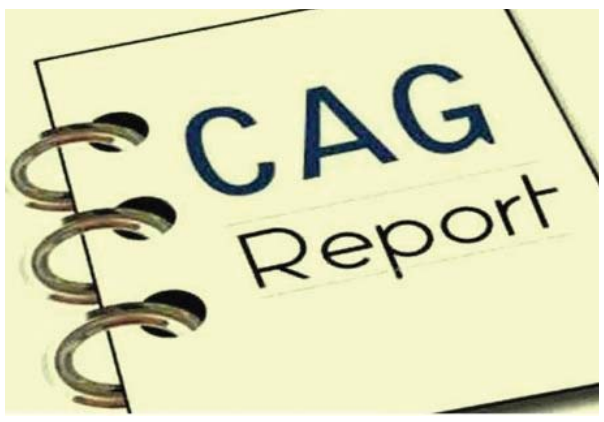

विभाग ने ये दी थी सफाई

रिपोर्ट के अनुसार महानिरीक्षक पंजीयन मध्यप्रदेश ने कहा था कि उप पंजीयक कटनी,बुरहानपुर,नीमच,इंदौर के महू,इंदौर के ही सांवेर,भोपाल के गोविन्दपुरा,ग्वालियर-1 ,ग्वालियर 2 के तहत 24 प्रकरण विचाराधीन थे,जबकि उपपंजीयक इंदौर-1विदिशा और गोविन्दपुरा के तहत अन्य 3 प्रकरणों में 12.53 लाख की वसूली की गई थी। इस पर कैग ने कहा कि पंजीयक द्वारा गलत बाजार मूल्य बताने के बारे में किसी भी तरह का जवाब नहीं दिया गया है,जो कमजोर आंतरिक नियंत्रण और निगरानी को दर्शाता है।

28 परीक्षाओं के लिए ही आवेदन

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक की अवधि के दस्तावेजों की जांच के दौरान पाया गया है कि इस बीच आयोजित 44 परीक्षाओं में से केवल 28 के लिए ही विज्ञापन जारी किए गए। कैग ने कहा कि ऐसी स्थिति योजना निर्माण और क्रियान्वयन में गंभीर कमियों की वजह से निर्मित हुई है। इसी तरह 94 प्रस्तावित विज्ञापनों को जारी करने में निर्धारित समय सीमा से बहुत अधिक औसतन 136 दिन की अतिरिक्त देरी हुई,जिससे अभ्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

5 परीक्षाएं ही हुई ऑनलाइन

रिपोर्ट में कहा गया है कि अव्यवस्थित परीक्षा आयोजन प्रणाली की वजह से 19 परीक्षाओं में से मात्र 5 को ही ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा सका। आयोग ने वर्ष 2013 के बाद अपनी नियमावली में भी किसी भी तरह का महत्वपूर्ण संशोधन नहीं किया जिसकी वजह से सरकार द्वारा जारी नए दिशा - निर्देश शामिल नहीं हो सके। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली भी प्रभावित हुई है।

पीएससी भर्ती में भी गड़बड़ी

कैग की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्तियों में भी गड़बड़ी होने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक रुप से देरी की गई,तो प्रशासनिक ढिलाई की वजह से प्रक्रिया बाछित हुई है। साथ ही वित्तीय प्रबंधन को लेकर भी रिपोर्ट में सवाल खड़े किए गए है,क्योंकि गलत वित्तीय प्रबंधन की वजह से आयोग उपलब्ध बजट का 42 प्रतिशत हिस्सा वापस करना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रियाओं को निर्धारित एक माह में पूरा करना था,उन्हें लगभग चार माह से भी ज्यादा समय लग गया। जो नियमानुसार सामान्य परिस्थितियों से भी कहीं ज्यादा है। इसी तरह जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि आयोग और संबंधित विभागों के बीच समुचित तालमेल का अभाव था। कई विभागों के रिक्त पदों की जानकारी समय पर आयोग को नहीं भेजी गई,जिससे पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई है,जिसका सीधा असर अपनी सरकारी नौकरी लगने की उम्मीद लगाए युवाओं पर पड़ा है।

ये है अधिनियम

रिपोर्ट में कैग ने भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 की धारा 27 का उल्लेख करते हुए कहा है कि किसी दस्तावेज की प्रभार्यता को प्रभावित करने वाले तथ्य जैसे कि बाजार मूल्य की राशि व अन्य जानकारी सटीक रुप से लिखी जानी चाहिए। धारा 35 के अनुसार शुल्क से प्रभार्य दस्तावेज को उस शुल्क के भुगतान पर पंजीयकृत किया जाएगा,जिससे वह प्रभार्य है। ऐसा नहीं करने पर धारा 48 के प्रावधानों के अनुसार सभी शुल्क,दंड और अन्य देय राशियां जिनका भुगतान किया जाना अपेक्षित है,कलेक्टर द्वारा संबंधित व्यक्ति की चल संपत्ति को जब्त करके या बेचकर संबंधित राशि वसूल की जा सकती है।

शंकराचार्य ने की विधायक अकील की तारीफ

विसं भोपाल। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भोपाल के कांग्रेस विधायक आतिफ अकील द्वारा गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित कराने की मांग की सराहना की है। उन्होंने कहा कि जो काम किसी हिंदू विधायक को करना चाहिए वह मुस्लिम विधायक ने कर दिखाया। उल्लेखनीय है कि भोपाल उत्तर से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने विधानसभा में अशासकीय संकल्प के जरिए गौ माता का राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। इस पर कई तरह की राजनीतिक बयानबाजी सामने आई,तो धार्मिक मंचों द्वारा टिप्पणियां की गई है। अब इस मामले में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भोपाल उत्तर विधायक आतिफ अकील की पहल की सराहना करते हुए इसे महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने अपने वीडियो संदेश में कहा कि गौसंरक्षण जैसे विषय पर पहल किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा की जाए, उसका स्वागत होना चाहिए। उनके अनुसार, यह विषय लंबे समय से हिंदू समाज की आस्था से जुड़ा रहा है और इस पर गंभीर विचार-विमर्श की आवश्यकता है। जो जनप्रतिनिधि स्वयं को सनातन परंपरा का मानने वाला बताते हैं, उन्हें भी ऐसे मुद्दों पर आगे आकर स्पष्ट रुख रखना चाहिए। उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करने को कहा है। साथ ही कहा कि यदि यह प्रस्ताव गिरता है तो यह हिंदुओं की हार मानी जाएगी।

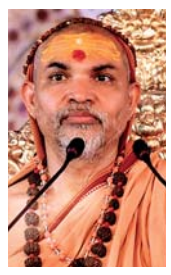

सपा संसद में उठाएगी केन-बेतवा परियोजना का मुद्दा

विसं भोपाल। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर से मध्यप्रदेश के प्रवास पर आएंगे,उनका यह दौरा जल्द होगा,जिसमें केन -बेतवा प्रोजेक्ट में किसानों के हितों सहित राज्य के दूसरे मामलों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा। पार्टी संसद में भी प्रोजेक्ट में हो रही अनियमितताओं को उठाएगी।

अखिलेश यादव फिर आएंगे मध्यप्रदेश के प्रवास पर

यह संकेत शनिवार को दतिया प्रवास के दौरान सपा अध्यक्ष ने दिए। प्रदेशाध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि मध्यप्रदेश में केन-बेतवा प्रोजेक्ट को लेकर किसानों की हक की लड़ाई समाजवादी पार्टी द्वारा लड़ी जाएगी। यादव ने बताया कि दतिया प्रवास के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और उन्हें परियोजना के विस्थापितों की समस्याओं, भूमि अधिग्रहण में कथित अनियमितताओं और प्रशासनिक दमन के विषय पर विस्तृत जानकारी दी थी। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि विकास की अवधारणा तभी सार्थक है जब वह गरीब, किसान और आदिवासी के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना की सफलता विस्थापितों के न्यायपूर्ण पुनर्वास और सहमति पर निर्भर करती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मुद्दे को संसद सहित राष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया जाएगा और किसानों के हक की लड़ाई पूरी तरह से लड़ी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष यादव ने कहा कि पार्टी लगातार किसानों और ग्रामीणों के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का जल्द ही मध्यप्रदेश दौरा होंगा,जिसमें प्रदेश के मुद्दों को लेकर सपा अपने आंदोलन की शुरुआत करेगी।

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मिलेगा उद्योग का दर्जा: सीएम

ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री यादव ने की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश करने का न्यौता दिया। उन्होंने राज्य शासन द्वारा हर संभव मदद देने की बात करते हुए कहा कि ं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा। डॉ.यादव रविवार को इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश दलहन एवं तिलहन उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य है। सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। निजी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा और इसके लिए शासन की ओर से पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने कहा कि चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा है और विशेष रूप से शाकाहारी समाज के लिए यह पोषण का बड़ा स्रोत है। दुनिया में दाल उत्पादन और उपभोग में भारत अग्रणी है। हमने किसानों और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 5 वर्ष का रोडमैप तैयार किया है। उद्योग स्थापना के लिए नियमों का सरलीकरण किया गया है। भूमि, बिजली, पानी और करों में रियायत दी जा रही है। श्रम आधारित उद्योगों के लिए प्रति श्रमिक 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक सहायता का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में राज्य के बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2003 के बाद प्रदेश में सिंचाई के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ी है और किसानों की आय में सुधार हो रहा है। इस मौके पर सीएम ने उद्योगपतियों का सम्मान किया।

इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में हुई शामिल

सीएम इंदौर प्रवास के दौरान पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह में भी शामिल हुए। जहां उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। देश व्यापार और वाणिज्य के स्वर्णिम काल की ओर बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी के माध्यम से इंडस्ट्रियल बेल्ट के समग्र विकास के प्रयास प्रदेश को नई उपलब्धियां प्रदान करेंगे। ये प्रयास मध्यप्रदेश को औद्योगिक रूप से फ्रेंडली प्रदेश बनाने में कारगर सिद्ध होंगे और उद्यमशीलता के विकास को नई दिशा देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज फार्मास्युटिकल से लेकर ऑटोमोबाइल तक हर क्षेत्र में पीथमपुर ने देश और प्रदेश में विशिष्ट स्थान बनाया है। इस मौके पर सीएम ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ का विमोचन किया।

छतरपुर-भिंड की जिला टीम घोषित, भोपाल लंबित

विशेष संवाददाता ,भोपाल। काफी जद्दोजेहद के बाद प्रदेश भाजपा ने रविवार को छतरपुर और भिंड की भाजपा जिला इकाई की घोषणा कर दी। हालांकि राजधानी भोपाल की टीम अभी भी लंबित है,जबकि जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने महाशिवरात्रि पर्व पर अपनी टीम घोषित होने का दावा किया था। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुशंसा के उपरांत भिण्ड जिले अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया ने अपनी टीम की घोषणा कर दी। जिसमें सात उपाध्यक्ष,तीन महामंत्री,सात मंत्री एक कोषाध्यक्ष सहित 31 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। मनोज अर्गल ,शैलेन्द्र पालीवाल और बजरंग भदौरिया को महामंत्री ,सरोज बद्येल ,चन्द्रशेखर शर्मा,सुरेश सिकरवार सहित चार अन्य मंत्री बनाए गए है। कोषाध्यक्ष पद पर सुरेन्द्र सोलंकी को नियुक्त किया है। इसी तरह छतरपुर जिले की टीम में जिलाध्यक्ष चन्द्रभान सिंह गौतम ने अशोक दुबे,श्रीमती अजय राजे त्रिलोक ,पकंज पांडे सहित 8 को उपाध्यक्ष,विवेक उप्पल,अरविन्द त्रिपाठी महामंत्री,मंत्री द्रोपदी कुशवाहा,मिली जैन,प्रवेश अग्रवाल सहित सात कार्यकर्ताओं को मंत्री पद पर बैठाया गया है। कोषाध्यक्ष पद पर आशीष अवस्थी और सह कोषाध्यक्ष पद पर अरुण कुमार अग्रवाल को नियुक्त किया गया है।

अनुसूचित जाति मोर्चा की टीम भी घोषित

अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने भी अपनी टीम की घोषणा कर दी है। जिसमें 8 उपाध्यक्ष,3 महामंत्री,एक-एक कोषाध्यक्ष व सह कोषाध्यक्ष के अलावा 7 प्रदेश मंत्री बनाए गए है। इनके अलावा 15 अन्य कार्यकर्ताओं को टीम में शामिल कर अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है।

भोपाल की सूची अधर में

इधर भोपाल जिला भाजपा की सूची जारी नहीं हो सकी है। गौरतलब है कुछ दिनों पहले जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति द्वारा अपनी सूची जारी कर दी थी,जिसमें कई विधायकों की आपत्ति सामने आई थी,जिससे प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर सूची को होल्ड कर दिया गया। इस संबंध में तब जिलाध्यक्ष यति ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर जिले की टीम की घोषणा कर दी जाएगी,लेकिन पर्व निकल जाने के बाद भी सूची अब जारी नहीं हो सकी।

परीक्षाओं के बीच हुआ तबादला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । प्रदेश में शिक्षकों के स्थानान्तरण किए जा रहे हैं। जबकि तबादलों पर रोक लगी हुई है। कुछ दिनों पूर्व एक शिक्षक का तबादला होने से शिक्षकों ने ही सवाल करना शुरु कर दिया है। आरोप लगाया जा रहा है कि कि एक ओर नियम बनाये जा रहे हैं, दूसरी तरफ उनका विभाग के जवाबदार लोग ही खुलकर उल्लंघन कर रहे हैं। सिंगरौली जिले में पदस्थ प्राथमिक रशिक्षक गंगोत्री ब्रम्हे का तबादला उत्तर टोला ढेकली से जैतपुर शाला किया गया। इससे संबंधित आदेश लोक शिक्षण संचालनालय की कमिश्नर शिल्पा गुप्ता द्वारा जारी किया गया। आदेश में स्पष्ट है कि संबंधित लोक सेवक का स्थानान्तरण आदेश जारी होने पर उसकी सेवा पुस्तिका ट्रांसफर ऑर्डर में उल्लेखित जानकारी का मिलान करने के उपरांत सही पाये जाने के बा कार्यमुक्त किया जाये। शिक्षक पूर्व से पदस्थी संस्था में बगैर सूचना के लंबी अवधि से अनुपस्थित है तो उक्त प्रकरण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तीन दिन में संचालनालय को विशेष वाहक से भेजा जाए। स्थानान्तरित शिक्षक को अपना कार्यभार तत्काल सौंपना अनिवार्य होगा। मप्र समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश दुबे का कहना है कि जब प्रतिबंध लगा है, परीक्षाएं संचालित हैं, ऐसे समय में स्थानान्तरण उचित नहीं है।

राजनीति भोपाल में सीएम हुए शामिल,खंडेलवाल बैतूल में रहे मौजूद

बूथ से लेकर आयोजनों तक सुनी गई मन की बात

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात को रविवार को पूरे प्रदेश भर में सुना गया। भाजपा नेताओं ने बूथ से लेकर अन्य आयोजन स्थलों पर प्रधानमंत्री मोदी की बातों को सुना। इस मौके पर नेताओं ने कहा कि कार्यक्रम से बड़ी प्रेरणा मिलती है।

नवाचार को किया प्रेरित : मुख्यमंत्री

सीएम यादव राजधानी की पुलिस लाइन स्टेडियम में मन की बात कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि मन की बात देश के जनमानस को सकारात्मक सोच,नवाचार और जनभागेदारी के लिए प्रेरित करने वाला मंच है। कार्यक्रम की यह विशेषता है कि इस संवाद में कभी राजनैतिक विषय नहीं आते, वे सदैव देश हित को ही प्राथमिकता देते हैं। उनका यह विजन हम सबके लिए प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री मोदी अन्नदाता, युवा, महिला, गरीब सभी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई एम्पैक्ट समिट में प्रदेश के कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रही पहल को प्रस्तुत किया गया है।इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल भी मौजूद रहे।

संकल्प को मिलती हैं मजबूती: हेमंत

बैतूल में केन्द्रीय मंत्री दुर्गादास उइके और राज्य सरकार के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल सहित अन्य नेताओं के साथ मन की बात सुनने के उपरांत प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों से देशवासियों में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूती मिली है,जो राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक गौरव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ेंगे,बल्कि यह स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगा।

सम्मान करने की सीख: पटेल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में प्रशिक्षाणाधीन पुलिस के युवा अधिकारियों और नव आरक्षकों को मन की बात कार्यक्रम के उपरांत कहा है कि पुलिस का जनता से सीधा जुड़ाव होता है। मन की बात समाज की नब्ज समझने और जन-भावनाओं का सम्मान करने की सीख देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मंच से विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के लिए कुछ अनूठा करने वाले गुमनाम नायकों की चर्चा करते हैं। कहानियों से प्रेरणा लेकर पुलिस बल के सदस्य अपने व्यक्तित्व को और अधिक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा- इसे औपचारिक आयोजन नहीं मानें, बल्कि नियमित सुनने की आदत में बदलें।

जिनकी सोच भारतीयता से प्रेरित हो : गोविंद

दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला में देश भर के पदाधिकारी रहे मौजूद

विसं भोपाल। विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महंत ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भारतीयता का स्पष्ट स्वरुप ही हमारा लक्ष्य है। हमारा उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है जिनकी सोच भारतीयता से प्रेरित हो, जो राष्ट्रनिष्ठ, संस्कारित और उत्तरदायी नागरिक बनें। इसी विचार के साथ हमारी भावी पीढ़ी का निर्माण किया जा रहा है।

महंत भोपाल में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यशाला विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के प्रकाशन विभाग द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यशाला में देशभर से प्रकाशन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय चिंतन, मातृभाषा आधारित शिक्षण, संस्कार केंद्रित शिक्षा तथा समग्र विकास की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। वर्तमान में जो पाठ्यक्रम निर्मित किए जा रहे हैं, वे इसी आधार पर तैयार हो रहे हैं, जो शिक्षा को भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्रकाशन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि शिशु वाटिका की अवधारणा, जिसे वर्षों से संस्कार आधारित प्रारंभिक शिक्षा के रूप में विकसित किया गया, आज शासन द्वारा भी स्वीकार की जा रही है। यह भारतीय शिक्षा पद्धति की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता का प्रमाण है।

प्रकाशन का उद्देश्य व्यवसायिक नहीं

महामंत्री देशराज शर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं अपेक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, प्रकाशन का उद्देश्य व्यवसायिक नहीं है बल्कि शिक्षा में भारतीय मूल्य को पुष्ट करना है। दो दिवसीय इस कार्यशाला में संगठनात्मक दृष्टि से प्रकाशन विभाग को और अधिक प्रभावी, समन्वित एवं उद्देश्यपरक बनाने का संकल्प लिया गया। इससे पूर्व उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महंत, सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकार, अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित वासवानी, मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष मोहनलाल गुप्त सहित अखिल भारतीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय स्तर के विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित रहे। समापन अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने राष्ट्रभावना से ओतप्रोत, मूल्याधारित निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों को गति देने का संकल्प व्यक्त किया।

दैनिक जागरण
भोपाल, 23 फरवरी 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 22.2°c | न्यूनतम 16.2°c
राजधानी में सर्दी का मौसम खत्म हो रहा है। तापमान बढ़ने की संभावना है

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

आईनाट्य समारोह
आह्वान थिएटर ग्रुप त्रासदी
- **नाटक:** त्रासदी (एकल अभिनय)
- **समय:** शाम 7:00 बजे
- **स्थान:** एलबीटी सभागार

माह का प्रादर्श
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** शाम 4:00 बजे।
- **आयोजक:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

चित्र प्रदर्शनी
- **समय:** दोपहर 12:00 बजे से
- **स्थान:** मप्र जनजातीय संग्रहालय

अशिमा मॉल से बावड़िया कला चौराहे तक 50 करोड़ रुपए से बनेगा भोपाल का 11वां आरओबी

डिजाइन से निर्माण तक ठेकेदार की होगी जिम्मेदारी, दस साल तक एजेंसी करेगी रखरखाब

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। नर्मदापुरम रोड़ पर शहर का 11वां रेलवे ओवर ब्रिज मंजूर हो गया है। ब्रिज आशिमा मॉल से बावड़िया कला चौराहे तक बनाया जाएगा। ईपीसी (इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मॉडल पर बनने वाले ब्रिज से करीब पांच लाख की आवाधी को फायदा होगी। 1210 मीटर लंबे ब्रिज को बनाने पीडब्ल्यूडी ने 50 करोड़ रुपए में डिजाइन से लेकर निर्माण तक की तैयार कर ली है। बावड़िया ब्रिज-1 बना हुआ है। इसके आगे आशिमा मॉल से बावड़िया कला चौराहे तक बनने वाले ब्रिज-2 का एजेंसी फाइनल होते ही निर्माण कार्य मार्च तक शुरु हो जाएगा। उक्त दोनों ब्रिज पीडब्ल्यूडी के हैं। बावड़िया ब्रिज-1 पर अभी प्रतिघंटे वाहनों के गुजरने की संख्या यानी पीसीयू 20 हजार है। इससे ब्रिज पर रोजाना जाम के हालात बनते हैं। इसे देखकर ही आशिमा मॉल के सामने एक और ब्रिज बनाया जा रहा है। इससे कोलार, बावड़िया कला, सलैया, गुलमोहर, निलंगा जैसे इलाकों की कटारा हिल्स, बागसेवनिया, बागमुगालिया, मिसरोद से दूरी तीन से चार किमी तक कम हो जाएगी। शहर में इससे पहले सिंगारचोली, छोला, करोद, भारत टॉकीज, ऐशबाग, सुभाष नगर, चेतक ब्रिज, सावरकर सेतु, बावड़िया आरओबी बनकर तैयार हो चुके हैं। आरओबी के दस साल तक रखरखाव का जिम्मा निजी एजेंसी के सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

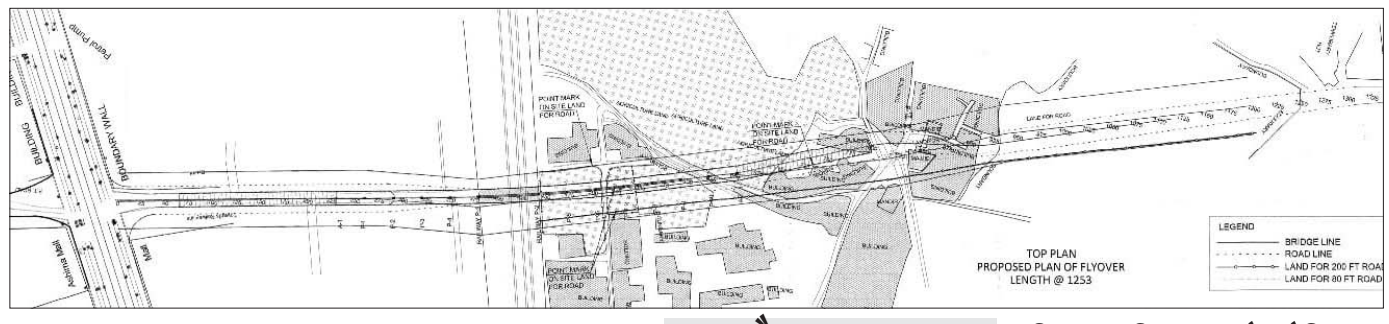

2028 की होली तक निर्माण होगा पूरा
मार्च 2026 में ब्रिज की नींव का काम शुरू हो जाएगा। निर्माण कार्य दो साल में पूरा कर लिया जाएगा। वर्ष 2028 में होती तक कोलार, बावड़िया कला की ओर से सीधे विद्यानगर फेस दो आइएसबीटी के पास तक के लिए रास्ता तैयार हो जाएगा। आरओबी से बावडिया कला, मिसरोद सलैया, रोहित नगर, दानिशकुंज, कोलार को रोड से जुड़े आवासीय क्षेत्रों का नर्मदापुरम रोड से संपर्क होगा। सलैया, रोहित नगर, बावड़िया गांव, कोलार से सीधे सेज हॉस्पिटल के पास पहुंचकर ब्रिज से आशिमा तक पहुंच सकते हैं। मिसरोद और कोलार की दूरी आधी रह जाएगी। बिज से करीब 60 क्षेत्रों के बीच ढाई किमी की दूरी घटेगी। आशिमा से कटारा और मेल क्षेत्र की ओर आसानी से पहुंचा जा सकेगा।

फैक्ट फाइल
लागत	लंबाई
49.46 करोड़	1210 मीटर
चौड़ाई	मुख्य ब्रिज
14 मीटर	733 मीटर

एपीच रोड़ 310 मीटर

सिग्नल सिस्टम और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनेगी
पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी एक ही एजेंसी की होती है। ये सिंगल पॉइंट रिस्पॉन्सिबिलिटी पर आधारित राहेगा। डिजाइन और निर्माण एक ही कंपनी करती है तो डिजाइन संबंधी विवादों के कारण काम नहीं रुकता है। ठेकेदार के पास दस साल तक ब्रिज के रखरखाव की जिम्मेदारी रहेगी। इससे गुणवत्ता बेहतर बनी रहेगी। नर्मदापुरम सिक्सलेन बीआरटी रोड के पहले ही विद्यानगर आइएसबीटी पर ब्रिज उतरा जाएगा। इससे आशिमा मॉल के सामने की ओर चौराहा बनेगा। इससे सिग्नल सिस्टम और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनेगी। ब्रज से वाहनों के उतरने पर चौराहे पर जमा की स्थिति भी बन सकती है।

संक्षिप्त खबरें

नारियल खेड़ा सहित कई इलाकों में बिजली कटौती
जागरण संवाददाता, भोपाल। सोमवार को शहर में मेट्रो लाइन निर्माण कार्य के चलते बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज मेट्रो ऑरेंज लाइन एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए पोल शिफ्टिंग व अन्य कार्यों के चलते फिरदौस नगर, शीतल नगर, निशातपुरा, श्रीनगर, शारदा नगर और नारियलखेड़ा क्षेत्र में दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। इसी तरह ब्लू लाइन निर्माण के चलते एजी कालोनी, पीएंडटी कालोनी, संजय काम्पलेक्स, कर्मचारी भवन, बजरंग शादी हॉल, अग्रसेन भवन, प्लेटिनम प्लाजा, माता मंदिर चौराहा, सीआई होम्स, हर्षवर्द्धन नगर, गुर्जर भवन और आसपास के इलाकों में सुबह 10.30 से 3.30 बजे तक और नेहरू नगर रोड स्थित मेट्रोलाजिकल कालोनी, निराला नगर, द्वारकापुरी, आईआईएफएम (वानिका), एकता मार्केट, आकाशवाणी आकृति गार्डन और आसपास के इलाकों में सुबह 10.30 से 3.30 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी जाएगी। बिजली लाइन मेंटनेंस कार्य के चलते हाउसिंग बोर्ड कालोनी अयोध्या नगर, सी, डी, स्टोन क्रशर, हाउसिंग बोर्ड फेस 5, जैन मंदिर और गीत बंगलो सहित आसपास के इलाके में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सप्लाई बाधित रहेगी। एमएलए रेस्ट हाउस, मालवीय नगर व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

जहर खाने से युवक की मौत
जागरण, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 46 वर्षीय महेश सराठे पिता हरि सिंह शिव नगर फेस तीन में रहते है। वह एक सैलून में कटिंग का काम करते थे। वह शराब पीने के आदी थे। शनिवार रात दस बजे उन्होंने चूहा मार दवाई खा ली। हालत बिगड़ता देख परिजन तुरंत उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

सूने मकान से लाखों की चोरी
जागरण, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में चोरों ने मकान का ताला तोड़कर कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 27 वर्षीय धनवती दिक्षीत पति सौरभ ग्राम महोली में दिनेश लोधी के किराए के मकान में रहते है। वह डीमार्ट में करती है। जबकि उनके पति पंडिताई करते है। घटना के वक्त उनके पति बाहर गए थे। 15 फरवरी को उनकी पेटी में रखे दो जोड़ पायल और एक मंगलसूत्र समेत अन्य कीमती सामान गायब मिला।

5 साल से फरार हत्या व लूट का आरोपी गिरफ्तार
क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पांच से साल से फरार हत्या के प्रयास और लूट का आरोपी कोलार पुलिस के हत्थे चढ़ा है। आरोपी को दबोच पुलिस ने उसका दो किमी तक पीछा किया। उस पर आठ हजार रुपए का ईनाम घोषित था। उसने गुजरात व राजस्थान में फरारी काटी। होली मनाने घर आया तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से दो स्थाई वारंट भी जारी थे। जोकि काफी समय से लंबित थे। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी के मुताबिक, शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हत्या के प्रयास और लूट के मामले में फरार आरोपी घर के आसपास देखा गया है। वह पांच साल से फरार है और अभी होली मनाने के लिए आया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक टीम तैयार की। आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस को देख वह भागा। पुलिस ने उसका दो किमी तक पीछा किया। इसके बाद उसे कजलीखेड़ा से दबोच लिया। फरार आरोपी की पहचान रोहित खरे उर्फ बटलर उर्फ रॉकी (24) पिता राजकुमार खरे निवासी झुग्गी 58 संदीप किराना स्टोर के पास कजलीखेडा के रूप में हुई। उसके खिलाफ थाना शाहपुरा में हत्या के प्रयास और कोलार में लूट का केस दर्ज था। जिनमें वह फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बैंक अधिकारी के सामने महिला के खाते से ऑनलाइन निकले 7.55 लाख रुपए

केवायसी अपडेट करने के आ रहे थे मैसेज, अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एक महिला के साथ बैंक के अंदर ठगी हो गई। बैंक में अधिकारी सामने ही उनके खाते से आनलाइन 7.55 लाख रुपए निकाल लिए गए। वह केवायसी अपडेट कराने के लिए बैंक पहुंची थीं। उनके पास कई दिनों से केवायसी अपडेट कराने के मेसेज आ रहे थे। उन्होंने तुरंत अपना खाता फ्रीज करवाया। इस संबंध में उन्होंने राष्ट्रीय हेल्प लाइन नंबर 1930 पर शिकायत की थी।

अयोध्या नगर पुलिस के मुताबिक ओल्ड मीनाल निवासी गीता पति अजीत नायर ने पुलिस को बताया कि उनका एमपीनगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक में खाता है। कई दिनों से उनके मोबाइल पर केवायसी अपडेट कराने के मेसेज आ रहे थे। 20 फरवरी 2026 को वह बैंक पहुंची। उन्होंने बैंक में अधिकारी को आधार कार्ड और पेन कार्ड दिया। वह अभी उनका केवायसी अपडेट कर रहा था तभी

उनके मोबाइल पर 3.10 लाख रुपए खाते से कटने का मेसेज आया। उन्होंने यह बात तुरंत बैंक अधिकारी को बताई। उससे खाता फ्रीज करने को कहा। इससे पहले वह खाता फ्रीज करता दूसरे मेसेज आया जिसमें उनके खाते से 4.45 लाख रुपए कट गए। इस तरह उनके खाते से जालसाज ने आनलाइन 7.55 लाख रुपए निकाल कर ठगी कर ली। जांच के बाद राज्य सायबर सेल से यह डायरी अयोध्या नगर थाना पुलिस को भेजी गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्लोब कैपिटल नाम से कंपनी में जमा किए पैसे
इधर, जहांगीराबाद इलाके में बरखेड़ी निवासी रोहित यादव के साथ आनलाइन 2.47 लाख की ठगी हो गई। वह गूगल पर जॉब सर्च कर रहे थे। तभी उनके पास अलग-अलग नंबर से कॉल आए। कॉलर ने बोला कि आप यदि दो लाख रुपए निवेश करोगे तो आपको अच्छा मुनाफा हमारी कंपनी दिलाएगी। यह ग्लोब कैपिटल के नाम से कंपनी थी। रोहित इधर-उधर से जुगाड़ करके किश्तों में 2.47 लाख रुपए जमा किए। 10 नवंबर 2025 से उन्होंने शेयर मार्केट में निवेश करना शुरू किया था। बाद में जालसाज ने अपने नंबर बंद कर लिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

भेल स्पोर्ट्स कांपलेक्स के पास जंगल में मिले शव की हुई पहचान

एआई से रिकस्ट्रक्ट कर 80 फीसदी बनाया चेहरा, माइक्रो बीट से मिली मदद

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भेल स्पोर्ट्स कांपलेक्स के पास साकेतनगर रोड पर मिले शव की पहचान हो गई है। उसका गला रेत कर हत्या की गई थी। सिर पर भारी चीज से वार किए थे। चाकू से चेहरा बिगाड़ दिया था। पुलिस ने एआई से रीकंस्ट्रक्शन पर 80 फीसदी चेहरा बनाया। इसे माइक्रो बीट पर सर्कुलेट किया। माइक्रो बीट की मदद से शनिवार देर रात 11 बजे उसकी पहचान हो गई। माइक्रो बीट ग्रुप में जुड़े लोगों ने उसकी पहचान कर दी। पुलिस ने रविवार को शव परिजनों के हवाले कर दिया। गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि मृतक की पहचान मंदीडीप निवासी चंद्रकांत पटेल (40) के रूप में हुई है। वह बेलदारी का काम करता था। 20 फरवरी की शाम पांच बजे घर से भोपाल काम के सिलसिले में निकला था। इसके बाद उसने अपने बेटे से बाइक मंगवाई। रात आठ बजे बेटा उसे जहांगीराबाद इलाके में बाइक देकर गया था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी की पहचान में जुटी है। घटनास्थल से पुलिस को मृतक की बाइक और उसका मोबाइल नहीं मिला था। आखिरी समय चंद्रकांत के साथ कौन था, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। तकनीकी साक्ष्यों को जुटा रही है।

गला रेत कर की हत्या
गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब पौने आठ बजे राहगीरों ने सूचना दी थी कि भेल स्पोर्ट्स कांपलेक्स के पास साकेत नगर रोड पर जंगल में एक युवक की लाश पड़ी है। उसके सिर व गले से गहरे घाव के निशान हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। मृतक के पास ऐसा कुछ नहीं मिला था जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। मृतक का रंग सांवला था। उसने नीले सफेद रंग की शर्ट पहनी थी कपड़े की जैकेट थी, जिस पर गूची लिखा था। युवक की गला रेत कर हत्या की गई थी। पुलिस ने आशंका जताई थी कि घटना शुक्रवार रात की है।

रक्त का थक्का हटाना हुआ आसान बिना चीर फाड़ के इलाज होगा संभव

नगर संवाददाता, भोपाल। रक्त का थक्का या ब्लड क्लॉट, जिसे थ्रोम्बोक्टॉमी के नाम से भी जाना जाता है। अब इस बीमारी का इलाज संभव हो गया है। शहर के नोबल अस्पताल में इस बीमारी के इलाज के लिए एडवांस मशीन आ गई है। शनिवार को अस्पताल के चिकित्सकों ने इस संबंध में प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। डॉ. अगम्य सक्सेना और डॉ. सर्वेश मिश्रा ने बताया कि यह प्रणाली फार्मोकोमैकेनिकल तकनीक पर आधारित है, जिसमें दवा और मैकेनिकल प्रक्रिया के संयोजन से थक्के को हटाया जाता है तथा प्रभावित हिस्से में रक्त प्रवाह को शीघ्र बहाल किया जाता है। डॉ. सक्सेना ने

कहा कि इस तकनीक के माध्यम से हाथ, पैर, पेट, डायलिसिस फिस्टुला सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में बने रक्त के थक्कों को बिना बड़ी सर्जरी के हटाया जा सकता है। केवल एक छोटी सी सुई के माध्यम से धमनी के रास्ते प्रभावित हिस्से तक पहुंचकर थक्का हटाया जाता है। नई स्ट्रोक गाइडलाइंस के अनुसार थ्रोम्बेक्टॉमी आधारित उपचार को प्राथमिकता दी जा रही है, क्योंकि समय पर हस्तक्षेप से लकवे की समस्या कम की जा सकती है।

यह कैसे काम करती है
- **कैथेटर डालना:** डॉक्टर एक पतला कैथेटर को प्रभावित नस में थक्के के पास तक ले जाते हैं।
- **हाई-स्पीड सलाइन जेट:** कैथेटर के अगले हिस्से से सामान्य सलाइन (खारा पानी) की बहुत तेज धार छोड़ी जाती है। यह धार पीठे की तरफ मुड़ी होती है।
- **लो-प्रेशर जोन बनाना:** भौतिकी के नियम के अनुसार, जब पानी बहुत तेज गति से बहता है, तो वहां कम दबाव का क्षेत्र बन जाता है। इसे ही बर्नोली इफेक्ट कहते हैं।
- **थक्के का टूटना और खिंचना:** इस कम दबाव की वजह से आसपास मौजूद खून का थक्का टूटकर कैथेटर के छेद की ओर खिंचने लगता है।
- **बाहर निकालना:** थक्का पूरी तरह से छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाता है और कैथेटर के जरिए शरीर से बाहर निकाल लिया जाता है।

एक्टिवा और लोडिंग वाहन की भिडंत
जागरण, भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में नमाज पढ़ने जा रहे एक्टिवा सवार दो छात्रों को लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्र की हालत नाजुक है। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 17 वर्षीय अब्दुल्ला कसेरा गली में रहता है। वह 10वीं कक्षा में पढ़ाई करता है। रविवार की सुबह करीब सवा पांच बजे वह अपने दोस्त के साथ फजर की नमाज पढ़ने ताजुल मसाजिद जा रहा था। इस दौरान जैसे ही वह अर्जुन भवन के सामने शेरवाली बिल्डिंग के पास पहुंचा तो आसन से आ रहे लोडिग वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अब्दुल्ला के सिर पर गंभीर चोटें आई है। जबकि उसके पीछे बैठे अयान अंसारी के पैर में चोट आई है। दोनों घायलों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां अब्दुल्ला वेंटिलेटर पर है और उसकी हालत नाजुक है।

बोर्ड परीक्षाओं के पर्यवक्षकों को 5वीं-8वीं में किया तैनात

परीक्षाओं के बंधन से मुक्त हैं भोपाल के 100 से ज्यादा अटैच शिक्षक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। दसवीं व बारहवीं की बोड परीक्षाओं के बीच पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं भी शुरु हो गई हैं। उक्त परीक्षाओं से सबसे ज्यादा परेशानी शिक्षक उन शिक्षकों को उठाना पड़ रही है, जिनकी पोस्टिंग मिडिल एवं प्राइमरी स्कूलों में है। उन्हें दसवीं व बारहवीं की परीक्षाओं की जिम्मेदारी व्याख्याता और माध्यमिक शिक्षकों के कंधों पर है। राजधानी की मिडिल एवं प्राइमरी स्कूलों में पढ़ाने वाले दो हजार शिक्षकों को वर्तमान में ज्यादा परेशानी उठाना पड़ रही है। उक्त शिक्षकों की पांचवी आठवीं में ड्यूटी लगा दी है। जबकि वे 10वीं और 12वीं की परीक्षा में पर्यवेक्षक की भूमिका निभा रहे हें। उक्त शिक्षकों का कहना है कि जब विभाग में बड़ी संख्या में व्याख्याता हैं तो उनसे परीक्षा में ड्यूटी क्यों नहीं कराई जा रही है। भोपाल के करीब 100 व्याख्याता और उच्च माध्यमिक शिक्षक अन्य विभागों में अटैच हैं। विभाग उन्हें परीक्षाओं में संलग्न करने में डर रहे हैं। दोनों परीक्षाओं में तैनात किए गए शिक्षकों का कहना है कि उनकी पदस्थापना मिडिल प्राइमरी में है।

> समय पर कार्य कराना है। इसलिए मिडिल प्राइमरी के शिक्षकों की बोर्ड परीक्षाओं में ड्यूटी लगाई गई है। इन्हें पांचवीं-आठवीं और दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं में ड्यूटी करनी होगी।
>
> ■ **नरेंद्र कुमार अहिरवार**
> जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

एसआईआर गोविंदपुरा में 80 साल से ज्यादा के 4303 मतदाता, बैरसिया में 90 से 109 साल वाले 598 मतदाता

गोविंदपुरा में 80+ के, तो बैरसिया में 90+ उम्र के मतदाता सबसे ज्यादा

जागरण संवाददाता, भोपाल। हरियाली और साफ हवा आसपास के परिवेश को तो साफ रखती ही है। यह आम आदमी की उम्र को भी बढ़ा देती है। हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के दौरान यह बात सामने आई है। नई मतदाता सूची के अनुसार शहर में 80 साल या इससे ज्यादा उम्र के मतदाता गोविंदपुरा विधानसभा में मौजूद हैं। जबकि उत्तर विधानसभा में इनकी संख्या सबसे कम है। इसके पहले भी गोविंदपुरा विधानसभा में 80 साल से ज्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या हमेशा ही सर्वाधिक रही है। जबकि दक्षिण पश्चिम और मध्य विधानसभा में वोटर्स उत्तर विधानसभा की तुलना में कम है। फिर भी यहां पर 80 साल से ज्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या उत्तर विधानसभा से ज्यादा है। यही स्थिति बैरसिया विधानसभा के साथ भी है। यहां भी पेड़ और खेतों की वजह से पर्यावरण शहर की तुलना में अधिक स्वच्छ है। इस कारण 80 साल से अधिक उम्र के वोटर्स की संख्या भी अन्य विधानसभाओं की तुलना में अधिक है। 90 से 99 साल और 100 से 109 साल की उम्र के वोटर्स भी बैरसिया विधानसभा में ही सर्वाधिक हैं। खास बात यह है कि 120 साल की उम्र से अधिक केवल 3 मतदाता ही जिले में मौजूद हैं और यह तीनों गोविंदपुरा विधानसभा में रहते हैं।

प्रदूषण व पेड़ों की संख्या कम होने के कारण कम हुई उम्र
उत्तर व नरेला विधानसभा में पेड़ों की संख्या कम होने के कारण और दोनों ही विधानसभाओं का बड़ा क्षेत्र यूनियन कार्बाइड के मिथाइल आइसोसायनाइड से भी प्रभावित रहा है, जिसके कारण लोगों की आयु कम हो गई है। उत्तर और नरेला विधानसभा के ज्यादातर इलाकों में पेड़ों की संख्या अन्य विधानसभाओं की तुलना में कम है। यदि गौर करें तो शहर के ज्यादातर नगर वन भी चार विधानसभाओं में हैं। इन्हीं विधानसभाओं में 80 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या अधिक है। बैरसिया विधानसभा के ग्रामीण होने के कारण वहां पेड़ों की संख्या शहर की तुलना में अधिक है। वहां वाहनों का प्रदूषण भी कम है। ऐसे में यह परिवेश लोगों के लंबा जीवन का राज हो सकता है। उत्तर विधानसभा में केवल एक ही नगर वन का कुछ क्षेत्र आता है। नरेला में एक भी नगर वन नहीं है और यहां पेड़ों की संख्या भी अन्य विधानसभाओं की तुलना में कम है।

37 साल में लगाए गए 18 लाख पौधे
सीपीए द्वारा 1986 से 2021 तक इन सभी नगर वन, भोज वेटलेंड, शहर के मुख्य मार्गों के किनारे और सेंट्रल वर्ज सहित भेल में कुल 17,97,613 पौधे लगाए गए हैं। खास बात यह है कि नगर वन के पौधे और भोज वेटलेंड में लगाए गए पौधे तो सुरक्षित रहे, जबकि सड़क किनारे लगाए पेड़ों को काटकर लोगों ने कब्जा कर लिया और सेंट्रल वर्ज से भी पेड़ हटाए गए हैं।

शहर के 12 नगर वन और उनके स्थान
पार्क का नाम	स्थान	रकबा (हे. में)
1. स्वर्ण जयंती पार्क	दक्षिण पश्चिम	42.18
2. एम्स नगर वन	गोविंदपुरा	9.69
3. जम्बूरी मैदान	गोविंदपुरा	21.70
4. बोरवन नगर वन	हुजूर (बैरागढ़)	61
5. एकांत पार्क	मध्य और द.पश्चिम	26
6. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क	हुजूर (कोलार)	18
7. भोज विहार नगर वन	दक्षिण पश्चिम	3.50
8. प्रियदर्शिनी नगर वन	दक्षिण पश्चिम	2.50
9. कान्हा कुंज	हुजूर (कोलार)	22.00
10. नया पुरा टेकरी	हुजूर और उत्तर	79.18
11. शाहपुरा मोर वन	मध्य (शाहपुरा)	64.16
12. सरदार पटेल पार्क	हुजूर	3.50

विधानसभा क्षेत्र जहां उम्रदराज मतदाता
विधानसभा	कुल मतदाता	80-89 साल के वोटर्स	90-109 साल के वोटर्स
बैरसिया	2,45,030	3084	598
उत्तर	2,05,605	1688	194
नरेला	2,83,893	2278	214
द. पश्चिम	1,72,610	1787	187
मध्य	1,81,274	2365	299
गोविंदपुरा	3,20,746	4303	289
हुजूर	3,36,295	3324	431

गोविंदपुरा और मध्य में लोगों ने घरों में ही लगा लिए पेड़
मध्य और गोविंदपुरा विधानसभा में लोग भी पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक हैं। यहां की शक्ति नगर, साकेत नगर, अवधपुरी, इंद्रपुरी, कल्पना नगर सहित अन्य कालोनियां जहां भेल के रिटायर्ड अधिकारी रहते हैं। यहां लोगों ने अपने घरों में ही पेड़ लगा रखे हैं। इसी तरह मध्य के शाहपुरा, अरेरा कालोनी और गुलमोहर सहित आगे की कालोनियों में लोगों के घरों में भरपूर हरियाली है।

आज से तेरा सुहाग नहीं कहकर युवक ने दी जान
क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरागढ़ इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या से पहले उसने पत्नी का मंगलसूत्र छीना, बोला- आज से तेरा सुहाग नहीं रहेगा। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 24 वर्षीय विशाल अहिरवार पिता प्रताप अहिरवार सीटीओ बैरागढ़ में रहता था। वह एक कपड़े की दुकान पर सेल्समैन का काम करता था। शनिवार देर रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा। पत्नी ने उसे शराब पीने से मना किया और समझाया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद सुनकर मां का आ गई। मां ने उसे डांट-फटकार लगाई। इससे नाराज होकर युवक ने पत्नी का मंगलसूत्र छीना और बोला कि आज से तू विधवा होगी। इसके बाद पत्नी को कमरे से बाहर निकाल दिया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। युवक ने पत्नी की साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पत्नी और मां ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया। तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

अभिरुचि नगर के श्री पार्श्वनाथ जिनालय में हुआ महामाष्काभिषेक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्री पार्श्वनाथ जिनालय अभिरुचि नगर में रविवार को मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक और शांति धारा के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया जिनालय निर्माण भगवान विराजमान के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में यहां विशेष धार्मिक अनुष्ठान हो रहा हैं। शाम को संगीतमय आरती के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण भी हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष विकाश जैन, वीरेंद्र अजमेरा, महेंद्र कुमार कोठरी, विनोद जैन इंजीनियर, राजेंद्र चौधरी मौजूद थे।

पिपलानी क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एयरफोर्स जवान का बैग लूटा

जागरण,भोपाला। पिपलानी थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाशों ने पैदल जा रहे एयरफोर्स जवान (एयरमैन) का बैग छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 29 वर्षीय अमन तिवारी पिता लखन तिवारी सीहोर का रहने वाले हैं। वह एयरफोर्स जवान है और श्रीनगर में पदस्थ है। 21 फरवरी को वह इंद्रपुरी स्थित एक दोस्त में मिलने भोपाल आया था। जहां से करीब साढ़े दस बजे अमन वापस सीहोर जाने के लिए बस स्टॉप की तरफ पैदल जा रहा था। इस दौरान रीवा अस्पताल के पास पहुंचते ही अचानक बाइक सवार तीन बदमाशों ने पीछे से आकर उसके हाथ से बैग झपट लिया। घटना के वक्त युवक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही बदमाश मौके से फरार हो गए। लूटे गए बैग में मोबाइल, एटीएम कार्ड,जरूरी दस्तावेज समेत अज्ञात कीमती सामान रखा था। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नाबालिग से युवक ने की छेड़छाड़

जागरण,भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से युवक ने पार्क में छेड़छाड़ की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 15 वर्षीय छात्रा आठवीं क्लास में पढ़ती है। एक महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान 22 वर्षीय निखिल कुशवाहा नामक युवक से हुई। बातचीत के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई। 13 फरवरी को युवक ने मिलने के लिए कोच फैक्ट्री पार्क में बुलाया। जहां उसने बुरी नियत से छात्रा का हाथ पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की। आरोपी की हरकतों से घबराकर छात्रा मौके से भाग निकली। बाद में उसने अपनी मां को आपबीती सुनाई। इसके बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

परीक्षाओं के बीच हुआ तबादला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में शिक्षकों के स्थानान्तरण किए जा रहे हैं। जबकि तबादलों पर रोक लगी हुई है। कुछ दिनों पूर्व एक शिक्षक का तबादला होने से शिक्षकों ने ही सवाल करना शुरु कर दिया है। आरोप लगाया जा रहा है कि कि एक ओर नियम बनाये जा रहे हैं, दूसरी तरफ उनका विभाग के जवाबदार लोग ही खुलकर उल्लंघन कर रहे हैं। सिंगरौली जिले में पदस्थ प्राथमिक रशिक्षक गंगोत्री ब्रम्हे का तबादला उत्तर टोला ढेकली से जैतपुर शाला किया गया। इससे संबंधित आदेश लोक शिक्षण संचालनालय की कमिश्नर शिल्पा गुप्ता द्वारा जारी किया गया। आदेश में स्पष्ट है कि संबंधित लोक सेवक का स्थानान्तरण आदेश जारी होने पर उसकी सेवा पुस्तिका ट्रांसफर ऑर्डर में उल्लेखित जानकारी का मिलान करने के उपरांत सही पाये जाने के बा कार्यमुक्त किया जाये। शिक्षक पूर्व से पदस्थी संस्था में बगैर सूचना के लंबी अवधि से अनुपस्थित है तो उक्त प्रकरण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तीन दिन में संचालनालय को विशेष वाहक से भेजा जाए। स्थानान्तरित शिक्षक को अपना कार्यभार तत्काल सौंपना अनिवार्य होगा। मप्र समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश दुबे का कहना है कि जब प्रतिबंध लगा है, परीक्षाएं संचालित हैं, ऐसे समय में स्थानान्तरण उचित नहीं है।

60 सीसीटीवी से पुलिस ने नाबालिग बच्चियों को लखनऊ से किया बरामद

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने दो नाबालिग बच्चियों को 12 घंटे के अंदर लखनऊ से बरामद कर लिया है। पुलिस ने 60 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बच्चियों को खोज निकाला। पुलिस ने काउंसलिंग के बाद बच्चियों को उनके परिजनों को सौंप दिया है। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि शुक्रवार को दो लोगों ने सूचना दी कि उनकी बेटियां घर नहीं पहुंची। वह दोपहर में घर से स्कूल जाने के लिए निकली थीं। लेकिन स्कूल भी नहीं गई। दोनों आपस में सहेलियां हैं। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। नाबालिग बच्चियां होने पर पुलिस ने उसे गंभीरता से लिया। तुरंत एक टीम गठित कर घर और स्कूल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि अपहृता रेलवे स्टेशन के आसपास दिखाई दीं। पुलिस की टीम रेलवे स्टेशन पहुंची। एक ट्रेन में सवार होते बच्चियां कैद हुईं। इस ट्रेन के संबंध में जानकारी लेकर एक टीम पीछे भेजी। दोनों बच्चियों को लखनऊ यूपी से सकुशल बरामद कर लिया। उन्होंने पुलिस की टीम को बताया कि वह परिजनों से नाराज होकर लखनऊ चली गईं थीं। पुलिस ने काउंसलिंग के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया है।

बाल भारती में एआई इन क्लासरूम पर कार्यशाला का आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शहर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था बाल भारती पब्लिक स्कूल निशातपुरा में एआई इन क्लासरूम विषय पर शिक्षकों के लिए एक दिवसीय सीबीएसई कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्कूल की को-ऑर्डिनेटर श्रीमती मृदुलता सिंह ने विषय विशेषज्ञों सुश्री अर्शी गौहर तथा सुश्री उर्मिला पंथी का सैपलिंग देकर स्वागत किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य शिक्षकों को कक्षा में एआई के उपयोग के बारे में जानकारी देना और उन्हें इसके माध्यम से शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करना था।

कचरा प्रोसेसिंग के लिए दो बार टेंडर जारी, कोई कंपनी आने को तैयार नहीं

आदमपुर खंती: 15 मार्च से शुरू होगी माइक्रो मॉनिटरिंग, जिम्मेदारी होगी तय

जागरण संवाददाता, भोपाल। आदमपुर खंती के कचरे की प्रोसेसिंग को लेकर नगर निगम भोपाल द्वारा दो बार टेंडर जारी किए गए हैं, लेकिन फिलहाल कोई भी कंपनी कचरे की प्रोसेसिंग का काम लेने को तैयार ही नहीं है। जिसके चलते खंती में मौजूद कचरे की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आदमपुर खंती के साथ ही देशभर में कचरा प्रबंधन को लेकर नए और स्पष्ट नियम तैयार हो गए हैं, जिसके बाद 15 मार्च के कचरे की माइक्रो मॉनिटरिंग शुरू हो जाएगी। जिसके तहत हर घर व वार्ड से कचरा कलेक्ट करने को लेकर इसे अलग अलग करना और आदमपुर खंती में इसकी प्रोसेसिंग तक की जिम्मेदारी विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारी की होगी और इसमें लापरवाही करने पर जुर्माने व सजा तक का प्रावधान किया गया है। फिलहाल नगर निगम चाहता है कि जल्द से जल्द कोई भी कंपनी कचरा प्रोसेसिंग का काम शुरू करने की तैयारी करे, लेकिन फिलहाल किसी भी कंपनी ने इस टेंडर को हासिल करने में रुचि नहीं दिखाई है।

इस कारण जरूरी है आदमपुर खंती के कचरे की प्रोसेसिंग

आदमपुर खंती में जमा लाखों टन कचरे की प्रोसेसिंग न होने से इससे हानिकारक मीथेन गैस रिलीज होती है और गर्मी के मौसम में इसी गैस की वजह से दो बार भीषण आग लग चुकी है, जिसके चलते आसपास के पूरे इलाके में हानिकारक गैसें, हाइड्रोकार्बन वातावरण को प्रदूषित करता है। कचरे के सड़ने से निकलने वाला हानिकारक लिचेट भूमिगत जल को प्रदूषित करता है। इस कारण इस कचरे की प्रोसेसिंग जरूरी हो गई है।

इस तरह लागू होंगे नए नियम

नए नियमों के तहत कचरे की प्रोसेसिंग न होने से जनप्रतिनिधि और अफसर जिम्मेदार होंगे। 1 अप्रैल से लागू होने जा रहे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) रूल्स -2026 के तहत नगर निगम के साथ ही, वार्ड पार्षद, नगर निगम अध्यक्ष और महापौर की जिम्मेदारी तय की गई है। कचरे की प्रोसेसिंग की जिला कलेक्टर और मुख्य सचिव तक को नियमित मॉनिटरिंग करते रहना होगा। कलेक्टर की ही जिम्मेदारी होगी कि वे कचरा प्रबंधन ढांचे का इंफ्रास्ट्रक्चर ऑडिट कराकर मुख्य सचिव को रिपोर्ट भेजें। स्थानीय निकायों को अब कचरे के निपटारे की प्रगति रिपोर्ट फोटो और अन्य सबूतों के साथ पेश करनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर स्थानीय निकाय और अन्य कचरा उत्पादकों पर जुमार्ने से लेकर आपराधिक प्रकरण तक का प्रावधान रहेगा।

पुराना बकाया राशि जमा करने बीयू पहुंच रहे कॉलेज

28 तक जमा होंगे संबद्धता और नए कोर्स के आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए कालेजों की अस्थायी संबद्धता, नवीनीकरण, पूर्व से संचालित कोर्स की निरंतरता, सीट वृद्धि और नये कालेज और नए कोर्स शुरू करने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। हाईकोर्ट जबलपुर के निदेर्शों के तहत संबद्धता शुल्क की 50 प्रतिशत राशि और पूर्व सत्रों का बकाया शुल्क जमा करना अनिवार्य रहेगा।

शुल्क जमा करने के लिए बीयू ने कालेजों को सूचना भेज दी है। इसके चलते कालेज अपना पुराने बकाया की भरपाई करने के लिए बीयू पहुंच रहे हैं। यहां कालेजों को बताया जा रहा है कि उन्होंने कितने समय से अपना बकारा राशि जमा नहीं की है। वहीं 28 फरवरी तक जमा होने वाले आवेदन के साथ कालेज संचालकों को ट्रस्ट/सोसायटी का पंजीयन प्रमाणपत्र, मान्यता आदेश, फैकल्टी अप्रूवल, भूमि और भवन संबंधी दस्तावेज, अग्नि और भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र, बैलेंस शीट, पुस्तकालय और लैब की जानकारी, जियो-टैग्ड फोटो सहित कुल 32 प्रकार के दस्तावेज अपलोड करना आवश्यक होगा। बीयू ने समय सीमा का कढाई से पालन करने को कहा है। बीयू द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सभी आवेदन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से 18 प्रतिशत जीएसटी सहित निर्धारित शुल्क जमा कर किए जाएंगे। सामान्य शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तारीख 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

25 फीसदी देना होगा अधिभार

एक से 30 मार्च तक 25 प्रतिशत अधिभार के साथ विलंब शुल्क देकर आवेदन किए जा सकेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवेदन करने के तीन दिवस के भीतर महाविद्यालयों को सभी आवश्यक दस्तावेज सत्यापित कर सील और हस्ताक्षर सहित विश्वविद्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। दस्तावेज अधूरे होने पर आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी संस्था प्रबंधन की होगी।

यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज

एलबीएस कॉलेज में सीनियर ने की जूनियर के साथ मारपीट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का रैगिंग लेने का एक प्रकरण यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज किया गया है। हेल्पलाइन ने एमसीयू प्रबंधन को प्रकरण का निराकरण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए ई-मेल भेज दिया है। इसके चलते कालेज प्रबंधन सोमवार को हेल्पलाइन से मिले ई-मेल के तहत अपनी कार्रवाई करेग। कालेज प्रबंधन प्रकरण से संबंधित विद्यार्थियों को तलब कर उनसे बयान लेकर लेगा। इसके बाद प्रौक्टोरियल बोर्ड प्रकरण के दोषी विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। कालेज प्रबंधन उक्त प्रकरण की रिपोर्ट तैयार हेल्पलाइन भेजेगा। हेल्पलाइन ने रैगिंग की शिकायत होने पर मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय और भोपाल पुलिस आयुक्त को भी ई-मेल भेजा है। करोंद क्षेत्र में संचालित एलबीएस होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में गत दिवस एक जूनियर विद्यार्थी को कुछ सीनियर विद्यार्थियों ने दुर्व्यवहार कर मारपीट की थी। जूनियर विद्यार्थी की सीनियर विद्यार्थियों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर के तमाचा जड़ दिया। विरोध करने पर सीनियर विद्यार्थियों ने एकजुट होकर जूनियर की जमकर पिटाई कर दी। कालेज में प्रवेशरत जूनियर विद्यार्थियों ने बताया कि कालेज परिसर में सीनियर विद्यार्थी दादागिरी करते हैं। उनके साथ काफी शर्मनाक हरकतें करते हैं। उन्हें सर कहने के दवाब बनाया जाता है। उन्हें मजबूरी में सर सीनियर को कहना पड़ता है। कालेज परिसर के बाद अन्य स्थानों पर बुलाकर गलत तरीके से बर्ताव करते हैं। नोट्स तैयार कराते हैं और बाजार जाकर फोटो कापी कराकर लाने के लिए मजबूर करते हैं। प्रबंधन का सीनियर पर कोई नियंत्रण नहीं है। इसके चलते कालेज का शैक्षणिक माहौल प्रभावित हो रहा है।

चंद घंटों में तैयार होंगे ट्रेनों के पहिए दस दिन का काम होगा 48 घंटे में

रानी कमलापति डिपो में 10.71 करोड़ रुपए की अत्याधुनिक मशीन से का शुरू

जागरण संवाददाता, भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे ने रेल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्री सुरक्षा की दिशा में शनिवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। रानी कमलापति कोचिंग डिपो में अत्याधुनिक सीएनसी अंडर फ्लोर व्हील लेथ मशीन का विधिवत शुभारंभ किया गया। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय नेएक कार्यक्रम के दौरान इस मशीन को लोकार्पित किया। इस मशीन की स्थापना से भोपाल रेल मंडल के परिचालन में क्रांतिकारी बदलाव आने वाला है। अब तक कोचों के पहियों की घिसाई (टायर टर्निंग) या मरम्मत के लिए उन्हें कोच रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप भेजना पड़ता था। इस पूरी प्रक्रिया में औसतन 8 से 10 दिन का समय बर्बाद होता था। लेकिन अब यह कार्य रानी कमलापति डिपो में ही मात्र 1 से 2 दिनों के भीतर संपन्न हो सकेगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ट्रेनों की उपलब्धता में भी भारी वृद्धि होगी।

बिना डिब्बे हटाए होगी पहियों की मरम्मत: इस मशीन की सबसे बड़ी विशेषता इसका अंडरफ्लोर होना है। पारंपरिक मशीनों में पहियों की मरम्मत के लिए कोच को ऊपर उठाना और पहियों को बाहर निकालना पड़ता था, जिसमें काफी श्रम और रिस्क होता था। इस नई तकनीक के जरिए अब कोच को बिना डिसमेंटल किए सीधे मशीन पर खड़ा किया जाएगा और फर्श के नीचे से ही उसकी फिनिशिंग की जाएगी।

सुरक्षा और सटीकता का मेल

- 10.71 करोड़ की लागत से एचवाईटी इंजीनियरिंग द्वारा निर्मित यह मशीन पूरी तरह से ऑटोमेटेड है।
- शून्य त्रुटि-सीएनसी तकनीक से पहियों की गोलाई में सूक्ष्म से सूक्ष्म त्रुटि को भी दूर किया जाता है, जिससे तेज रफ्तार में भी ट्रेन के पटरी से उतरने का खतरा न्यूनतम हो जाता है।
- लंबी उम्र- सटीक टर्निंग के कारण पहियों की घर्षण क्षमता सुधरती है और उन्हें बार-बार बदलने की ज़रूरत नहीं पड़ती।
- यात्री अनुभवःपहियों के सही आकार में होने से यात्रा के दौरान कोच में होने वाली आवाज़ और झटकों में भारी कमी आएगी।

दूल्हा-दुल्हन को लगे छप्पन भोग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के द्वारा आयोजित 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को शाम बाबा बटेश्वर का दूल्हा एवं माता गोरा का दुल्हन के स्वरूप में दिव्य श्रृंगार कर महाआरती की गई। समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया

15 हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रशादी

कि दूल्हा -दुल्हन को छप्पन भोग अर्पित कर लगभग 15 हजार महिला- पुरुषों को महा प्रसादी का देर रात तक वितरण किया गया। इस अवसर पर भजन संध्या भी संपन्न हुई। समिति के शिशिर मित्तल, प्रकाश मालवीय, अभिषेक लाला, सचिन राठौर और विजय चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता के खिलाफ प्रताड़ना की एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह चौहान के खिलाफ प्रताड़ना की एफआईआर दर्ज हुई है। बैंक मैनेजर पत्नी ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आईएएस पति को छोड़कर महिला ने कांग्रेस नेता से शादी की थी। महिला की रिपोर्ट पर हबीबगंज थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महेंद्र सिंह चौहान कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उन पर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के आरोप हैं। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में 9 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में पीड़िता शिखा सिंह ने बताया कि उनके पति ने दहेज में दो करोड़ रुपए मांगे और पैसे न देने पर उनके साथ मारपीट की। इसके बाद घर से निकाल दिया है। इसके पूर्व महिला ने इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की थी। महिला और कांग्रेस नेता दोनों की यह दूसरी शादी है। उनकी शादी को 19 साल बीत चुके हैं। काफी समय से पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही है। बताया गया है कि कांग्रेस नेता ने तलाक का नोटिस दिया तब महिला ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

प्रवेश की लेटलतीफी का शिकार हुई फार्मेसी की परीक्षाएं

सात से बीफार्मा फर्स्ट और थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। फार्मेसी का शैक्षणिक सत्र तीस माह पीछे चल रहा है। देरी से शुरू हुए सत्र ने न केवल उनकी पढ़ाई पर असर पड़ है। बल्कि सेमेस्टर परीक्षाएं लेटलतीफी का शिकार हुई हैं। इसके चलते राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) ने बीफार्मा प्रथम और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं का टाइम-टेबल जारी कर दिया है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सात मार्च से शुरू होंगी, जो 23 मार्च तक चलेंगी। तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ मार्च से शुरू होंगी, जो 25 मार्च तक चलेंगी। दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक रखा गया है। परीक्षा में नकल रोकने के लिए आरजीपीवी ने पर्याप्त इंतजाम किए हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की निगरानी करने के लिए तीन उड़नदस्ते की टीम तैयार की गई हैं। इसमें रिटायर आईएएस और आईपीएस अफसर शामिल होंगे।

> प्रवेश प्रक्रिया समय से पूरी न होने से पूरा सेशन लेट हो जाता है। कोविड के बाद से यह स्थिति लगातार बनी हुई है। पहले और दूसरे सेमेस्टर सबसे ज्यादा डिस्टर्ब होते हैं, जबकि बाद के सेमेस्टर में जल्दबाजी में सिलेबस पूरा कराने की कोशिश की गई है।
>
> **दीप्ती जैन एचओडी,** स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस, आरजीपीवी

फार्मेसी कोर्स में कॉलेजों की मान्यता से लेकर परीक्षा तक और आने वाले रिजल्ट पर विलंबता बनी रहेगी। नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया जून-जुलाई तक पूरी हो जानी चाहिए, जिससे अगस्त से नियमित पढ़ाई शुरू हो सके। वर्तमान सत्र में कॉलेजों की मान्यता देने का सिलसिला दिसंबर तक जारी रहा। इसके चलते काउंसलिंग और एडमिशन प्रक्रिया पर विलंब के बादल छाए रहे और पूरा सत्र करीब तीन महीने पीछे चला गया।

पहल समिति सदस्यों को अन्य कालोनियों में जाकर भी लोगों को करेंगे जागरूक

प्लास्टिक नहीं कपड़े के थैले में मिलेगी गोकाष्ठ

जागरण संवाददाता, भोपाल। हर साल की तरह इस साल भी होली के पूर्व आम लोगों को लकड़ी की जगह गोकाष्ठ से होलिका दहन करने के लिए शहर के समाज सेवियों ने कमर कस ली है। रविवार को एमएलए रेस्ट हाउस स्थित एक होटल में बैठक के दौरान गोकाष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्यों ने शपथ ली कि वे अन्य कालोनियों में जाकर भी लोगों को गोकाष्ठ से ही होलिका दहन करने को लेकर जागरूक करेंगे। समन्वयक ममतेश शर्मा ने बताया कि मुहिम पूरी तरह से पर्यावरण हितैषी रहे, इसे लेकर तय किया गया है कि गोकाष्ठ प्लास्टिक के बोरे की जगह कपड़े के थैले में ही दी जाएगी। इस कपड़े के थैले का जो भी मूल्य होगा, उसे समिति के सदस्य आपस में मिलकर साझा करेंगे, ताकि आम लोगों को कम कीमत में ही गोकाष्ठ उपलब्ध हो सके। समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले आठ सालों से शहर में गोकाष्ठ से ही होलिका दहन करने के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। गोकाष्ठ परिवार के प्रमुख सलाहकार डॉ योगेंद्र कुमार सक्सेना ने सभी समिति सदस्यों को अपने इलाके की आसपास की कालोनियों को भी इस पर्यावरण हितैषी मुहिम से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न इलाकों में सेंटर चलाने की जिम्मेदारी भी विभिन्न सदस्यों को सौंपी गई। समिति सदस्य हेमंत अजमेरा, सत्यनारायण बांगड़, प्रहलाद दास मंगल ओल्ड सिटी के गोकाष्ठ सेंटरों का संचालन करेंगे। आनंद नगर और होशंगाबाद रोड की कालोनियों तक गोकाष्ठ सुगमता से पहुंचे। इसकी जिम्मेदारी प्रमोद चुग, अभिषेक तिवारी, योगेंद्र हरदेनिया की रहेगी।

जल्दी ही जारी होगी सेंटरों की सूचना

भोजपुर क्लब, दस नंबर मार्केट, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर का दायित्व मीता वाधवा, पूर्णा सिंह, रजनिका राठौड़ और समता अग्रवाल का रहेगा। मानस भवन और मानस उद्यान की जिम्मेदारी शैलेंद्र निगम, सुनील जेनाविन की रहेगी। गोकाष्ठ समिति के अध्यक्ष अरुण चौधरी और समन्वयक मम्तेश शर्मा ने बताया की जल्द ही सभी गोकाष्ठ विक्रय सेंटरों की जानकारी शहरवासियों से साझा की जाएगी। ताकि शहर में अधिकाधिक होलिका दहन गोकाष्ठ से किया जा सके और पेड़ों को कटने से बचाया जा सके।

संकल्प दिवस पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र भोपाल टीम द्वारा संकल्प दिवस के अवसर पर न्यू मार्केट में हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सैंकड़ों कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर भरत शर्मा, गीत धीर, डॉ. दीपक द्विवेदी, शशांक जैन, विभोर श्रीवास्तव, डॉ. जितेंद्र गुप्ता, आदर्श कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आम नागरिकों को जम्मू कश्मीर और लद्दाख के भारतीय क्षेत्रों पर चीन एवं पाकिस्तान के अवैध कब्जे के विषय में जानकारी प्रदान की तथा भारत की संसद द्वारा 22 फरवरी 1994 को पारित सर्वसम्मत संकल्प से अवगत कराया। नागरिकों ने राष्ट्र की अखंडता के समर्थन में हस्ताक्षर कर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भारत भवन के 44वें वर्षगांठ समारोह का समापन

ओडिसी नृत्य में किया विष्णु के दशावतारों का मनमोहक चित्रण

जागरण, भोपाल। रविवार को भारत भवन के बहुकला केंद्र में 44वें वर्षगांठ समारोह का समापन हुआ। दस दिन के इस महोत्सव ने कला-संस्कृति की विविधता प्रस्तुत की। समापन समारोह का पहला हिस्सा बुंदेली और बघेली लोकगीतों को समर्पित था। ऋषि विश्वकर्मा और उनके साथियों ने बुंदेली ऋतुगीतों की प्रस्तुति से समारोह की शुरुआत की। चैती के साथ उन्होंने चैत मास की परी दुपहरिया जैसे गीत गाकर बुंदेलखंड की पारंपरिक संस्कृति और मौसम की खुशबू से परिचित कराया। इसके बाद बसंत गीत और बुंदेली फाग प्रस्तुत किए। कजरी गीत हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया झूले राधा रानिया ने पूरे हॉल में समां बांध दिया। इस प्रस्तुति में जयंत विश्वकर्मा, चेतन, मनोज, शिवम, प्रह्लाद, अमित, प्रशांत और दिलीप ने भी भाग लिया।

बघेली लोकगीतों में शीला त्रिपाठी और साथियों ने मैहर वाली माई हो से शुरुआत की। इसके बाद आई आई रे बसंत बहार और नैना लगि जाए जैसे गीत प्रस्तुत किए। गीतों की मधुर ध्वनि और कलाकारों की संगत ने हॉल को लोक संगीत की खुशबू से भर दिया। कउने रंग मुंगवा और हरे रामा सावन शिव बउराने जैसे गीत दर्शकों को लोक संस्कृति की गहराई में ले गए। इस प्रस्तुति का समापन सिर बांधे मुकुट खेलय होली गीत से हुआ। इस दौरान मांगीलाल ठाकुर ने हारमोनियम, सुमित प्रजापति ने बांसुरी, मोहित ठाकुर ने तबला, कमलेश मेवाड़ा ने ढोलक, दिव्यांशु पाटीदार ने कीबोर्ड, सचिन अहिरवार ने बैंजो बजाया। राजकुमारी वर्मा और भुवी शर्मा ने सहगायन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण था ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति। पंडित रतिकांत महापात्र और उनके शिष्यगण ने 90 मिनट तक भगवान विष्णु के दस अवतारों का नृत्य प्रस्तुत किया। कलाकारों ने भाव और भक्ति के माध्यम से प्रत्येक अवतार के गुण, कार्य और महिमा को जीवंत रूप में दर्शाया।

संगीत और नृत्य का खूबसूरत संगम

इसके बाद जीवन मधु संगीतमय की पल्लवी प्रस्तुति ने संगीत और नृत्य का खूबसूरत संगम पेश किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक खास प्रस्तुति रामायण के शबरी प्रसंग की भी थी, जिसमें रतिकांत महापात्र ने शबरी के भक्ति भाव को अपनी नृत्य कला के माध्यम से जीवंत किया। समारोह का समापन सूर्यदेव की आराधना के साथ हुआ, जिसमें वंदे सूर्यम की प्रस्तुति ने भक्तिभाव और श्रद्धा को पूरे हॉल में फैलाया। भुवनेश्वर की सृजन ऑन सिंबल संस्था के कलाकारों ने इस प्रस्तुति में सूर्यदेव की महिमा को भावपूर्ण ढंग से दर्शाया। इस प्रकार, दस दिन चले 44वें वर्षगांठ समारोह ने भारतीय लोक और शास्त्रीय कला की समृद्ध धरोहर को जीवंत रूप में पेश किया, जो कला प्रेमियों के लिए यादगार अनुभव बन गया।

बंसल पंख मैराथन में शामिल हुई वालीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने युवाओं का बढ़ाया जोश

10हजार रनर्स ने बनाया फिटनेस का रिकॉर्ड

जागरण, भोपाल। राजधानी की सड़कें रविवार की सुबह एक ऐतिहासिक दौड़ की गवाह बनीं। सेंट्रल इंडिया की सबसे बड़ी मैराथन 'बंसल पंख मैराथन 2026' में 10 हजार से च्यादा रनर्स ने हिस्सा लेकर फिटनेस और सामुदायिक स्वास्थ्य का जबरदस्त संदेश दिया। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई यह रेस भोपाल के अटूट जुनून का उत्सव बन गई।

मैराथन की शुरुआत से पहले माहौल को एनर्जेटिक बनाने के लिए 45 मिनट का विशेष जुम्बा सेशन आयोजित किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री और 'दंगल गर्ल' फातिमा सना शेख ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर प्रतिभागियों का जोश दोगुना कर दिया। फातिमा ने रनर्स को प्रेरित करते हुए कहा, भोपाल का यह जुनून काबिल-ए-तारीफ है, नियमित व्यायाम ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। हजारों लोग डीजे की धुनों पर वॉर्म-अप करते नजर आए। मैराथन के समापन पर विजेताओं को कैश अवॉर्ड और ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया गया। खेल मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवान दास सबनानी और बंसल ग्रुप के चेयरमैन अनिल बंसल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। हर फिनिशर को मेडल प्रदान किया गया, जिससे उनकी थकान खुशी में बदल गई। चार कैटेगरी में हुई इस मैराथन के लिए सुबह 4 बजे से ही हलचल शुरू हो गई थी। इसमें रनर्स ने 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 6 किमी में हुई। 6 किमी की फन रन को लेकर रनर्स में सबसे अधिक उत्साह नजर आया। इसमें सबसे अधिक रनर्स ने हिस्सा लिया। अपर लेक के खूबसूरत नजारों से गुजरते हुए रनर्स वापस टीटी नगर स्टेडियम पहुँचे। कार्यक्रम में बंसल ग्रुप के एमडी सुनील बंसल, डायरेक्टर पार्थ बंसल, डॉ. संगीता जौहरी (आरएनटीयू), और एसआईसी व यूनियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने युवाओं को खेलों के प्रति सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों के लिए रिफ्रेशमेंट और एनर्जी ड्रिंक्स की व्यापक व्यवस्था की गई थी।

संस्कार भारती द्वारा मासिक संगीत संगोष्ठी का आयोजन

'निनाद' में बिखरे शास्त्रीय सुर

जागरण, भोपाल। संस्कार भारती महानगर द्वारा आयोजित मासिक संगीत संगोष्ठी 'निनाद' का रविवार को तुलसी नगर स्थित बाबा योगेंद्र सभागार में आयोजन हुआ। वरिष्ठ संगीतज्ञ पंडित किरण देशपांडे और मुख्य अतिथि भारती सिंह राजपूत की उपस्थिति में सुरों की यह शाम शास्त्रीय संगीत के नाम रही। कार्यक्रम की शुरुआत में युवा शास्त्रीय गायिका हिंदवी मरुवाड़ा ने राग यमन में विलंबित और द्रुत ख्याल की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। अंत में राग अड़ाना में त्रिवट सुनाया। वहीं, तबला वादन में युवा कलाकार अभय मिश्रा ने झपताल में उठान, पेशकार और रेला की प्रभावशाली प्रस्तुति दी, हारमोनियम पर अभय पाठक ने सधी हुई संगत की। इस अवसर पर अध्यक्षा अरुणा शर्मा, संजय मेहता और प्रकाश गलगले सहित कई नागरिक मौजूद रहे। संगोष्ठी का समापन कलाकारों के सम्मान और भोपाल की सांस्कृतिक चेतना को सुरमयी अनुभूति देने के साथ हुआ।

स्पंदन समारोह : शब्दों के कवच से साधी कला की वैज्ञानिक यात्रा

श्रेष्ठ होने से पहले मनुष्य बनना जरूरी : विवेक मिश्र

जागरण, भोपाल। राजधानी के राच्य संग्रहालय में आयोजित 'स्पंदन सम्मान समारोह' का दूसरा दिन कला, कविता और वैचारिक विमर्श के नाम रहा। सत्र की शुरुआत कला और साहित्य के अंतर्संबंधों से हुई, जहां कथक नृत्यांगना रचना यादव ने कला को जीवन का अभिन्न साथी बताया, तो चर्चित रंगकर्मी विभा रानी ने शब्दों को कलाकार का 'कवच' बताते हुए अभिव्यक्ति की शक्ति को रेखांकित किया। इसी कड़ी में आलोचक प्रज्ञा ने कला को एक 'वैज्ञानिक यात्रा' करार दिया, जिसमें निरंतर प्रयोग की आवश्यकता है। साहित्यिक विमर्श को आगे बढ़ाते हुए जितेंद्र श्रीवास्तव ने दो टूक कहा कि 'कविता क्रांति नहीं, बल्कि बदलाव का माध्यम है', वहीं विवेक मिश्र का यह कथन कि 'श्रेष्ठ बनने से पहले मनुष्य बनना आवश्यक है', सभागार में देर तक गूंजता रहा। सत्र में स्त्री-चेतना और सामाजिक विडंबनाओं पर भी गहरा मंथन हुआ। सुभाष राय ने ऐतिहासिक कवयित्रियों के संदर्भ में स्त्री-विद्रोह की परंपरा को याद किया, तो विवेक चतुर्वेदी ने अपनी कविताओं के जरिए देश में फैलती कट्टरता पर तीखा व्यंग्य किया। साहित्यिक पत्रकारिता के गिरते स्तर और मोबाइल संस्कृति की चुनौतियों पर जय प्रकाश पाण्डेय ने चिंता जताई।

एनआईडी मप्र में 'ओपेसिटी'26 - रास्तें' का ग्रैंड फिनाले

कैंपस में फैशन, फुटबॉल और डीजे बीट्स का धमाल!

जागरण, भोपाल। एनआईडी कैंपस में पिछले तीन दिनों से चल रहा 'ओपेसिटी'26- रास्तें' का सफर आज अपने सबसे हाई-एनर्जी मोड में आकर थमा। 22 फरवरी की इस सुबह की शुरुआत किसी बोरिंग लेक्चर से नहीं, बल्कि फुटबॉल ग्राउंड की उस 'मेन कैरेक्टर एनर्जी' के साथ हुई, जहां स्टूडेंट्स ने पसीने और जोश के साथ अपनी एथलेटिक साइड फ्लॉन्ट की। फुटबॉल मैच और ट्रैक पर दौड़ती रफ्तार के बीच हर पल में एक अलग ही लेवल की टीम स्पिरिट देखने को मिली। इसी दौरान मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर के जैन ने पौधारोपण कर सस्टेनेबिलिटी का एक कूल मैसेज भी दिया। दोपहर होते ही माहौल पूरी तरह बदल गया जब 'नक्ष फैशन शो' के बच्चे रैंप पर आए। इस साल की थीम्स मॉन्यूमेंट ऑफ इंडिया और लहर ने तो जैसे इंटरनेट तोड़ने वाली परफॉर्मेंस दी, जहां स्टूडेंट्स ने इंडियन आर्किटेक्चर को मॉडर्न और फ्यूचरिस्टिक ट्विस्ट के साथ पेश किया। शाम को विनर्स को रिवॉर्ड्स दिए गए और फिर शुरू हुआ असली मैजिक डीजे बायनिक के साथ। उनकी बीट्स और नियॉन लाइट्स के बीच स्टूडेंट्स ने जमकर डांस किया और इस शानदार फेस्ट को एक यादगार विदाई दी। सच कहें तो, ओपेसिटी'26 ने दिखा दिया कि एनआईडी मध्य प्रदेश सिर्फ डिज़ाइन की पढ़ाई नहीं, बल्कि यंग टैलेंट के ओवरऑल वाइब को निखारने का असली अड्डा है।

मंच पर उतरी समाज की कड़वी सच्चाई

बेरोजगारी के मलबे में दबी इंसानियत

जागरण, भोपाल। आहान शिक्षा संस्कृति एवं समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आहान नाट्य समारोह की दूसरी शाम भावनाओं और तीखे व्यंग्य के नाम रही। मध्य प्रदेश संस्कृति संचालनालय के सहयोग से लिटिल बैले ट्रुप में वरिष्ठ रंगकर्मी शोभा चटर्जी के निर्देशन में कथा सागर के अंतर्गत तीन लघु नाटकों और आशीष पाठक निर्देशित सोलो नाटक पॉपकॉर्न का प्रभावी मंचन किया गया। समारोह की शुरुआत में तीन कहानियों को मंच पर जीवंत किया गया। हरिशंकर परसाई की 'वैष्णव की फिसलन' के जरिए धर्म और व्यापार के बीच के पाखंड पर चोट की गई। वहीं भगवतीचरण वर्मा की कहानी 'मुगलों ने सल्तनत बख्श दी' और धर्मवीर भारती की 'आवाज का नीलाम' में पूर्वजों के वचनों और सच्चाई को दबाने की कोशिशों को सधे हुए अभिनय के साथ पेश किया गया।

बेरोजगारी और व्यवस्था पर प्रहार है 'पॉपकॉर्न'

शाम की दूसरी प्रस्तुति सोलो नाटक पॉपकॉर्न रही। बालेन्द्र सिंह ने अकेले ही आठ किरदारों को इतनी जीवंतता से निभाया कि दर्शकों को लगा ही नहीं कि यह एकल मंचन है। नाटक की कहानी रूपक नाम के एक युवक की है, जो सेना में जाकर देश सेवा करना चाहता है लेकिन हालात उसे स्टेशन पर पॉपकॉर्न बेचने को मजबूर कर देते हैं। नाटक ने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और स्टेशन पर रहने वाली एक मूक-बधिर लड़की के साथ हुए बलात्कार के जरिए समाज की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल उठाए। रूपक का यह कहना अच्छा आदमी बनाने की कोई मशीन नहीं बनती, दर्शकों के जेहन में गहरी चोट कर गया।

जनजातीय संग्रहालय में गूंजे बुंदेली-मालवी के स्वर

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में रविवार को नृत्य, गायन और वादन की साप्ताहिक गतिविधि संभावना का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। संग्रहालय के मुक्ताकाश मंच पर डिण्डोरी का करमा, सिवनी का अहिरी और उच्जैन-छतरपुर की गायन परंपराओं का संगम देखने को मिला।

बुन्देली और मालवी गायन : छतरपुर की कमला लोधी और साथियों ने बुन्देली गायन में 'वजत आ रहे वाजना' जैसे देवी भजनों और 'आ जईयो लला इते होली है' जैसे फाग गीतों से समां बांध दिया। वहीं, उच्जैन की शिवानी सोनगरा ने मालवी गायन में भरथरी प्रसंग और 'फागण आयो रे' जैसे लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें मालवा की सोंधी महक महसूस की गई।

अहिरी नृत्य

सिवनी के श्री अभिषेक यादव और उनके दल ने अहिरी नृत्य किया। मुख्य रूप से पुरुषों द्वारा किए जाने वाले इस नृत्य में ढोलक, नगड़िया और शहनाई की थाप पर नर्तकों ने अपनी शारीरिक मुद्राओं से दर्शकों को अचंभित कर दिया। दीपावली और फसल कटाई की खुशी को दर्शाते इस नृत्य ने उत्सव का माहोल बना दिया।

करमा नृत्य

डिण्डोरी के लाल सिंह मरकाम और साथियों ने बैगा जनजातीय करमा नृत्य प्रस्तुत किया। नई फसल आने की खुशी में किए जाने वाले इस नृत्य में झूमर, लंगड़ा और लहकी जैसे विभिन्न प्रकारों का प्रदर्शन किया गया। करम वृक्ष की पूजा से जुड़े इस नृत्य ने जनजातीय समाज की प्रकृति के प्रति आस्था को बखूबी दर्शाया।

'नायमैक 3.0' का समापन

सांस्कृतिक संध्या में अनुज रेहान ने बांधा समां

जागरण, भोपाल। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी), भोपाल में आयोजित पांच दिवसीय वार्षिक टेक्नो-कल्चरल फेस्ट 'नायमैक 3.0' का रविवार को रंगारंग समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध गायक अनुज रेहान की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही, जिन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों से विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्सव के समापन अवसर पर अनुज रेहान ने 'समझो ना जाना' और 'रंगरेजा' जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति दी, जिस पर छात्र-छात्राएं झूम उठे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। पांच दिवसीय इस महोत्सव में तकनीकी, सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं की धूम रही। 'रेव एक्स ट्रो' इवेंट के अंतर्गत मस्टैंग और पोर्श जैसी सुपरकार्स का प्रदर्शन किया गया, वहीं 'रोबोसॉकर' और 'वेक्टर 1.0 हैकाथॉन' में छात्रों ने अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। एलुमनी टॉक सेशन में संस्थान के पूर्व छात्रों ने नवागंतुकों को करियर मार्गदर्शन प्रदान किया।

गौहर महल में अनंत महोत्सव: तमिलनाडु के दुर्लभ बीजों से असम की कार्बन फ्री चाय तक ने मोहा मन

जैविक उत्पादों और हस्तनिर्मित कलाकृतियों ने खींचा ध्यान

जागरण, भोपाल। राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में आयोजित तीन दिवसीय अनंत महोत्सव में शहरवासियों का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार को इसका अंतिम दिन था। जैविक खेती और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में बड़ी संख्या में लोग शुद्ध जैविक उत्पादों और हस्तनिर्मित कलाकृतियों की खरीदारी करने पहुंचे। शनिवार का दिन विशेष रूप से रचनात्मक गतिविधियों के नाम रहा, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने मिट्टी की कला, मंडला आर्ट और अनूठी बीज कला (सीड आर्ट) जैसी कार्यशालाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

800 प्रकार के पारंपरिक बीज

महोत्सव में तमिलनाडु से आए किसानों का स्टाल आकर्षण का केंद्र बना। वर्ष 2017 में शुरू हुए मागिंझानम सेंटर के माध्यम से ये किसान विलुप्त हो रही लगभग 800 पारंपरिक बीजों की किस्मों का संरक्षण कर रहे हैं। यहां केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की पारंपरिक किस्में शामिल हैं। किसान यहां 80-90 प्रकार के लंकाई और 40-50 तमार के बीजों के साथ-साथ धान, मूंगफली और मिलेट्स (बाजरा) का बड़ा संग्रह लेकर आए हैं।

बीजों में बसी कला

छिंदवाड़ा के पारडसिंगा गांव से आए ग्राम आर्ट प्रोजेक्ट ने लोगों को हैरान कर दिया कि बीजों से भी इतनी सुंदर वस्तुएं बन सकती हैं। श्वेता भट्टड द्वारा शुरू की गई यह पहल 14 गांवों की 300 महिलाओं के साथ मिलकर बीज पटके, सीड च्वेलरी और देसी कपास से कपड़े तैयार करती है। बीजों से बनी यह अनूठी ज्वेलरी युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो रही है।

सस्टेनेबल चाय का नया जायका

असम के सुदर्शन ने डेरोई टिया के जरिए चाय उत्पादन का एक सस्टेनेबल तरीका पेश किया है। आमतौर पर चाय के उत्पादन में भारी मात्रा में कोयले और गैस का उपयोग होता है, लेकिन इन्होंने कार्बन-फ्री ड्राइंग टेक्नोलॉजीच विकसित की है। इनके स्टाल पर लोग ऊलोंग टी, अपराजिता टी और लेमन ग्रास टी जैसे विभिन्न स्वादों का अनुभव ले रहे हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

एयरलाइनों के अधिकारों का बेजा उपयोग ना हो

यात्रियों का अनियंत्रित व्यवहार विमानन के क्षेत्र में एक चिंताजनक परिघटना है। व्यवधान पैदा करने वाले व्यवहार और शिकायतों को जाहिर करने की मंशा के बीच किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने बताया है कि 2023 में प्रति 480 उड़ानों के दौरान एक ऐसी घटना हुई, जबकि 2022 में यह आंकड़ा प्रति 568 उड़ानों में एक था। भारत में, नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) नियमों में संशोधन का प्रस्ताव कर रहा है ताकि एयरलाइन कंपनियां ऐसे मामलों को सक्षम प्राधिकारी के पास भेजे बिना सीधे 30 दिनों तक के लिए संबंधित यात्री के उड़ान भरने पर प्रतिबंध लगा सकें। डीजीसीए ने छह नई श्रेणियों- विमान में धूम्रपान करना, घरेलू उड़ानों में शराब का सेवन करना, आपातकालीन निकास द्वारों से छेड़छाड़ करना, लाइफ जैकेट जैसे जीवन रक्षक उपकरणों का अनधिकृत उपयोग करना, विरोध प्रदर्शन या नारेबाजी में शामिल होना और नशे की हालत में अनियंत्रित आचरण करना - को शामिल करके अनियंत्रित व्यवहार की अवधारणा को भी और व्यापक बनाया है। फिलहाल, एयरलाइन कंपनियों को उपद्रवी यात्रियों की रिपोर्ट एक स्वतंत्र समिति को देनी होती है, जिसका नेतृत्व एक सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश करते हैं। यह समिति 45 दिनों के भीतर निर्णय लेती है कि उन्हें आधिकारिक 'नो-फ्लाई' वाली सूची में शामिल किया जाए या नहीं। अब एयरलाइन कंपनियां चेक-इन काउंटर से ही अनियंत्रित व्यवहार पर नजर रखेंगी, हालांकि मुख्य ध्यान उड़ान के दौरान ही रहेगा क्योंकि ऐसा व्यवहार अन्य यात्रियों की सुरक्षा और आराम को प्रभावित कर सकता है।

आपातकालीन निकास द्वार को खोलने की कोशिश और बिना किसी वजह के जीवन रक्षक उपकरणों तक पहुंचने जैसी विभिन्न घटनाओं के बाद ऐसा मालूम होता है कि सहनशीलता का स्तर गिर रहा है। विभिन्न रिपोर्टों में यात्रियों द्वारा चालक दल और सहयात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने और जोर-जोर से प्रार्थना और भजन गाने का भी जिक्र किया गया है। इन संशोधनों का मकसद एयरलाइन कंपनियों और केबिन क्रू को तत्काल कार्रवाई करने का अधिकार देना है। जबकि, पहले इस तरह के व्यवहार की स्थिति में ऐसा नहीं होता था और ये हरकतें 'नो-फ्लाई' की सूची की लंबी प्रक्रियाओं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अधिक गंभीर मुद्दों पर केंद्रित होती थीं, के साये में छिप जाती थीं। प्रस्तावित बदलावों से मनमानी होगी और यात्रियों तथा एयरलाइन कर्मचारियों के बीच शक्ति संतुलन बिगड़ेगा या नहीं, यह एक विवादास्पद मुद्दा है। विमानन विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि केबिन क्रू की प्राथमिक भूमिका उड़ान की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हालांकि, प्रस्तावित संशोधनों के खिलाफ एक विश्वसनीय तर्क के रूप में इंडिगो वाली गड़बड़ी का हवाला दिया जाएगा, जहां पायलटों की तैनाती के नियमों के प्रति एयरलाइन का रवैया राजस्व संबंधी विचारों से प्रभावित पाया गया था जिससे यात्रियों में काफी आक्रोश पैदा हुआ था।

ऐसा मालूम होता है कि ये संशोधन एयरलाइन कंपनियों को अनुचित कार्यप्रणाली के प्रति जायज आक्रोश से पैदा होने वाले 'अनियंत्रित' व्यवहार के खिलाफ भी सशक्त बनाएंगे। लिहाजा, उड़ान की सुरक्षा और यात्रियों के सुगम अनुभव के समग्र हित में ये संशोधन भले ही जरूरी हों, लेकिन इनका इस्तेमाल यात्रियों की शिकायतों को टालने जैसे अन्य मकसदों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इससे बचाव का एक उपाय यह होगा कि जमीन पर 'अनियंत्रित' व्यवहार और उड़ान के दौरान व्यवधान पैदा करने वाले व्यवहार के बीच अंतर किया जाए। एयरलाइन कंपनियों की मनमानी के खिलाफ निवारण की सुविधा के लिए बचाव के उपायों की जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार

भारत को अमेरिका के साथ हुए ट्रेड पैक्ट को दोबारा परखना चाहिए

कोर्ट की रोक से बदलेगी यूएस ट्रेड डील

ऋषभ राज

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि टैक्स व टैरिफ लगाने का अधिकार संसद को है, राष्ट्रपति को नहीं। इसके साथ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया भर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया।

लेकिन कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने दुनियाभर के देशों पर 10 फीसदी ग्लोबल टैरिफ लगा दिया। उन्होंने शुक्रवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर कर इसे लागू कर दिया। ट्रंप ने यह फैसला सेक्शन 122 के तहत लिया जो अमेरिका के एक कानून का हिस्सा है, जिसे ट्रेड एक्ट ऑफ 1974 कहा जाता है। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि अगर देश को अचानक व्यापार घाटे या आर्थिक संकट का खतरा हो, तो वे तुरंत आयात पर टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रंप द्वारा लगाया गया 10 फीसदी का नया टैरिफ 24 फरवरी से दुनियाभर के देशों पर लागू हो जाएगा। इसके चलते भारत को अब 25 प्रतिशत की जगह सिर्फ 10 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ देना पड़ेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियों के लिए यह अच्छी खबर है क्योंकि उनका सामान अमेरिकी बाजार में पहले से सस्ता पहुंच सकेगा।

कैसे काम करता है टैरिफ : टैरिफ यानी कस्टम ड्यूटी या इंपोर्ट ड्यूटी होती है। जब कोई देश दूसरे देश से सामान खरीदता है तो आयात करने वाले को यह ड्यूटी सरकार को चुकानी पड़ती है। ज्यादातर कंपनियां इस टैक्स को आखिरी ग्राहक तक पहुंचा देती हैं। नतीजा यह होता है कि आयात करने वाले देश में वो सामान महंगा हो जाता है। कुछ दूसरे फैक्टर भी कीमत बढ़ाने में मदद करते हैं।

रेसिप्रोकल टैरिफ्स यानी आरटी शब्द अमेरिका ने ही सबसे पहले इस्तेमाल किया था। ट्रंप प्रशासन ने 2 अप्रैल 2025 को भारत समेत करीब 60 देशों पर ये टैरिफ लगाया था। इसके पीछे ट्रंप का मकसद था अमेरिकी निर्यातकों को बराबरी का मौका देना। आसान भाषा में कहें तो अगर कोई देश अमेरिकी सामान पर एक्स प्रतिशत ड्यूटी लगाता है तो अमेरिका भी उसी देश के सामान पर वैसी ही ड्यूटी लगा देगा। ये ड्यूटी पुरानी एमएफएन दरों के ऊपर अतिरिक्त लगाई जाती है। बता दें कि एमएफएन का मतलब है कि कोई देश एक देश को जो सबसे कम टैक्स देता है, वही कम टैक्स बाकी देशों को भी देना पड़ेगा, यानी सबके साथ बराबरी का व्यवहार।

2 अप्रैल 2025 को अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत आरटी का ऐलान किया था। फिर जुलाई में 25 प्रतिशत आरटी तय हुई जो 7 अगस्त 2025 से शुरू हो गई। इसके बाद अगस्त में रूसी तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया। इससे कुल आरटी 50 प्रतिशत तक पहुंच गया।

हालांकि, फरवरी में दोनों देशों के बीच ट्रेड डील के फ्रेमवर्क पर सहमति बनी तो अमेरिका ने टैरिफ को 18 प्रतिशत करने और अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनल्टी हटाने का ऐलान किया। हालांकि, अभी भारत के सामान पर अमेरिका में 25 प्रतिशत टैरिफ ही चल रहा है।

अब 24 फरवरी 2026 से 150 दिनों तक 10 प्रतिशत अस्थायी इंपोर्ट सरचार्ज लगेगा। इसी के चलते भारतीय सामान पर भी यही 10 प्रतिशत रेसिप्रोकल लेवी लागू होगी। इसे ऐसे समझा जा सकता है, अगर कोई प्रोडक्ट अमेरिका में 5 प्रतिशत एमएफएन ड्यूटी देता था तो अब उस पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत लगेगा, यानी कुल 15 प्रतिशत। पहले यह 5 प्लस 25 प्रतिशत था। ट्रंप ने अपने आदेश में साफ लिखा, मैं 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत अस्थायी इंपोर्ट सरचार्ज लगा रहा हूं, जो 24 फरवरी 2026 को सुबह 12.01 ईस्टर्न स्टैंडर्ड टाइम से प्रभावी होगा। एक सूत्र ने बताया कि अब अलग-अलग देशों के लिए अलग आरटी नहीं रहेगी। जिन सामानों पर आरटी था, उन पर सबके लिए एक समान 10 प्रतिशत टैक्स लगेगा। अगर भारत के नजरिए से देखें तो 7 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक रूसी तेल वाली पेनल्टी हटा दी गई थी, जिससे अतिरिक्त ड्यूटी 25 प्रतिशत रह गई। 6 फरवरी के संयुक्त बयान में इसे 18 प्रतिशत करने का प्रस्ताव था लेकिन अभी लागू नहीं हुआ।

भारत-अमेरिका ट्रेड पैक्ट पर असर : भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय टीम 23 फरवरी 2026 से वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करेगी। हालांकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द किए जाने के बाद ट्रंप ने साफ कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भारत के साथ हो रही ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समझौता अपनी जगह जारी रहेगा। ऐसे में जबकि भारतीय सामान पर आरटी 25 प्रतिशत से सीधे 10 प्रतिशत हो गया है। इसलिए भारत को अमेरिका के साथ ट्रेड पैक्ट को दोबारा परखना चाहिए। भारत ने 18 प्रतिशत कट के आधार पर अपने टैरिफ कम करने पर हामी भरी थी, लेकिन अब सभी देशों के लिए 10 प्रतिशत कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट के मुताबिक, अमेरिका ने साफ किया है कि अपनी अर्थव्यवस्था की जरूरतों और विदेशी लेन-देन को ध्यान में रखते हुए कुछ चीजों को इस अस्थायी ड्यूटी से बाहर रखा गया है।

अमेरिका क्यों लगा रहा है ये टैरिफ : अमेरिका का कहना है कि भारत के साथ उसे बड़ा ट्रेड डेफिसिट (व्यापार घाटा) झेलना पड़ रहा है। वाशिंगटन का नई दिल्ली पर आरोप रहता है कि अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैरिफ लगाकर भारतीय बाजार में अमेरिकी निर्यात को रोका जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 186 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इस दौरान भारत ने 86.5 अरब डॉलर का सामान अमेरिका को निर्यात किया, जबकि 45.3 अरब डॉलर का आयात किया। यानी भारत को 41 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) मिला। इससे पहले 2023-24 में यह सरप्लस 35.32 अरब डॉलर और 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर था। अगर सेवाओं (सर्विस) की बात करें तो भारत ने करीब 28.7 अरब डॉलर की सेवाएं अमेरिका को निर्यात कीं और 25.5 अरब डॉलर की सेवाएं आयात कीं। इस तरह सेवाओं में 3.2 अरब डॉलर का अधिशेष बना। सामान और सेवाओं को मिलाकर अमेरिका के साथ भारत का कुल व्यापार अधिशेष लगभग 44.4 अरब डॉलर रहा। मौजूदा हालात को देखते हुए विशेषज्ञों की राय है कि डील्स चैरिटी नहीं होतीं। दोनों तरफ फायदा होना चाहिए। अब भारत को फायदा उठाने के लिए इसे नए तरीके से देखने की जरूरत है।

खुला मंच

कूड़े के ढेर पर बूढ़ों का देश

सुरेश सेठ

कहते हैं, इस समय दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं, जो एकमुश्त अस्सी करोड़ लोगों को सस्ते गेहूं की गारंटी देकर उन्हें यथास्थितिवाद की धुन पर सफल नृत्य का संदेश दे। इस देश में पूरा कारोबार या प्रशासन गारंटियों पर चलता है। सुप्रीम कोर्ट इन अनुकम्पाओं को तत्काल बंद कर उत्पादन निवेश की प्रेरणा देता है, लेकिन बड़े बूढ़ों से भरा यह देश इस हुक्म को सदा उस कूड़े के ढेर पर बैठा पाता है जहां उन्होंने कभी अंग्रेजी शासन की नींव उखाड़ी थी, लेकिन अब ललमुंहे अंग्रेज ही उनके पीर पैगंबर हैं। इसलिए कोई तनाव न लीजिये। आप हर ऋण अपना आखिरी ऋ ण मान कर चलिए। जमाना तेजी से बदल गया है, और इसकी धूल भी देश का आम आदमी फांक नहीं सकता। मसलन इस देश की अस्सी प्रतिशत जनता का इस बात से कोई संबंध नहीं कि आज सोना डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम से ऊपर चला गया है। उसके पास तो चांदी का पानी चढ़ा पीतल का छल्ला भी नहीं।

इसका कोई मतलब नहीं कि आज देश का उच्च मध्य वर्ग सस्ते नहीं, महंगे फ्लैट खरीद रहा है, या छोटी नहीं, बड़ी गाड़ियों की खरीद के पीछे भाग रहा है। उनका मतलब इतना है कि अगर हो सके तो उनके फुटपाथ की जगह को अतिक्रमण कह कर उसे फुटपाथ निकाला न दे दिया जाए, और जिस खैराती स्कूल में उनका बच्च पढ़ता है, वहां एक ही अध्यापक पूरे स्कूल की पांच कक्षाओं को एक साथ न पढ़ाए। उसे नेताओं के भाषणों से पता चलता है कि देश बड़ी तरक्की कर गया है। हमारा देश हो सकता है दुनिया की शीर्ष आर्थिक महाशक्ति बन जाए, लेकिन यह कैसी महाशक्ति? आम आदमी अपनी जेब टटोल कर सोचता है। कल भी वह फटी हुई थी, आज भी वह फटी देखता है। उसका जीवन बदलने की कोई गुंजाइश पैदा नहीं हुई। धड़धड़ाती हुई विकास की रेल उसके पुल के ऊपर से होकर गुजर गई, लेकिन वह पुल न जाने कितनी देर तक थर्राता रहा, और अपने कायाकल्प का इंतजार करता रहा। उस कायाकल्प का इंतजार जिसकी घोषणा बहुत पहले नेता जी ने कर दी थी। अधबनी सड़कें और टूटे हुए पुल आज भी उसकी नियति हैं। उसके लिए स्मार्ट शहरों की घोषणा हुई थी, जिसे जगह बेजगह कूड़े के डम्पों से भर दिया गया। ऐसा कूड़ा जिसे उठाने के लिए नगर निगम के प्रशासकों को भी चिरौरी करनी पड़ती है। पहले नारा लगता था, हर जोर जुल्म की टक्कर में हड़ताल हमारा नारा है। ये मांगें भी सुरसा की आंत की तरह लम्बी होती जाती हैं, और देखते ही देखते स्मार्ट शहर का दर्जा अनस्मार्ट हो जाता है।

प्रसंगवश

एआई में विश्वसनीयता कायम करना जरूरी

दिल्ली में चल रही भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया।

वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुरापात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है।

देश में शोध-अनुसंधान से जुड़े संस्थानों व विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि आज के कृत्रिम मेधा व इंटरनेट के जमाने में किसी खोज के बारे में फर्जी दावा कर पाना संभव नहीं है। बल्कि ऐसे कृत्य से उस संस्थान व देश की प्रतिष्ठा को आंच ही आती है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम मेधा आने वाले वर्षों में किसी भी देश की ताकत-संपन्नता का आधार बनेगी। लेकिन इस राह में कामयाबी हासिल करने के लिये देश में शोध-अनुसंधान की बुनियाद मजबूत करने की जरूरत है। अन्यथा देश को छद्म दावों से असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इससे देश की प्रतिष्ठा को आंच भी आ सकती है। निस्संदेह, आज भारत को देश में रोबोटिक्स को लेकर मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिये जरूरत इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने की है। जिसके लिये इंजीनियरिंग की तमाम शाखाओं में बेहतर तालमेल जरूरी है। साठ के दशक में रोबोटिक्स की शुरुआत करने वाले अमेरिका से मुकाबला करने में हमें कुछ वक्त लगेगा। भले ही भारतीय उद्योग जगत रोबोटिक्स के शुरुआती दौर में हो, लेकिन आज देश के हर आईआईटी संस्थान में रोबोटिक्स लैब हैं। हम अपनी तेज प्रगति पर गर्व कर सकते हैं।

एआई नवाचार

इस नई दुनिया को बनाने वाले प्रौद्योगिकीविद भी मानते हैं कि इसमें बहुत भ्रम हैं

लाखों लोगों की थेरेपिस्ट और दोस्त बन रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता

अमेलिया मिलर

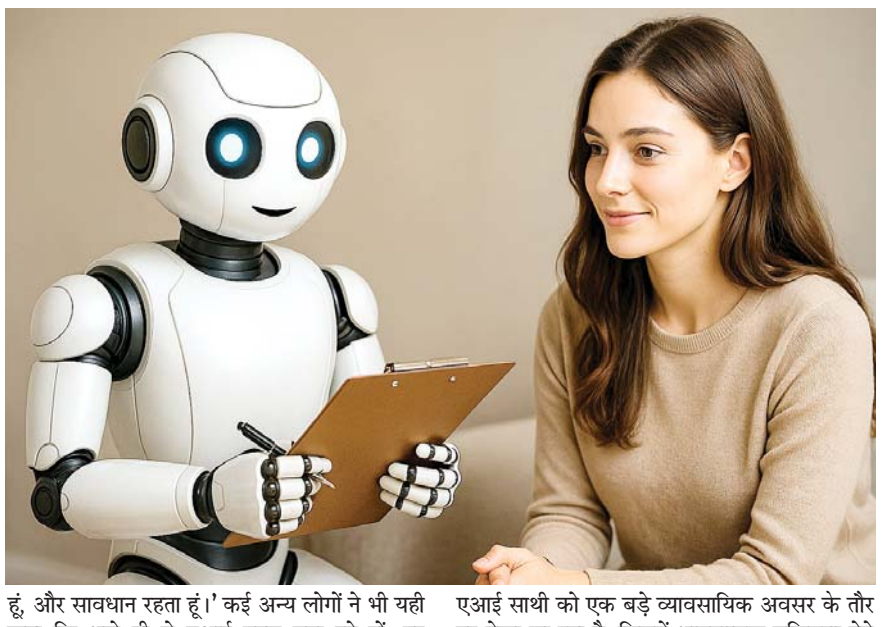

एआई थेरेपिस्ट, कोच और प्रेमियों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन इसके खतरे भी स्पष्ट होते जा रहे हैं। मैं जूम पर एक मशीन लर्निंग शोधकर्ता से बात कर रही थी, जो दुनिया की शीर्ष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब में से एक में वॉइस मॉडल बनाता है। यह उन दो दर्जन से ज्यादा गुमनाम इंटरव्यू में से एक था, जो मैंने अपने अकादमिक शोध के हिस्से के तौर पर किए थे, यह जानने के लिए कि एआई साथी बनाने वाले लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। मैं यह समझना चाहती थी कि एआई साथी के बारे में जरूरी डिजाइन संबंधी फैसले लेने वाले डेवलपर्स अपने काम के सामाजिक और नैतिक प्रभाव को कैसे देखते हैं।

हमारी बातचीत शुरू हुए 20 मिनट हो चुके थे, जब मैंने उससे पूछा कि क्या आपको लगता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भावनात्मक आत्मीयता दिखानी चाहिए? 'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता', उसने भावनात्मक आत्मीयता दिखाने के बारे में कहा, फिर रुक गया। 'यह मुश्किल, मगर दिलचस्प सवाल है। यह कहना मुश्किल है कि यह लोगों पर कैसे असर डालेगा, अच्छा या बुरा। जाहिर है, इससे भ्रम पैदा होगा।' हमारी उभरती मुश्किल को बताने के लिए भ्रम शब्द पर्याप्त नहीं है। अधिकांश किशोर एआई साथी का सहारा लेते हैं। एआई थेरेपिस्ट, कोच और प्रेमियों की संख्या भी बढ़ रही है। फिर भी बहुत कम लोगों को पता है कि इस नई दुनिया को बनाने वाले कुछ अग्रणी प्रौद्योगिकीविद जो कर रहे हैं, उसे लेकर बहुत भ्रम हैं। असल में, वे इतने भ्रमित हैं कि कुछ तो अकेले में मानते हैं कि वे एआई इंटिमेसी टूल्स इस्तेमाल करने के बारे में सोचते भी नहीं हैं।

एक शीर्ष प्रयोगशाला में सुरक्षा जोखिम कम करने वाली टीम के एग्जीक्यूटिव ने मुझे बताया, 'मैं भावनात्मक जरूरतें पूरी करने के लिए एआई का सहारा नहीं लेता हूं। मैं काम के दौरान इसमें लगा रहता हूं, और सावधान रहता हूं।' कई अन्य लोगों ने भी यही कहा कि भले ही वे एआई टूल्स बना रहे हों, पर उम्मीद है कि उन्हें भावनात्मक समर्थन के लिए कभी मशीनों की जरूरत महसूस न हो। जैसा कि एक शोधकर्ता ने कहा, 'वह काला दिन होगा।' ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट में अपने शोध के तहत मैंने पिछले साल कई महीने ओपनएआई, एंथ्रोपिक, मेटा और डीपमाइंड के शोध वैज्ञानिकों और डिजाइनरों का इंटरव्यू लिया, जिनके उत्पाद सामान्यतः एआई साथी के तौर पर नहीं बेचे जाते, पर लाखों लोगों के लिए थेरेपिस्ट और दोस्त बन रहे हैं। मैंने उन कंपेनियन एप्स और थेरेपी स्टार्टअप्स के नेतृत्वकर्ता और निर्माणकर्ताओं से भी बात की, जो महामारी के बाद से इन व्यवसायों में आए भारी-भरकम निवेश की वजह से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

एआई साथी को एक बड़े व्यावसायिक अवसर के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता देने वाले उत्पाद लगातार उपयोगकर्ताओं की भागीदारी और मुनाफा बढ़ाने के नए तरीके निकाल रहे हैं। ये मनुष्य-एआई के संबंध को समझने और उन्हें आकार देने के लिए खास तौर पर तैयार किए गए हैं। इंटरफेस डिजाइन, ट्रेनिंग डाटा और मॉडल पॉलिसी पर रोजाना के फैसलों के जरिये वे अपने उत्पाद में मूल्य को एनकोड (सूचना को एक अधिक कुशल या सुरक्षित प्रारूप में बदलना) करते हैं। हालांकि, जनता सोचती है कि उन्हें इन चैटबॉट्स के रूप में एक सहानुभूतिपूर्ण और चिरस्थायी साथी मिल रहा है, पर उनके कई निर्माताओं को पता है कि भावनात्मक बंधन बनाना उपयोगकर्ताओं को बांधे रखने का एक तरीका है।

हमें इस बात से सावधान होना चाहिए कि कुछ अंदरूनी लोगों, जो टूल्स को बेहतर तरीके से जानते हैं, का मानना है कि ये टूल्स नुकसान पहुंचा सकते हैं और मेरी जैसी बातचीत डेवलपर्स को उनके काम के नतीजों से कहीं ज्यादा गहराई से निपटने के लिए प्रेरित करती है। यह बात तब और भी परेशान करने वाली हो जाती है, जब तकनीक के दिग्गज सबके सामने कहते हैं कि हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें ज्यादातर लोगों की भावनात्मक जरूरतें मशीनें पूरी करेंगी। मेटा के चीफ एग्जीक्यूटिव मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि एआई उन लोगों की मदद कर सकता है, जो कम अकेलापन महसूस करने के लिए ज्यादा दोस्त चाहते हैं।

आगे देखते हुए, एआई थेरेपी का भविष्य आशाजनक है लेकिन सावधानीपूर्वक नेविगेशन की आवश्यकता है। जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, हम उम्मीद कर सकते हैं कि एआई चिकित्सक बेहतर भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक क्षमता के साथ अधिक परिष्कृत हो जाएंगे।

एआई का लाभ उठाकर, हम मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण कर सकते हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों के लिए समर्थन अधिक उपलब्ध और तत्काल हो सकता है। यह एक रोमांचक सीमा है, जो मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को सभी के लिए अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने का वादा करती है।

वास्तव में, एआई के साथ हम कैसे संवाद करते हैं, इसे अनुकूलित करने की क्षमता जरूरी है। यह क्षमता तभी विकसित होगी, जब डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी। दरअसल, जितने ज्यादा लोग समझेंगे कि यह कैसे काम करता है, और इनसे क्या जोखिम होते हैं, वे अपने ऊपर पड़ने वाले असर को प्रबंधित करने में उतने ही ज्यादा काबिल होंगे। यह बात एआई साथी का इस्तेमाल करने वालों के लिए जितनी सच है, उतनी ही उन्हें बनाने वाले तकनीक के जानकारों के लिए।

जीवन दर्शन

संघर्षों के बीच खोजें जीवन का अर्थ

जीवन हर व्यक्ति से अलग-अलग प्रश्न पूछता है और प्रत्येक को अपने कर्मों, धैर्य व दृष्टिकोण से उसका उत्तर देना होता है। जिसके पास जीने के लिए एक 'क्यों' होता है, वह लगभग किसी भी 'कैसे' को सहन कर सकता है।

जीवन की आपाधापी और संघर्षों के बीच, अक्सर हम खुद से यह सवाल करते हैं कि आखिर इन सबका अर्थ क्या है? जब परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं और दुख की गहराई हमें घेर लेती है, तब उत्तर ढूंढना और भी कठिन हो जाता है। कल्पना कीजिए उस व्यक्ति की, जिससे उसका घर, उसका परिवार, उसकी पहचान छीन लिए गए हों। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी यातना शिविरों में रहते हुए ही मुझे अनुभव हुआ कि जब बाहरी दुनिया सब कुछ छीन लेती है, तब भी हमारे पास एक ऐसी शक्ति बचती है, जिसे कोई तानाशाह नहीं छीन सकता और वह है अपनी प्रतिक्रिया चुनने की स्वतंत्रता। मैंने शिविर के भीतर ही एक क्रांतिकारी सत्य की खोज की। मैंने देखा कि जो लोग शारीरिक रूप से बहुत बलिष्ठ थे, वे अक्सर जल्दी टूट गए, लेकिन जो लोग मानसिक रूप से किसी उद्देश्य से जुड़े थे, वे जीवित बच निकले। दरअसल, जब जीवन कठिनाइयों से भर जाता है, तब व्यक्ति यह मानने लगता है कि उसका जीवन निरर्थक है। लेकिन यदि वह अपने कष्ट में भी अर्थ खोज ले, तो वही पीड़ा उसकी शक्ति बन जाती है। तब वही दुख उसकी सहनशीलता और आत्मबल का स्रोत बन जाता है।

तब मुझे समझ आया कि जब व्यक्ति यह समझ लेता है कि उसके अस्तित्व का महत्व है और उसके जीवन का कोई लक्ष्य है, तब उसका जीवन अपने आप बदल जाता है। तब वह अपने दुखों को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व के रूप में देखना सीखता है। यही दृष्टिकोण उसे परिस्थितियों का शिकार बनने से रोकता है और परिस्थितियों का विजेता बना देता है।

अक्सर लोग पूछते हैं, 'जीवन का अर्थ क्या है?' मुझे लगता है कि यह सवाल ही गलत है। इसके बजाय हमें यह समझना चाहिए कि 'जीवन हमसे क्या उम्मीद करता है?' जीवन हर व्यक्ति से अलग-अलग प्रश्न पूछता है, और प्रत्येक को अपने कर्मों, धैर्य और दृष्टिकोण से उसका उत्तर देना होता है। जिसके पास जीने के लिए एक 'क्यों' (व्हाई) होता है, वह लगभग किसी भी 'कैसे' (हाउ) को सहन कर सकता है। जब तक हमारे पास कोई ऐसा लक्ष्य, या कोई ऐसा प्रिय व्यक्ति है, जिसके लिए हमें जीवित रहना है, तब तक हमारी इच्छाशक्ति अटूट रहती है। अर्थ की यह खोज हर दिन के छोटे-छोटे निर्णयों में छिपी होती है।

जीवन हर किसी से प्रश्न पूछता है, और व्यक्ति का कर्म ही उसका उत्तर है। जिसके पास जीने की वजह होती है, वह किसी भी दुख को सहन कर सकता है। इसलिए, अपने जीवन को किसी उद्देश्य, किसी उत्तरदायित्व और किसी अर्थ से जोड़ें, क्योंकि जीवन का असली अर्थ सुख की खोज में नहीं, बल्कि प्रतिकूलताओं में 'अर्थ' ढूंढने की जिम्मेदारी में है।

विक्टर फ्रैंकल

गीता ज्ञान

श्लोक

न कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते।
न च संन्यसनादेव सिद्धिं समधिगच्छति॥

भावार्थ

कर्मों का त्याग करने मात्र से मनुष्य निष्कर्मता (क्रियाहीनता) को प्राप्त नहीं करता और न ही केवल संन्यास धारण कर सिद्धि प्राप्त कर सकता है।

न गुणवत्ता न सुरक्षा, सलाहकार के सामने आईं स्टेशन पुनर्विकास कार्य में खामियां

केन्द्रीय सलाहकार समिति के सदस्य का औचक निरीक्षण, 25 करोड़ के हो रहे कार्य

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर के रेलवे स्टेशन को राजधानी भोपाल का तीसरा सबसे बड़ा स्टेशन बनाए जाने के साथ ही अनेक ट्रेनों का भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन पर स्टापेज खत्म कर उन्हें व्हाया निशातपुरा विदिशा के गंतव्य को भेजने की भी योजना है, ताकि राजधानी भोपाल के दो प्रमुख स्टेशनों रानी कमलापति एवं मुख्य स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव कम हो सके, और वहां से जहां जहां जरूरी है उन शहरों के लिए नवीन ट्रेने प्रारंभ की जा सके, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 6 अगस्त 2023 को जिस स्टेशन के पुर्नविकास के काम को दिल्ली से आन लाइन हरी झण्डी दिखाई गई थी, और प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल व स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा साक्षी बने, वहां निर्माण कार्यो में गुणवता का बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है, जो आने वाले समय में यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। न केवल स्टेशन के विस्तार एवं पुर्नविकास का काम अपने लक्ष्य से पिछड़ गया है और जहां दिसम्बर 2024 तक हर हालत में लोर्कापण होना था, वह मई 2026 तक भी पूरा होता नहीं दिख रहा है, वहां अनियमित्ताओं की शिकायतें भी मिलने लगी हैं।

बिना सेफ्टी पटरी पार: औचक निरीक्षण में पाया गया कि रेलवे के यांत्रिक विभाग की बड़ी अनियमिताएं देखने को मिली लेबर जो कार्य कर रही हे वो बिना सेफ्टी के पटरी पार करके मटेरियल ला रही हे बिना सेफ्टी एकयूमेंट के जो इन श्रमिकों के जीवन के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ है।

किया औचक निरीक्षण

राजधानी भोपाल से केन्द्रीय रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति जिसके चेयरमैन केन्द्रीय रेल मंत्री हैं, के एकमात्र सदस्य नितेश लाल ने जब रविवार सुबह स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया तब उन्हें अनेक चैकाने वाली कमियां दिखाई दी। उनके अनुसार स्टेशन पर जो सीमेंट कांक्रीट का काम चल रहा है, वह तय मापदण्डों के अनुसार नहीं हो रहा है, जो आगे चलकर अल्प समय में ही जर्जर होने की आशंका है, और जिससे यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो सकता है।

दी अधिकारियों को जानकारी: रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के केन्द्रीय सदस्य ने संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर काम में अत्याधित देरी के अलावा बरती जा रही लापरवाही की न केवल जनरल मैनेजर जबलपुर बल्कि डीआरएम को भी जानकारी प्रदान की। नितेश लाल ने बताया कि दिल्ली में केन्द्रीय रेल मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में वे संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर जिस तरह से काम चल रहा है, वह मुद्दा प्रमुखता से उठाएंगे। यहां बता दें कि स्टेशन पर लगभग 25 करोड़ की राशि से पुर्नविकास का काम चल रहा है।

सीमेंट कांक्रीट में घोलमाल

नितेश लाल ने बताया कि वर्तमान में स्टेशन पर लिफ्ट का काम चल रहा हैउसमें नियमानुसार कंक्रीट मिक्स नहीं बनाया जा रहा है साथ ही उस मिक्स को मिक्सर से निकलने के बाद नहीं उठाया जा रहा हे इकट्ठे 10 घान निकलने के बाद उठाया जा रहा हे जिससे उस मिक्स में सीमेंट में पानी डालने के बाद उसके केमिकल कार्य करते हे जिससे उसको तत्काल उस स्थान पर बिछाना होता है जो नहीं किया जा रहा हे साथ ही एंट्री के पास स्टेप के कार्य में सोएल से बीक फिलिंग करके कार्य किया जा रहा हे। इन सबके लिए यांत्रिक विभाग के इंजीनियर एइएन को जानकारी दी कि आपका यहां कोई पवू भी साइट पर नहीं है और मटेरियल का रेशों क्या डालना है पूछने पर बताया कि मैं पता करता हूं क्या रेशों हे फिर 30 मिनट बाद बात हुई तो जानकारी दी कि एम-25 मिक्स करना है इस पर उन्हें जानकारी दी गई कि वहां पर खड़े होकर प्रॉपर मिक्स देखा और काउंट किया हे उसमें 1:4:6 कर मिक्स किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज रविवार के कारण काम बन है, जबकि रविवार को भी काम चल रहा था। इस तरह ठेकेदार अधिकारियों को गुमराह कर काम कर रहा है, और गुणवता के साथ समझौता किया जा रहा है, जो लिफ्ट जैसी अत्यावश्यक वस्तु के लिए भविष्य में खतरनाक साबित हो सकती है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ बैरसिया में किसान कांग्रेस की हुंकार

मोदी सरकार ने किसानों को अमेरिका के हाथों गिरवी रखा

जागरण, बैरसिया। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी अखिलेश शुक्ला ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देश के किसानों के हितों को विदेशी ताकतों के सामने गिरवी रख रही है। उन्होंने हालिया भारत-अमेरिका ट्रेड डील को किसान विरोधी साजिश करार देते हुए कहा कि इससे भारतीय खेती, जमीन और अन्नदाताओं का सम्मान खतरे में पड़ गया है। यह बात बैरसिया में किसान अधिकार-गांव संवाद अभियान के दौरान कही। कार्यक्रम शनिवार को नरसिंहगढ़ रोड स्थित व्हाइट हाउस परिसर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने ट्रेड डील की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह किसान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कॉरपोरेट हितों को बढ़ावा देता है और भारतीय किसानों की आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा करता है। भोपाल ग्रामीण किसान कांग्रेस के अध्यक्ष रामभाई मेहर ने कहा कि यह अभियान किसानों के सम्मान और जमीन की रक्षा के लिए समर्पित है।

'गांव संवाद अभियान' में आंदोलन का ऐलान

नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिलेश शुक्ला एवं धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने भोपाल जिला किसान कांग्रेस ग्रामीण के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर भोपाल एवं आसपास के जिलों के कांग्रेस और किसान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में नेताओं ने संकल्प लिया कि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा।

प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर में नवमूर्ति स्थापना की भव्य कलश यात्रा निकाली

जागरण प्रतिनिधि औबेदुल्लागंज। प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर में नवदेवी हनुमंत लाल और शिव परिवार की मूर्तियों की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा करने हेतु खेड़ापति माता मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा का नगर भ्रमण के समय कई स्थानों पर सभी समाज के सामाजिक गणमान्यजन बंधुओ ने पुष्पहारों से स्वागत किया। खेड़ापति माता मंदिर पर प्रतिदिन 28 फरवरी शनिवार तक दोपहर 12 से तीन बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध कथावाचक राजेंद्र शास्त्री के द्वारा किया जाएगा। इस दौरान शिवशक्ति लघुरुद्र यज्ञ की पावन आहुति भी संपन्न होगी। कलश यात्रा में योगेश तिवारी, नरेंद्र शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, मेहताब सिंह नागर, जेपी मिश्रा सहित बड़ी संख्या में माताएं-बहनें शामिल हुईं।

नेत्र शिविर में 191 रोगियों की जांच तथा 26 मोतियाबिंद रोगी चिन्हित

सेवा सदन की टीम पहुंची जहांगीराबाद

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से समाज सेवी सुमित केड़िया ने रविवार को राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद स्थित निरंकारी मण्डल भवन में निर्धन नेत्र रोगियों के लिये एक निःशुल्क नेत्र रोग निदान और मोतियाबिंद ऑपरेशान शिविर लगवाया। सुमित केड़िया द्वारा प्रतिवर्ष अपनी स्व. माता सुमित्रा केड़िया की पुण्य स्मृति में यह शिविर लगवाया जाता है। इस नेत्र शिविर का शुभारंभ परिवार के सदस्यों एवं सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने देवी-देवताओं के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर सुमित केड़िया, पीयूषी केड़िया, डॉ एसके जोशी, राजेश अग्रवाल, आलोक सिंह, प्रदीप मूलचंदानी सहित सेवा सदन की टीम उपस्थित थी। नेत्र रोगी शिविर में 191 मरीजों की आंखों की जांच की गई। उनमें 93 पुरूष एवं 98 महिलाएं शामिल थी। जांच के दौरान 26 मरीजों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई जिन्हें सेवा सदन की एंबुलेस के माध्यम से ऑपरेषन में भर्ती कराया गया। जिन लोगों को मोतियाबिंद की शिकायत नहीं पाई गई, उन्हें आंखों के ड्रॉप्स निःशुल्क प्रदान किये गए। शिविर में उपस्थित सभी रोगियों के ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह की जांच भी की गई।

हिंगोरानी संरक्षक एवं सेवकराम बने सिंधी पंचायत के सलाहकार

असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार ने की पदाधिकारियों की सूची जारी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पूज्य सिंधी पंचायत गांधीनगर की साधारण सभा की बैठक जो 13 जनवरी को हुई थी, में खूबचंद भागचंदानी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन कर किया गया है जिसमें हरीश सबनानी- महासचिव, बलराम वाधवानी एवं सुरेश गंगवानी- उपाध्यक्ष, कमलेश ग्वालानी-संयुक्त सचिव, कमल लालवानी-सचिव, मंघाराम नरसिंघानी- कोषाध्यक्ष एवं नरेन्द्र वरलानी, सुरेश भोजवानी, प्रदीप ज्ञानचंदानी, चन्द्रप्रकाश सबनानी, जय मोतियानी, प्रकाश भागचंदानी, रवि चंदानी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। संरक्षक रमेश हिंगोरानी ने बताया कि पूज्य सिंधी पंचायत गांधीनगर की कार्यकारिणी की सूची धारा 27 के अंतर्गत नियमानुसार असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं भोपाल को 23 जनवरी को प्रस्तुत की गई थी। असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं ने 20 फरवरी को धारा 27 के अंतर्गत कार्यकारिणी की सूची जारी की गई जिससे गांधीनगर में हर्ष की लहर शुरू हो गई। रमेश हिंगोरानी ने बताया कि नई कार्यकारिणी का शपथ समारोह भी आयोजित कर आगामी चैतीचांद पर्व एवं अन्य त्यौहार तथा गांधीनगर की ज्वलंत समस्याओं पर जल्दी ही विधायक एवं अधिकारियों से संपर्क किया जाएगा। पंचायत की नियमानुसार कार्यकारिणी घोषित होने पर सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों का झूलेलाल मार्केट में स्वागत किया गया।

केसरी कुश्ती प्रतियोगिता में 30 पहलवानों ने दिखाया दमखम

जागरण, मंडीदीप। श्रीराम राज्य हिंदू संगठन द्वारा शासकीय खेल मैदान में जिला स्तरीय केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रायसेन जिले के लगभग 30 नामी पहलवानों ने भाग लेकर अपने दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन से पूर्व जिले के पहलवानों की आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जो दोपहर में शासकीय खेल मैदान पहुंची। अतिथियों के निर्देशन में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उद्‌घाटन मुकाबले में रूप सिंह पहलवान, बिमल सिंह पहलवान और करतार सिंह तोमर की जोड़ी ने दंगल का आगाज किया। प्रतियोगिता का पहला चरण शाम 6 बजे संपन्न हुआ। 85 प्लस ओपन कैटेगरी में दिव्यांश मीना विजयी रहे। वहीं 45 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में सतलापुर के बाल केशरी रुद्र ने शानदार जीत दर्ज की, जबकि पहलवान आदित्य दूसरे स्थान पर रहे। अन्य वर्गों के मुकाबले देर शाम तक जारी रहे।

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री अमित मीना आत्मज स्व.श्री रामफूल मीना, आयु-वयस्क, निवासी-89 सोहागपुर, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) के द्वारा विक्रेता श्री बद्रीप्रसाद आत्मज श्री जगन्नाथ, आयु-वयस्क, निवासी-म.नं. 53, ग्राम सतलापुर, वार्ड नं.02, पोस्ट मंडीदीप,तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य की एक किता कृषि भूमि जो कि खसरा क्र.-191/1/3 (S), जिसका कुल रकबा-0.6890 हेक्टेयर अर्थात 4.70 एकड़ भूमि जो ग्राम सतलापुर, प.ह.नं. 33,रा.नि.मं. 01, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.) में स्थित है, को क्रय करने हेतु टोकन राशि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता को अदा कर दी गई है इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य दान, हिबा, हस्ताक्षरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15-दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरे पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के संबंध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन कारी नहीं होगी।

भवदीय
रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड अशोक विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग़ मुंगालिया, भोपाल

Fa& & Phone No. 0755-2930001, E- Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in

क्रमांक 222/तक/का.यं./लो.स्वा./मैके.खण्ड/ भोपाल / 2026 / दिनांक 16/02/2026

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25 / 2025-26 दिनांक 16.02.2026 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026_PHED_482163_1 दिनांक 16.02.2026

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् मैकेनिकल उपखण्ड नर्मदापुरम की बी. ई. सी. (सी.आर.) 03 विभागीय रिग मशीन में विशेष सुधार कार्य के लिये कलपुर्जे क्रय हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 04.03.2026 सायं 17.00 बजे बजे तक अधिकृत विक्रेता/ प्रतिष्ठित फर्म जिन्हें इस प्रकार के कार्य का अनुभव प्राप्त हो, से फार्म - C पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि की पावती, अधिकृत विक्रेता के पंजीयन का प्रमाण-पत्र / अनुभव प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन जमा करना होगा। निविदा दिनांक 05.03.2026 को सायं 17.15 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। कार्य की अनुमानित लागत रूपये 2,02,096.00/- (रूपये दो लाख दो हज़ार एवं छियान्वे) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रूपये 4,042 /- (रू. चार हज़ार एवं बयालीस) मात्र है। निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रूपये 2000 / - ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईटः https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा। निविदा का विवरण निम्नानुसार है -

कार्य का विवरण	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रू0)	धरोहर राशि (रू0)	टेण्डर का मूल्य (रू0)	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि
मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अन्तर्गत मैकेनिकल उपखण्ड नर्मदापुरम की बी. ई. सी. (सी.आर.) 03 विभागीय रिग मशीन में विशेष सुधार कार्य हेतु कलपुर्ज़े क्रय	2,02,096.00	4,042.00	2,000.00	04.03.2026 17.00 बजे तक	05.03.2026 17.15 बजे

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026ड्डक्काश्चद्दड्ड482163ड्ड1 दिनांक 16.02.2026 पर उपलब्ध है।

जी-26266/25 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वा.यां.वि.मैके. खण्ड भोपाल

कार्यालय अधीक्षक सब जेल मुलताई जिला बैतूल (म.प्र.)

OFF.&FAX NO.- 07147-224541 Email ID- supdtofsubjailmultai@gmail.com

क्रमांक / / निवि मुलताई, दिनांक / / 2026

ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2026-2027
ई निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

क्र	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
1	प्री-बिड मीटिंग	02.03.2026 दोपहर 12.00 बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल मुलताई जिला बैतूल
2.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि, निविदा फार्म का मूल्य 05 लाख तक की निविदा हेतु 500 /- तथा 05 लाख से अधिक की निविदा हेतु रूपये 1000/- प्रति फार्म राशि महालेखाकार ग्वालियर म.प्र. शीर्ष 0056, जेले - 800 अन्य प्राप्तियों मे जमा की जावेगी	09.03.2026 शाम 05.00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त किये जा सकेंगे।
3.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	09.03.2026 शाम 05.00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन स्वीकार की जावेगी
4	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	09.03.2026 शाम 05.00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक सब जेल मुलताई
5	तकनीकि निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि एवं नमूना परीक्षण की तिथि	10.03.2026 शाम 05.00 बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल मुलताई
6	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	12.03.2026 दोपहर 12.00 बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल मुलताई

सहायक जेल अधीक्षक
सबजेल मुलताई
जी-26208/25

SUDOKU 156

9	4		2	3	6			
	2	5		7				3
2	8			5				
1			8		3			2
				6			8	9
3				4		8	7	
			9	2	1		3	4

SOLUTIONS 155

7	6	4	5	9	1	8	2	3
9	8	5	3	2	6	4	1	7
3	2	1	4	7	8	6	9	5
1	4	6	2	8	7	5	3	9
8	7	9	1	5	3	2	6	4
5	3	2	6	4	9	7	8	1
2	1	8	7	3	4	9	5	6
6	5	7	9	1	2	3	4	8
4	9	3	8	6	5	1	7	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के बिल्डर्स को धन लाभ होगा साथ ही नया कॉन्ट्रैक्ट भी मिलेगा। पहले से बनायी हुई सारी योजनायें आज पूरी हो जाएंगी।

वृष : आज के दिन सारी इच्छाएं पूरी होंगी। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाईयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा।

मिथुन : आगे बढ़ने के लिए आज का दिन बढ़िया है। कई दिनों से आपकी तरक्की में आ रही रुकावटें आज दूर हो जाएंगी। खर्चों में वृद्धि होगी।

कर्क : आज का दिन आप के लिए अनुकूल रहेगा। ऑफिस में किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधे पर आयेगी। सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

सिंह : आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी काम को करने में आज जल्दबाजी करने से बचें। बिजनेस के सिलसिले में दूसरे शहर की यात्रा करेंगे।

कन्या : आज तकदीर आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज किसी का मदद से पूरा हो जाएगा।

तुला : आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में मिठास आएगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लागों का आज मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक : आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा। माता-पिता के साथ मंदिर या किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु : आज का दिन आपके लिए अच्छा होगा। सरकारी नौकरी के लिए एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट को आज सफलता मिलना निश्चित है।

मकर : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा।करियर में प्रमोशन पाने के लिए कई जरूरी टास्क मिल सकते है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

कुंभ : अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी ऐसे स्थान पर हो सकता है, जहां से अप-एण्ड-डाउन करने में थोड़ी प्रॉब्लम होगी।

मीन : आज दिन बहुत अच्छा रहेगा। सड़क पर चलते समय आप सतर्क रहें। इस राशि छात्रों के लिए आज का दिन अच?छा है उनकी पढाई में आ रही बाधाएं दूर हो जाएगी।

आज का पंचांग: 23 फरवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **विशेष :** मंगल कुंभ राशि में। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की षष्ठी 09 घंटे 10 मिनट तक, तत्पश्चात सप्तमी भरणी नक्षत्र 16 घंटे 34 मिनट तक, तत्पश्चात कृतिका नक्षत्र ब्रह्म योग 10 घंटे 19 मिनट तक, तत्पश्चात ऐंद्र योग, मेष में चंद्रमा 22 घंटे 13 मिनट तक तत्पश्चात वृष में।

कार्यालय वनमण्डल सीहोर

(957562) 222767 फैक्स 957562 (223815) E-Mail dfot.sch@mp.gov.in

विज्ञप्ति

संक्षिप्त निविदा सूचना (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय)

(वन अपराध प्रकरणों में जप्त अंतिम रूप से राजसात वाहनों के विक्रय हेतु निविदाओं का आमंत्रण)

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वनमंडल सीहोर के अंतर्गत वन अपराध प्रकरणों में जप्त अंतिम रूप से जप्तशुदा राजसात कंडम वाहनों को 'जहाँ है, जैसा है उसी स्थिति में' है के आधार पर निवर्तित किए जाने हेतु निम्न समय सारणी अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम बंद लिफाफे में निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्र.			
1.	निविदा का प्रथम चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 25.02.2026 समय प्रातः 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 25.02.2026 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 25.02.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष
2	निविदा का द्वितीय चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 11.03.2026 समय प्रातः 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 11.03.2026 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 11.03.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष
3	निविदा का तृतीय चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 18.03.2026 समय प्रातः 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 18.03.2026 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 18.03.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष

प्रत्येक निविदाकार को प्रत्येक वाहन हेतु निविदा के साथ दो पहिया वाहन हेतु 2000/- (दो हजार रूपये) एवं चार पहिया वाहनों हेतु 5000/- (पाँच हजार रूपये) का बैंक ड्राफ्ट प्रत्येक वाहन का पृथक-पृथक वनमण्डलाधिकारी सामान्य सीहोर के नाम पर जमानत के रूप में निविदा फार्म के साथ जमा करना होगा। यदि जमानत की राशि निर्धारित रूप में प्रस्तुत नहीं की जाती है तो निविदा अस्वीकृत कर दी जावेगी। स्वीकृ त निविदाकारों की जमानत की राशि तब तक मुक्त नहीं की जावेगी जब तक उक्त वाहन का निवर्तन पूर्ण रूप से न हो जावे। निविदाओं के माध्यम से विक्रय हेतु प्रस्तावित वाहनों का विवरण निम्नानुसार है

वाहनों का विवरण	परिक्षेत्र सीहोर	परिक्षेत्र आष्टा	परिक्षेत्र इछावर	परिक्षेत्र लाड़कुई	परिक्षेत्र रेहटी	योग
मोटर सायकल	2	3	147	155	2	309
मारुति कार/वेन	0	0	03	07	09	19
जीप /पिकअप	0	0	0	03	04	07
ट्रक/मिनीट्रक	0	0	04	02	0	06
ट्रेक्टर	0	0	0	01	0	01
कुल योग	2	3	154	168	15	342

उपरोक्त वाहनों के संबंध में जानकारी वनमण्डल कार्यालय की से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक निविदाकार निविदाफार्म एवं शर्ते विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से कार्यालयीन समय में रूपये 200/- का बैंक ड्राफ्ट अथवा नगद राशि जमा कर वनमण्डल की वन अपराध शाखा से प्राप्त कर सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल, सीहोर
जी-26203/25

वर्चुअल दुनिया में ही सहारा खोज रहे बच्चे

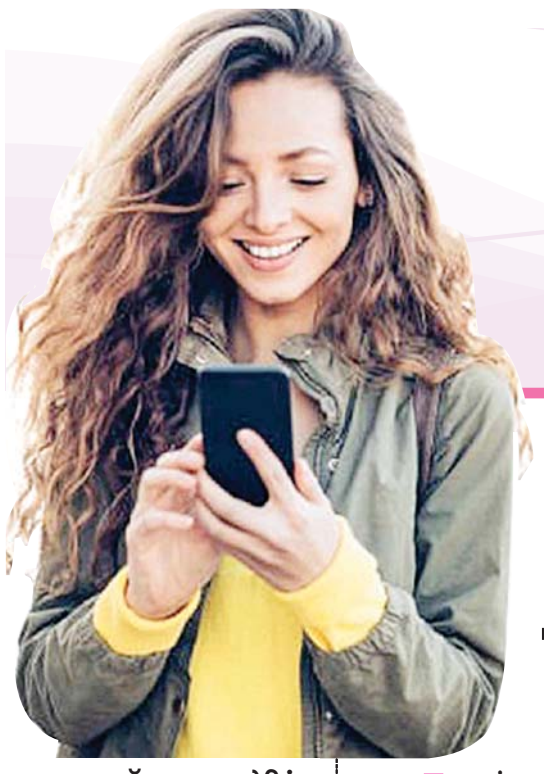

क्या ऑनलाइन गेमिंग या डिजिटल अटैचमेंट किसी को आत्महत्या के लिए मजबूर कर सकता है? क्या आज के बच्चे इतने अकेले हो चुके हैं कि उन्हें वर्चुअल दुनिया में ही सहारा दिखता है? ये दिमाग का केमिकल लोचा है या ऑनलाइन गेमिंग का धोखा? क्यों कर रहे बच्चे सुसाइड? गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने अपनी जान देकर समाज के सामने कई असहज सवाल भी छोड़ दिए हैं।

■ सुधांशु माहेश्वरी ■

'शादी की बात हमें टेंशन देती है। हमें कोरियन पसंद हैं, हम उनसे प्यार करते हैं। हम कभी किसी भारतीय लड़के से शादी नहीं कर सकते। कोरियन ही हमारी जिंदगी हैं। आप कैसे हमें उस जिंदगी को छोड़ने के लिए कह सकते हैं। आपको अंदाजा भी नहीं है कि हम कोरियन से कितना प्यार करते हैं। अब तो आपने सबूत देख ही लिया है।' गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने ये चंद पंक्तियां लिखकर सिर्फ अपनी जान नहीं दी, बल्कि समाज के सामने कई असहज सवाल भी छोड़ दिए।

सवाल यह कि क्या ऑनलाइन गेमिंग या डिजिटल अटैचमेंट किसी को आत्महत्या के लिए मजबूर कर सकता है? क्या आज के बच्चे इतने अकेले हो चुके हैं कि उन्हें वर्चुअल दुनिया में ही सहारा दिखता है। और क्या परवरिश के स्तर पर मां-बाप से कहीं कोई बड़ी चूक हो रही है। इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए मनोचिकित्सकों से बातचीत के आधार पर कुछ सुझाव सामने आए हैं।

(फोर्टिस अस्पताल की वरिष्ठ डॉक्टर हेमिका अग्रवाल, जयपुर की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर अनामिका पापडीवाल और फोर्टिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉक्टर मनु तिवारी।)

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों बच्चे ही सबसे ज्यादा इन ऑनलाइन गेम्स से प्रभावित हो रहे हैं। इस पर डॉक्टर हेमिका अग्रवाल कहती हैं कि ऑनलाइन गेमिंग का हमारी सोशल लाइफ पर काफी असर पड़ता है। बच्चे क्योंकि डेवलपिंग फेज में होते हैं, ऐसे में वे जल्दी इसका शिकार हो जाते हैं। असर सिर्फ बच्चों तक सीमित नहीं है, आप और हम भी इसकी चपेट में हैं। बस फर्क इतना है कि जो बच्चे इस टेक्नोलॉजी के दौर में पैदा हुए हैं, वो इन सब चीजों से ज्यादा प्रभावित भी हो रहे हैं।

डॉक्टर हेमिका आगे कहती हैं कि इस पूरे मुद्दे को सिर्फ ऑनलाइन गेमिंग तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक आज के दौर में लोग नेटफ्लिक्स, इंस्टाग्राम के भी ऐसे ही एडिक्ट हो रहे हैं, वो पूरी तरह इन पर निर्भर हो चुके हैं। डॉक्टर अनामिका पापडीवाल ने गाजियाबाद केस को भी डीकोड करने का प्रयास किया, उन्होंने उन बच्चों के मन में झांकने की कोशिश की जिन्होंने आत्महत्या कर ली।

सुसाइड करने वालों का दिमाग क्या सोचता है?

डॉक्टर अनामिका पापडीवाल बोलती हैं कि सामूहिक आत्महत्या के जितने भी मामले होते हैं, ज्यादातर केस में ये सभी पीड़ित एक ही सोच से प्रभावित रहते हैं, ये खुद को समाज से बिल्कुल दूर कर लेते हैं। हालात ऐसे बन जाते हैं कि उन्हें अगर कुछ भी समझाने की कोशिश की जाए तो उन्हें समझ नहीं आता, ये लोग अपने एक सिंगल थॉट के साथ चलते रहते हैं। इसी वजह से जब ऐसे बच्चे ज्यादा सोशल मीडिया पर रहते हैं या ऑनलाइन गेम खेलते हैं, वो हर उस बात को हकीकत मानते रहते हैं, जो वह लगातार देख रहे हैं। ये अपने दिमाग का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते।

गाजियाबाद केस पर बात करते हुए डॉक्टर पापडीवाल कहती हैं कि तीनों ही बहनें एक ही ढर्रे पर चल रही थीं। एक निगेटिव बात करती तो दूसरी उसी निगेटिव बात को आगे बढ़ाती, यहां कोशिश नहीं हो रही थी कि अगर कोई एक निगेटिव बोल रहा है तो दूसरा उसे पॉजिटिव करने की कोशिश करे। साइकोलॉजी के कई अध्ययन में भी ये बात सामने आई है। अगर कोई एक निगेटिव बात शुरू करता है दूसरा भी उसमें निगेटिव बात ही जोड़ता है। डॉक्टर मनु तिवारी मानते हैं कि सबसे बड़ा रिस्क इस बात का है कि फैमिली बैकग्राउंड क्या है। क्या परिवार में पहले से ही मानसिक तनाव की कोई हिस्ट्री रही है या नहीं।

सोशल मीडिया और डिप्रेशन का सीधा कनेक्शन

डॉक्टर मनु तिवारी ने कुछ मेडिकल स्टडी साझा की हैं, उनमें बताया गया है कि सोशल मीडिया और युवाओं में दिख रहे डिप्रेशन के लक्षणों में संबंध है। इसके अलावा जैसे दोस्तों या फिर पीयर्स के बीच में बच्चों को उठना-बैठना रहता है, उसका भी दिमाग पर असर पड़ता है। वहीं अगर पीयर प्रेशर सोशल मीडिया के जरिए आ रहा हो तो उसका असर ज्यादा व्यापक और तेज देखने को मिलता है। डॉक्टर मनु के अनुसार ऐसा देखा गया कि अगर सोशल मीडिया पर बच्चे ऐसे कंटेंट के संपर्क में ज्यादा आते हैं जहां किसी गलत आदत को बढ़ावा दिया जा रहा हो। उदाहरण के लिए जब शराब या फिर नशे को लेकर कंटेंट ज्यादा कन्ज्यूम किया जाता है, तो वैसी आदतें भी आ सकती हैं।

कैसे पता चले कि बच्चा एडिक्ट हो गया है?

इस सवाल का जवाब काफी विस्तार से डॉक्टर हेमिका ने दिया है। उनके मुताबिक ऐसे बच्चों में चिड़चिड़ेपन के साथ गुमसुम होने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। उनकी स्फूर्ति और दिनों की तुलना में कम हो सकती है। लेकिन ये कोई मानसिक रोग नहीं है बल्कि एक बिहेवियरल पैटर्न है। ऐसा देखा गया है कि जो बच्चे ज्यादा ही सोशल मीडिया एडिक्ट हो जाते हैं, जिनका ज्यादा समय ऑनलाइन गेम्स खेलते बीतता है, वो अपना चुलबुलापन खो देते हैं, वो सुस्त से पड़ जाते हैं। ऑनलाइन गेम्स बच्चों को इंपलसिव बना रहा है, उनकी धैर्य शक्ति कम हो जाती है। कई रिसर्च भी बता रही हैं कि जितना बाहर की दुनिया से कनेक्ट कम होने पर ऐसे लक्षण ज्यादा उभरकर सामने आ रहे हैं। डॉक्टर हेमिका आगे कहती हैं कि जिस एडिक्शन की बात यहां की जा रही है, वो एक एक्स्ट्रीम स्टेप है। उसके लक्षण हम रेड फ्लेग के रूप में देख सकते हैं। लेकिन अगर हम उस स्थिति से पहले के शुरुआती लक्षण पकड़ लें तो फायदा ज्यादा होगा। लेकिन जैसी स्थिति आज चल रही है, उसमें पढ़ाई से संबंधित कई काम डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं। इससे सहुलियत है, लेकिन बिहेवियर पर असर भी पड़ रहा है।

कहां चूक रही पेरेंटिंग?

डॉक्टर पापडीवाल भी इस बात से सहमत हैं कि डिजिटल दुनिया का मन पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, लेकिन सिर्फ ऑनलाइन गेम या फिर किसी दूसरी ऐप को विलेन नहीं बनाना चाहिए। सवाल ये है कि गेम्स में इतनी ज्यादा इनवॉल्वमेंट के कारण क्या हैं। इसकी एक वजह फैमिली पैटर्न भी है। बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं, जब कम उम्र में ही मोबाइल उनके हाथ में आ जाता है, वो उसके आदी बन जाते हैं। बाद में उनसे कभी वो फोन छीना जाए तो वे चिड़चिड़े होते हैं। कुछ परिस्थितियों में अपने पेरेंट्स पर ही वार भी कर सकते हैं। पापडीवाल के मुताबिक पेरेंटिंग एक बहुत बड़ा इशू है और वो सीधे-सीधे इस मुद्दे से जुड़ा हुआ है। माता-पिता का जागरूक होना जरूरी है।

समाधान क्या है?

क्या मासूमों को सुसाइड करने से रोका जा सकता है, क्या ऑनलाइन गेम्स की इस लत को कंट्रोल किया जा सकता है। इस बारे में ही तीनों ही विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी राय दी है। डॉक्टर मनु तिवारी कहते हैं कि सबसे पहले इस सोच से बाहर निकलना चाहिए कि बच्चा टाइम के साथ सीख जाएगा, उसके लक्षण कम हो जाएंगे। अगर कभी भी बच्चे की सोशल लाइफ डिस्टर्ब दिखाई दे रही है, तो तुरंत पास के अस्पताल जाइए, डॉक्टर से परामर्श लीजिए।

बच्चों को इस लत से कैसे बचाएं?

मनु तिवारी इस बात भी जोर देते हैं कि वर्तमान में ऑनलाइन एडिक्शन 'कोकीन' जैसी हो गई है, आसानी से यह सब जगह उपलब्ध है। डॉक्टर हेमिका भी इस बात से सहमत हैं - कुछ गाइडलाइन्स बनना जरूरी है। ऑनलाइन गेमिंग भी एक तरह का नशा ही है। चीन में तो कई ऐसी एप्स हैं जो एक समय के बाद खुद बंद हो जाती हैं। यहां भी कुछ नियम आने चाहिए। अगर कोई बच्चा एडिक्ट हो चुका है तो माता-पिता को उसकी तुलना दूसरे बच्चों से नहीं करनी चाहिए।ना सिर्फ पेरेंट्स को जिम्मेदार ठहराना है, ना स्कूल को निशाने पर लेना है। डॉक्टर अनामिका पापडीवाल ऐसी स्थिति से निपटने के लिए आउटडोर गेम्स को प्राथमिकता दे रही हैं, बच्चे शारीरिक गतिविधियों में शामिल

भोपाल की बेटी बनी मिसेज इंडिया 2025

रिजेक्शन से रॉयल क्राउन तक, ईशा की उड़ान

रवि सिंह। सपने वही पूरे होते हैं जिनकी आंखों में इंतजार की चमक और दिल में हार न मानने का हौसला होता है। राजधानी भोपाल की ईशा तिवारी इसी जज़्बे की जीती-जागती मिसाल हैं। कई वर्षों के संघर्ष, रिजेक्शन और धैर्य के बाद साल 2025 में मिसेज इंडिया का खिताब जीतकर उन्होंने न सिर्फ अपने सपनों को साकार किया, बल्कि भोपाल का नाम इंटरनेशनल स्तर पर गर्व से ऊंचा किया। ईशा का यह सफर आसान नहीं था। उनका सपना शुरू से मिसेज इंडिया बनने का नहीं था। वे खुद को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी महिला के रूप में देखना चाहती थीं। समय के साथ उन्होंने पहचाना कि ब्यूटी पेजेंट और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ही उनका पैशन है। यहीं से उनके सपनों ने एक स्पष्ट दिशा पकड़ी। करियर की शुरुआत में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सही प्लेटफॉर्म तक पहुंचना, इंडस्ट्री को समझना और खुद को लगातार निखारना के दौर कई बार रिजेक्शन और इंतजार। लेकिन ईशा ने हर अस्वीकृति से सीख ली जिसने कठिन दौर ने उन्हें और मजबूत बनाया। आज वही संघर्ष उनकी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।

ईशा का मानना है कि आत्मविश्वास अंदर से आता है। उन्होंने हमेशा अपनी फिटनेस, हेल्थ और पर्सनैलिटी पर काम किया। उनके अनुसार, जब इंसान खुद से प्यार करता है और खुद पर मेहनत करता है, तो वह आत्मविश्वास अपने आप उसकी शख्सियत में झलकने लगता है।

अब दूसरों को निखार रहीं हैं

इंटरनेशनल लेवल पर जीत हासिल करने के बाद ईशा अपने अनुभव और ज्ञान से दूसरों को आगे बढ़ाने में लगी हैं। वे आज कई लड़कियों को गाइड और ट्रेन कर रही हैं। उनकी खास सलाह है कि नेचुरल रहिए और खुद से प्यार करना सीखिए। कभी अपने सपनों से समझौता न करें। उम्र, शादी या जिम्मेदारियां कभी भी सपनों की राह में रुकावट नहीं बनतीं, अगर आपकी इच्छा और हिम्मत मजबूत हो।

परिवार सबसे बड़ी ताकत

ईशा मानती हैं कि आज के समय में सोशल मीडिया एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है, जो पहचान दिलाने में मदद करता है। लेकिन असली पहचान आपकी मेहनत, अनुशासन और टैलेंट से बनती है। परिवार का साथ ईशा की सबसे बड़ी ताकत रहा। सही टाइम मैनेजमेंट और पॉजिटिव सोच के साथ उन्होंने परिवार और प्रोफेशन दोनों को खूबसूरती से बैलेंस किया।

कहीं आपके पास तो नहीं आया फर्जी ई-चालान का मैसेज?

यह लेख फर्जी ई-चालान घोटाले के बारे में चेतावनी देता है, जहाँ साइबर ठग ट्रैफिक पुलिस जैसे संदेश भेजते हैं। इन संदेशों में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। वास्तविक फर्जी चालान की पहचान करके अपने पैसे को ऐसे ऑनलाइन धोखे से बचाया जा सकता है।

■ गरिमा गर्ग ■

आजकल हम अपनी पर्सनल लाइफ स्टाइल में इतने खो गए हैं कि मोबाइल पर आने वाले हर नोटिफिकेशन को क्लिक कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा साइबर ठग उठा रहे हैं। हाल ही में फेक ई-चालान का मामला भारी उछाल में है। ठग आपको एक ऐसा मैसेज भेजते हैं, जिसे देखकर आप डर जाते हैं कि आपका भारी भरकम चालान कट गया है और इसी घबराहट में आप अपनी जमा पूंजी खो बैठते हैं। ऐसे में फर्जी मैसेज के खेल के बारे में पता होना जरूरी है और कैसे खुद को सुरक्षित रखा जाए।

असली नकली एसएमएस की पहचान कैसे करें?

सबसे बड़ी पहचान है सरकार की आधिकारिक वेबसाइट द्दश्1.द्धद्ध पर खत्म होती है ना कि किसी अन्य किसी अन्य यूआरएल पर खत्म होती हैं। असली चालान मैसेज में आपका वाहन नंबर, नंबर के आखिरी चार अंक और चेसिस नंबर (इंजन के ऊपर हर गाड़ी का अलग होता है।) की जानकारी होती है। फर्जी मैसेज सामान्य होते हैं उनमें ऐसी जानकारी नहीं होती। असली भुगतान का तरीका कभी भी व्हाट्सएप या टेलीग्राम नहीं हो सकता या आपको कभी भी यूपीआई करने के लिए नहीं कहेगा। आपसे हमेशा वेबसाइट के माध्यम से ही भुगतान करने के लिए कहेगा।

क्या होता है यह ई-चालान फ्रॉड?

बता दें कि सबसे पहले आपके पास एक एसएमएस आता है जो हूबहू ट्रैफिक पुलिस टैस्ट मैसेज जैसा होता है। उसमें लिखा होता है कि आपके वाहन ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है और आपको 500 या 5000 का जुर्माना भरना होगा। मैसेज के अंत में एक लिंक होता है, जिस पर क्लिक करके भुगतान करना होता है, जैसे ही आप उस पर एक बार क्लिक करते हैं और अपनी बैंक डिटेल्स भरते हैं। साथ में आप पिन डालते हैं तो वैसे ही सिर्फ पांच सौ नहीं बल्कि 50000 से 5 लाख और फिर 50 लाख भी कट सकते हैं। कभी-कभी दिए गए लिंक में आपसे एक एप इंस्टॉल करने के लिए भी कहता है या कोई वायरस अपने आप इंस्टॉल हो जाता है जो आपके बैंक को खाली कर देता है।

क्या खाएं कीटो डाइट प्लान में

कीटो डाइट प्लान में आपको सबसे ज्यादा ध्यान खाने का ही रखना होता है क्योंकि यदि आप बीच में कुछ गलत खा लेते हैं, तो आप कीटोसिस से बाहर आ सकते हैं। इस डाइट में वे ही चीजें खानी हैं जिनमें हाई फैट और लो कार्ब हो तथा मीडियम प्रोटीन हो।

■ प्रीता जैन, डाइटीशियन, भोपाल ■

क्या क्या शामिल हो डाइट में

- डेयरी में पनीर, मक्खन और क्रीम
- फलों में कार्ब्स की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए तरबूज, खरबूजा, आड़ू, अमरूद,
- ब्लैकबेरी (जामुन), स्ट्रॉबेरी, रास्पबेरी (रसभरी), एवोकाडो, टमाटर, नींबू आदि फलों को कीटो आहार में खाया जा सकता है।
- सब्जियों में फूल गोभी, पत्ता गोभी, भिंडी, बैंगन, लौकी, तोरी, करेला, शिमला मिर्च, मेथी, पालक,
- सरसों के पत्ते, मूली, खीरा, पुदीना, धनिया, टमाटर, मशरुम और ब्रोकली आप अपनी डाइट में शामिल कर सकतेहैं।
- कीटो डाइट में अंडा, चिकन, मीट, रेड मीट, मछली खाए जा सकतेहैं।
- खाना पकाने में तेल की जगह घी, मक्खन या क्रीम में खाना पकाएं। इसके अलावा आप नारियलया जैतून के तेल का उपयोग भी कर सकते हैं।
- ड्राई फ्रूट्स और सीड्स में बादाम, काजू, पिस्ता, अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स, कद्दू के बीज आदि।
- ड्रिंक में आप बिना चीनी वाली कॉफी, ग्रीन टी और ब्लैक कॉफी ले सकते हैं।

कीटो डाइट में क्या नहीं खाना चाहिए-

- जौ और साबुत अनाज, चावल सामान्य रूप से हाई कार्बोहाइड्रेट होते हैं जिन्हें कीटो डाइट के दौरान लेना बिलकुल भी उचित नहीं होता है।
- इसी तरह कीटो डाइट जो एक कम कार्ब, उच्च वसा वाला आहार है, इसमें आमतौर पर दाल का सेवन करना भी शामिल नहीं किया जाता है।
- संक्षेप में हम कह सकते हैं कि कीटो डाइट को फॉलो करने के लिए व्हीट बेस्ड सीरियल, पास्ता, चावल, दाल, राजमा, मटर, स्वीट कॉर्न, आलू, गाजर, शलगम, रतालू, शकरकंद, चुकंदर, हाई शुगर फूड्स जैसे- स्मूदी, आइसक्रीम या कैंडी?, प्रोसेस्ड फूड (पैकेट वाला पैक्ड खाना) और ऑयली फूड्स व मीठे पेय पदार्थ या जूस और कोल्ड ड्रिंक्स तथा शराब आदि से बचना चाहिए। अतः कहने का तात्पर्य यह है कीटो डाइट में आप खाना हरगिज ना छोड़ दें बल्कि सही पौष्टिक भोजन का सेवन करें। यह भी सही है कि यह कीटो डाइट वजन कम करने के लिए अत्यंत अहम है, परन्तु आहार विशेषज्ञ की सही जानकारी लेते हुए इसे अपनाएं. सबसे अहम बात है कि कीटो डाइट को संपूर्ण जानकारी लेकर ही अपनाएं।

कम्फर्ट के साथ एलिगेंट लुक

बात अगर इस साल के लेटेस्ट को ऑर्ड सेट की करें तो इस साल मार्केट में वूलन, वेलवेट और ट्रेडिशनल कश्मीरी स्टाइल को-ऑर्ड सेट को बेहद पसंद किया जा रहा है।

मौसम में बदलाव आते ही महिलाएं अपने वॉर्डरोब में ऐसे आउटफिट्स शामिल करना पसंद करती हैं, जो लेटेस्ट फैशन का भी ख्याल रखें। महिलाओं की इसी जरूरत को पूरा कर रहे हैं विंटर को-ऑर्ड सेट। ये लेटेस्ट को ऑर्ड सेट न सिर्फ पहनने में आसान हैं, बल्कि ऑफिस, यात्रा, कैजुअल आउटिंग और फेस्टिव मौकों पर भी पहने हुए बेहद शानदार लुक देते हैं। बात अगर इस साल के लेटेस्ट को ऑर्ड सेट की करें तो इस साल मार्केट में वूलन, वेलवेट और ट्रेडिशनल कश्मीरी स्टाइल को-ऑर्ड सेट को बेहद पसंद किया जा रहा है।

कश्मीरी स्टाइल को-ऑर्ड सेट

फैशन और ट्रेडिशन को साथ लेकर चलने वाली महिलाओं को कश्मीरी स्टाइल को-ऑर्ड सेट बेहद पसंद आ रहे हैं। इस तरह के को-ऑर्ड सेट में बारीक कढ़ाई और क्लासिक डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। जो इन्हें फेस्टिव और डेली वियर दोनों के लिए परफेक्ट वियर बनाते हैं।

वेलवेट को-ऑर्ड सेट

अगर इस बार पार्टी लुक को रॉयल बनाए रखना चाहती हैं तो वेलवेट के को-ऑर्ड सेट सबसे अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। वेलवेट को-ऑर्ड सेट आपके विंटर लुक को अट्रैक्टिव बनाने के साथ आपको भीड़ से हटकर दिखाने में बी मदद करेंगे।

हर उम्र का पसंदीदा परिधान हो गया है को-ऑर्ड सेट

वूलन को-ऑर्ड सेट

वूलन को-ऑर्ड सेट हर उम्र की महिलाएं पहनना बेहद पसंद करती हैं। ये सेट्स न केवल शरीर को गर्म रखते हैं, बल्कि पहने हुए बेहद स्टाइलिश भी लगते हैं। इस तरह के को-ऑर्ड सेट में ट्रैवल फ्रेंडली श्रग वाले, लंबा या शॉर्ट श्रग, अंदर सॉफ्ट वूलन टॉप और मैचिंग पैंट के साथ ट्रैवल करना परफेक्ट रहता है। अगर आप रोजाना डेली वियर में पहनने के लिए कम्फर्टेबल कपड़े देख रही हैं, तो लॉन्ग स्लीव विंटर वूलेन को-ऑर्ड सेट ट्राई कर सकती हैं। जिन्हें आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

पुलिस ले गई 5 दिन पुराना शव, थाने पहुंचे बेटा-बेटी बोले, मां कहीं खो गई, ढूंढ दो

पांच दिन तक शव के साथ ही घर में रहे दिमागी कमजोर भाई-बहन, रिश्तेदारों को सौंपा

जागरण, ग्वालियर। ग्वालियर में मां और बच्चों से जुड़ा एक मार्मिक मामला सामने आया है, जहां मां की कुर्बानी किसी मिसाल से कम नहीं हैं तो अब उसके बेटा-बेटी का हाल सुन हर किसी का दिल पसीजे बगैर नहीं बच रहा। असल में यह दोनों भाई-बहन 5 दिन तक अपनी मां के शव के साथ ही घर में रहते रहे। दुर्गंध फैलने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बुरी तरह सड़ चुके शव को पुलिस उठा ले गई। मगर इन भाई-बहन को समझ ही नहीं आया कि उनकी मां अब दुनिया में नहीं रहीं। वे दोनों उसे ढूंढते हुए थाने पहुंच गए और पुलिस कर्मियों से मार्मिक गुहार लगाते हुए बोले कि हमारी मां कहीं खो गई है, उसे आप ढूंढ दो। यह मामला टोपी बाजार क्षेत्र का है, जहां से पुलिस ने शुक्रवार रात शिक्षा विभाग की रिटायर्ड क्लर्क उर्मिला भदौरिया (70) का सड़ा-गला शव उठाया था। घर के अंदर का नजारा सभी को हैरान रहा था। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस जब घर में पहुंची तो महिला के शव पर कीड़े चल रहे थे। महिला के बेटा-बेटी वहीं पास में बैठे थे। आपको आश्चर्य होगा कि मृतक महिला का बेटा अखंड (40) और बेटी रितु 38 साल की है। इससे भी बड़ी हैरानी की बात यह है कि दिमागी रूप से कमजोर होने के बाद भी बेटा बी टेक पास है तो बेटी विज्ञान स्नातक। दोनों भाई बहन अपनी मां के साथ घर में ही रहते थे। वे दुनिया में मां के अलावा किसी को नहीं जानते। उसका बिस्तर खाली देख दोनों परेशान हैं कि मां कहां चली गई। पुलिस ने भी पूछा तो दोनों यही बोले कि मां सो रही थी, फिर हम भी सो गए। पता नहीं मां कहां चली गई। कोतवाली पुलिस ने शनिवार रात ही गांव से रिश्तेदारों को बुलाया और दोनों को सौंप दिया। जालम सिंह का बाड़ा में रहने वाली उर्मिला भदौरिया के पति सुरेंद्र सिंह भदौरिया का निधन काफी पहले हो गया था। उर्मिला उनकी दूसरी पत्नी थीं। पहली पत्नी प्रसव के दौरान ही खत्म हो जाने पर उनकी शादी 45 साल पहले हुई थी। पति के निधन के बाद उर्मिला ने अकेले ही दोनों बच्चों को संभाला, उन्हें पढ़ाया-लिखाया।

बहन का त्याग और पिता की बेबसी : 23 साल की निकिता को नई जिंदगी देने बड़ी बहन देगी किडनी

जागरण, इटारसी। कहते हैं कि भाई-बहन का रिश्ता दुनिया में सबसे अनूठा होता है। इटारसी के एक मध्यमवर्गीय परिवार में इस रिश्ते की एक ऐसी ही मिसाल देखने को मिली है, जहां एक बड़ी बहन अपनी छोटी बहन की जान बचाने के लिए अपना अंग दान करने को तैयार है। लेकिन इस निस्वार्थ प्रेम और जीवन के बीच गरीबी एक बड़ी दीवार बनकर खड़ी हो गई है। पुरानी इटारसी के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले संदीप चौरे की 23 वर्षीय बेटी निकिता की दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं। परिवार को इस दुखद खबर का पता अगस्त 2025 में चला। तब से निकिता का जीवन अस्पतालों और दवाइयों के बीच सिमट गया है। अब तक निकिता को 13 यूनिट ब्लड दिया जा चुका है, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है।

बड़ी बहन शिखा बनी जीवनदाता

निकिता की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसकी बड़ी बहन शिखा ने साहस दिखाते हुए अपनी एक किडनी छोटी बहन को देने का निर्णय लिया है। नागपुर स्थित गंगा केयर अस्पताल में 27 फरवरी को यह ट्रांसप्लांट ऑपरेशन होना तय हुआ है।

मजदूरी कर पाल रहे परिवार

निकिता के पिता संदीप चौरे पेशे से मजदूर हैं। किराए के मकान में रहकर परिवार का गुजारा करने वाले पिता के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना नामुमकिन सा है। समाज के कुछ जागरूक लोगों ने अपने स्तर पर मदद की कोशिश की है, लेकिन ऑपरेशन और उसके बाद की जांचों के लिए अभी भी एक बड़ी राशि की दरकार है।

आप भी बन सकते हैं सहारा : निकिता के ऑपरेशन के लिए आर्थिक सहायता की अपील की गई है। दानदाता और सक्षम लोग आगे आते हैं, तो एक युवा जीवन को बचाया जा सकता है। परिवार का संपर्क नंबर 7000963513 है।

संक्षिप्त समाचार

पेंच पार्क में चार शावकों के साथ चहलकदमी दिखी जुगनी बाघिन

जागरण, सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ दिखी। बाघिन और उसके शावक खुले रास्ते पर चहलकदमी करते नजर आए, जिससे पर्यटकों में उत्सुकता बढ़ गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पेंच नेशनल पार्क में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक बाघों को देखने आते हैं। सफारी के दौरान, जब पर्यटकों की जिप्सी एक वन मार्ग से गुजर रही थी, तभी जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ कच्ची सड़क पार कर जंगल की ओर बढ़ती दिखी। पेंच टाइगर रिजर्व वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अल्टीमेटम : 2 मार्च से प्रदेश भर में थम सकते हैं यात्री बसों के पहिये

जागरण, सागर। मप्र सरकार की नई परिवहन नीति के विरोध में प्रदेश भर के बस ऑपरेटर्स लामबंद हो गए हैं। उन्होंने तय कर लिया है कि पहले ज्ञापन, फिर अल्टीमेटम और इसके बाद हड़ताल। यदि नई परिवहन नीति को लागू करने का फैसला वापस नहीं लिया गया तो आगामी 2 मार्च से सागर सहित पूरे प्रदेश में बसों के पहिए थम जाएंगे। बता दें कि मप्र सरकार ने नई परिवहन नीति के तहत सात कंपनियों को बसों के संचालन का जिम्मा दिया है। यह बसें अब प्रदेश में यात्री बसों का संचालन करेंगी। बस ऑपरेटर्स ने इसे दमनकारी करार दिया है और विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल को विकल्प बताया है। रविवार को मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के सानिध्य में प्रदेश के 55 जिलों के 400 से अधिक बस ऑपरेटर्स एवं 55 जिलों के अध्यक्षों की उपस्थिति में, प्राइम रूट एसोसिएशन के अध्यक्ष गोविंद शर्मा, मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्मेलन का आयोजन कर्रापुर स्थित एक होटल में किया गया।

भोपाल-नर्मदापुरम-इटारसी रेलखंड पर मेमू ट्रेन का रास्ता साफ

जागरण, नर्मदापुरम/इटारसी। मध्यप्रदेश विधानसभा में भोपाल, नर्मदापुरम और इटारसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने का संकल्प प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित होने के साथ ही क्षेत्र के हजारों दैनिक यात्रियों की वर्षों पुरानी मांग को नई गति मिल गई है। अब इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। यदि केंद्र से स्वीकृति मिलती है तो इस व्यस्त रेलखंड पर लोकल यात्रियों के लिए अलग से मेमू सेवा शुरू हो सकेगी, जिससे रोजाना अप-डाउन करने वाले लगभग 5 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह मुद्दा विधानसभा में नर्मदापुरम से विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा ने प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सदन में स्पष्ट कहा कि भोपाल-इटारसी रेलमार्ग पर चलने वाली ट्रेनों में जनरल बोगियों की संख्या लगातार घटाई जा रही है, जबकि स्लीपर कोच बढ़ाए जा रहे हैं। इससे स्थानीय यात्रियों, छात्रों और कर्मचारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

प्रोपेगंडा पर पिटाई, बच्चा चोर समझ युवक को अधमरा किया, धार में पता पूछते ही घेर लिया

दिल्ली के बाद मप्र में बच्चा चोर गिरोह की फैली अफवाह, पुलिस ने बताया भ्रामक

सतर्कता जरूरी लेकिन अफवाहों पर न करें विश्वास

जागरण, प्रांतीय डेस्क। अपने बच्चों का ख्याल रखें, प्रदेश में आजकल बच्चा चोर गिरोह सक्रिय है! ऐसी बातें आजकल हर घर-मोहल्ले में सुनाई दे रही हैं। दिल्ली से शुरू हुआ अफवाहों का दौर भोपाल सहित प्रदेश हर शहर में शुरू हो गया है। इन बातों के असर से जुड़ी घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। मोहल्लों या सार्वजनिक स्थानों पर अनजान व्यक्ति नजर आते ही लोगों ने घेराबंदी कर दी। मंदसौर में तो लोगों ने एक युवक को बांध दिया और मार-मारकर अधमरा कर दिया। वहीं धार के राजगढ़ में बच्चे से पता पूछ रहे युवक को भी लोगों ने घेर लिया। ऐसी बातें फैलते देख इटारसी पुलिस को अपील जारी करना पड़ी है।

बच्चा चोर बोलकर भीड़ ने हाथ-पैर बांधकर पीटा, पुलिस ने बचाया लेकिन कार्रवाई नहीं की

जागरण, मंदसौर। प्रदेश के मंदसौर जिले में रविवार शाम बच्चा चोरी की अफवाह के बाद भीड़ ने एक व्यक्ति को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। भीड़ ने शख्स के हाथ-पैर बांध दिए थे। सड़क पर घसीटा। इसके बाद लात-घूंसे बरसाए। भीड़ में मौजूद लोगों ने पीटने का वीडियो भी बनाया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक रविवार शाम को नरसिंहपुर इलाके में एक व्यक्ति घूमता हुआ नजर आ रहा था। इसी दौरान क्षेत्र के कुछ लोगों ने शंका के आधार पर उसे बच्चा चोर समझ लिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने बिना किसी पुष्टि किए लात-घूसों से पीटा। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। व्यक्ति को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई। पूछताछ के दौरान वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाया। स्थानीय रहवासियों ने पुलिस को बताया कि यह पहले भी क्षेत्र में घूमते रहते था। शक के आधार पर पिटाई की गई है।

कानून हाथ में न लें लोग : कोतवाली

थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक संदीप मौर्य ने बताया कि स्थानीय लोगों ने मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पूछताछ में कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं। शिकायत के अभाव में संबंधित व्यक्ति को छोड़ दिया है। वहीं मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कानून को अपने हाथ में न लें।

पता पूछने पर बच्चा चोर समझ भीड़ ने पकड़ा

जागरण, धार। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के दलपुरा कस्बे में बच्चा चोरी की अफवाह के चलते एक युवक को भीड़ ने बच्चा चोर समझकर पकड़ लिया। युवक ने एक बच्चे से केवल दुकान का पता पूछा था, लेकिन गलतफहमी के कारण मामला बढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार मिथिलेश कुमार (23), निवासी ग्राम माझागढ़, गोपालगंज (बिहार), दलपुरा में एक 11 वर्षीय बच्चे अनमोल चौरसिया से चिकन-मटन की दुकान के बारे में पूछ रहे थे। इसी बात को लेकर कुछ लोगों को शक हुआ और देखते ही देखते बच्चा चोरी की अफवाह फैल गई। आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और युवक को रोककर बैठा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से सुरक्षित छुड़ाया।

इटारसी में अफवाह, पुलिस बोली- प्रोपेगेंडा से बचें

जागरण, इटारसी । नर्मदापुर जिले के इटारसी शहर के नाला मोहल्ला से चार बच्चे और पुरानी इटारसी से दो बच्चों के लापता होने की बातें हवा में तैर रही हैं। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि यदि वाकई इतनी बड़ी संख्या में बच्चे गायब हुए हैं, तो उनके परिजनों ने अब तक पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई? जागरण की पड़ताल में सामने आया कि इटारसी अनुविभाग के सभी पांचों थानों में पिछले एक माह के दौरान छोटे बच्चों के गायब होने की कोई भी शिकायत दर्ज नहीं हुई है। इटारसी में बच्चा चोरी की खबरें एक कोरी अफवाह है। इटारसी एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा ने जागरण को बताया कि उनके अनुविभाग के सभी पांचों थानों में बच्चा चोरी या छोटे बच्चों के गायब होने जैसी कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। केसला, तवानगर और इटारसी थाने में केवल एक-एक किशोरी की गुमशुदगी दर्ज है, जिनकी जांच जारी है। जनता इन अफवाहों पर बिल्कुल भी भरोसा न करे और प्रोपेगेंडा से बचे।

ग्वालियर के युकां नेता को उठा ले गई दिल्ली पुलिस, पिता परेशान

जागरण, ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय स्तर के एआई कॉन्क्लेव में शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दिल्ली पुलिस ने धरपकड़ शुरू कर दी है। फोटो और वीडियो से मिलान कर दिल्ली पुलिस अन्य राज्यों में जाकर भी गिरफ्तारी कर रही है। ग्वालियर में भी इसी तरह की कार्रवाई कर कांग्रेस कार्यकर्ता युवक को पुलिस उठाकर दिल्ली ले गई। परिवारजनों को भी कोई सूचना नहीं दी गई। इससे पूरा परिवार परेशान हो रहा है। ग्वालियर निवासी युकां के पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार रात करीब डेढ़ बजे दिल्ली पुलिस जीतेंद्र के पटेल नगर के सिटी सेंटर स्थित घर पहुंची। दरवाजा खुलवाकर सीधे जीतेंद्र के कमरे में घुसे और उसे थप्पड़ मारते हुए साथ ले गए। इनमें कुछ लोग पुलिस की वर्दी में थे तो कुछ सादी ड्रेस पहने थे। जीतेंद्र के पिता केशव यादव को अब स्थानीय पुलिस भी कुछ नहीं बता रही है। जितेंद्र को गिरफ्तार करने आए पुलिसकर्मियों ने खुद को क्राइम ब्रांच का सदस्य बताया था। मगर वे दिल्ली के रजिस्ट्रेशन नंबर की गाड़ियों से आए थे। कांग्रेस नेताओं ने गिरफ्तारी के तरीके और जानकारी छुपाने पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेताओं को भी क्राइम पुलिस कुछ नहीं बता रही है।

जबलपुर में एसयूवी का हिट एंड रन, पांच को उड़ाया

कई वाहनों को टक्कर मारी, एक पुलिसकर्मी भी आया चपेट में

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में देर रात ओमती थाना इलाके में एक तेज रफ्तार लग्जरी एमजी कार ने जमकर उत्पात मचाया। भंवरताल गार्डन से शुरू हिट एंड रन का सिलसिला इनकम टैक्स ऑफिस और रसल चौक तक जारी रहा। इस दौरान कार ने राहगीरों, पुलिस कर्मचारी और आधा दर्जन से अधिक वाहनों को टक्कर मारी। हादसे में कार चालक, पुलिस कर्मचारी सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार भंवरताल गार्डन की ओर से बेहद तेज गति से आई और रसल चौक पर सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। इसके बाद कार ने रास्ते में एक युवती और अन्य राहगीरों को टक्कर मारी। कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो चुका था, लेकिन उसने रफ्तार कम नहीं की।

पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को जब्त कर लिया है। घायल चालक को इलाज

के लिए भर्ती कराया है। कार ने इनकम टैक्स क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। यहां कार ने एक गैस सिलेंडर लदे वाहन को जोरदार टक्कर मारी। रास्ते में खड़ी तीन कारों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा 3 से 4 बाइकों को रौंद डाला। यह खौफनाक सफर तब थमा जब कार मिंट पार्क की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया।

बच्चा गंभीर रूप से घायल : हादसे में साहिल नामक युवक, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी आदित्य और 14 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। यहां उनका इलाज जारी है। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कार की रफ्तार साफ देखी जा सकती है। सूचना मिलते ही ओमती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त एमजी कार को जब्त कर लिया। थाना प्रभारी राजपाल सिंह बघेल ने बताया- शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही का मामला सामने आया है। हम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। कार चालक अनुराग सोनी भी घायल है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

हमें नहीं चाहिए भागीरथपुरा, कीचड़ में उतरे गंदे पानी से नाराज लोग

जागरण, कटनी। दूषित जल से इंदौर के भागीरथपुरा में मौतों का अंबार देख प्रदेश भर में लोग गंदे पानी से डरने लगे हैं। मोहल्ले में कहीं जल भराव हो रहा हो अथवा नलों से गंदा पानी आ रहा हो, लोगों को तत्काल भागीरथपुरा जैसा हश्र नजर आने लगता है। ऐसा ही डर रविवार को कटनी के वार्ड 16 स्थित जागृति कॉलोनी के लोगों में

नजर आया। महीनों से सड़कों पर गंदा पानी भरा होने से परेशान लोगों ने इस कीचड़ वाले पानी में ही खड़े होकर कहा हमें नहीं चाहिए भागीरथपुरा। प्रदर्शन करते हुए लोगों ने इस गंदे पानी से पूरे मोहल्ले में गंभीर बीमारी फैलने का खतरा बताया। सड़कों का यह गंदा पानी घरों के सामने तक भरने लगा है। गंदे पानी के बीच खड़े होकर प्रदर्शन करते हुए लोगों ने तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की।

गर्ल्स हॉस्टल में केंद्रीय मंत्री को मिलीं कच्ची रोटी कुक से बोले-अपनी बेटियां समझकर बनाओ

जागरण, निवाड़ी। सरकारी हॉस्टल में छात्र-छात्राओं को कैसा खाना खिलाया जाता है, इसकी हकीकत केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक की नजरों के सामने आ गई। निवाड़ी के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में केंद्रीय मंत्री खटीक सीधे रसोई में पहुंच गए। उन्होंने रोटियां देखीं तो अपनी नाराजगी नहीं रोक सके। खाना बनाने वाली महिला को नसीहत देते हुए उन्होंने कहाकि रोटियां थोड़ी कच्ची हैं, ठीक से सेंकने की जरूरत है। इन सभी को अपनी बच्चियां समझकर खाना बनाओ। केंद्रीय मंत्री खटीक रविवार को निवाड़ी के पृथ्वीपुर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास पहुंचे

थे। उस समय मेस में खाना बन रहा था। उन्होंने खाने की क्वालिटी पर आपत्ति जताते हुए वार्डन से कहाकि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने छात्राओं से भी चर्चा की। छात्राओं ने बताया कि यहां एक साथ 100 स्टूडेंट रहते हैं।

रायसेन-उज्जैन में प्रेमी जोड़े ने एक साथ खुदकुशी की

जागरण, रायसेन/ उज्जैन। प्रदेश में युवक-युवती की खुदकुशी से जुड़े मामले सामने आए हैं। एक मामले में युवती ने रायसेन के उदयपुरा में फांसी लगाई। वहीं, दूसरा मामले यहां से 350 किलोमीटर दूर उज्जैन जिले के पवासा थाना क्षेत्र का है। यहां एक युवक ने भी ठीक उसी समय फांसी पर लटककर आत्महत्या कर ली। घटनाओं के समय किसी को उम्मीद नहीं थी कि इनकी कड़ी आपस में जुड़ेगी। घटना की जांच के बाद रविवार को पता चला कि दोनों प्रेमी-प्रेमिका थे। मौत को गले लगाने से पहले दोनों ने एक-दूसरे को फोन किया था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने रातभर चैटिंग की।

रेफर होकर जा रही महिला ने एम्बुलेंस में जन्मीं जुड़वा बेटियां

प्रसूता को लटेरी से विदिशा जिला अस्पताल भेजा था

विदिशा, जागरण। लटेरी से जिला अस्पताल रेफर की गई एक गर्भवती महिला ने एंबुलेंस में जुड़वा बेटियों को जन्म दिया। यह घटना बीती रात करीब 2 बजे हुई। जब रामगढ़ निवासी संतोष पत्नी विजय विश्वकर्मा को लटेरी के शासकीय अस्पताल से विदिशा भेजा जा रहा था। रास्ते में अचानक प्रसव पीड़ा बढ़ने पर एंबुलेंस स्टाफ ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित प्रसव कराया।

एंबुलेंस में तैनात डॉ. सुरेश कुमार और पायलट धनराज सिंह ने स्थिति की गंभीरता को

देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। महिला ने दो स्वस्थ बच्चियों को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा और दोनों नवजातों को जिला अस्पताल विदिशा में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार यह डिलीवरी समय से पहले हुई है और दोनों बच्चियों का वजन सामान्य से कम है। इस कारण उन्हें विशेष देखभाल के लिए एसएनसीयू स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट वार्ड में रखा गया है। परिवार ने बताया कि प्रसव में अभी लगभग 15 दिन शेष थे, लेकिन शनिवार को दर्द बढ़ने पर संतोष को लटेरी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। वहां हालत गंभीर होने पर उसे देर रात विदिशा रेफर किया गया था, जिसके आधे रास्ते में ही प्रसव हो गया। संतोष की पहले से एक दो वर्षीय बेटी है। उनके पति विजय विश्वकर्मा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। एंबुलेंस स्टाफ की इस तत्परता और समय पर की गई मदद की सराहना की जा रही है।

बिजनेस प्लस

सीएम योगी की मौजूदगी में पीएम मोदी ने किया दिल्ली-मेरठ नमो भारत रैपिड रेल कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो का लोकार्पण

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए व आधुनिक भारत का शिल्पी व निर्माता बताया है। सीएम योगी रविवार को मेरठ के मोहिउद्दीनपुर में प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली-मेरठ नमो भारत रैपिड रेल संपूर्ण कॉरिडोर व मेरठ मेट्रो का लोकार्पण किए जाने के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा होली से ठीक पहले नमो भारत ट्रेन के साथ मेरठ मेट्रो का भी उपहार दिया जा रहा है। यह उपहार विकसित भारत की उस नींव को सुदृढ़ करने का नया माध्यम है, जिसमें अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से भारत की ताकत दिखती है। पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी एक चुनौती होती थी। इसे तय करने में चार से पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ती थी। दिल्ली दूर है, यह मानते हुए लोग थक-हार कर बैठ जाते थे और सोचते थे कि जाम में फंसना पड़ेगा। आज 12 लेन के एक्सप्रेसवे से दिल्ली व मेरठ जुड़े हैं। मेरठ से दिल्ली पहुंचने में मात्र 45-50 मिनट लगते हैं। आज प्रधानमंत्री जी ने नमो भारत रैपिड रेल व मेरठ मेट्रो का नया उपहार दिया है, जो इस दूरी को और घटा रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में नमो भारत, वंदे भारत, अमृत भारत के माध्यम से अत्याधुनिक-सुरक्षित तेज पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं आज भारत की पहचान बन रही हैं। पीएम मोदी ने शनिवार को ही गौतम बुद्ध नगर में सेमीकंडक्टर के नए प्लांट का

दिल्ली-मेरठ नमो भारत के संपूर्ण कॉरिडोर एवं मेरठ मेट्रो के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी।

शिलान्यास किया है, यानी हमारा भारत आने वाले समय की चुनौतियों को देखते पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले दिनों नई दिल्ली में संपन्न इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों और 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। इस समिट में वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री जी के विजन और उसे धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रति दृष्टिकोण विकसित भारत की उस आधारशिला का विजन है, जिसकी दुनिया में चर्चा है। देश में नमो भारत रैपिड रेल का उद्घाटन, मेट्रो का विस्तार, वंदे भारत, वाटरवे, एक्सप्रेसवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की सुविधा बहुत तेजी से फैली है। आज हर कोई इसकी ताकत को महसूस कर रहा है। इसके जरिए जीवन को आसान किया गया है। मुख्यमंत्री ने मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में बने यूपी के पहले खेल विवि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने ही इसका शिलान्यास किया था। यह विवि अप्रैल तक बनकर तैयार हो जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी लगभग तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री जी ने ही उसका शिलान्यास किया था। आज प्रदेशवासियों की इच्छा है कि खेल विवि व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से हो। इसी तरह केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में नोएडा मेट्रो के नए रूट को स्वीकृति दी है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया कि मेट्रो के नए रूट का शिलान्यास और तीन वर्ष में इसके तैयार होने के उपरांत इसका लोकार्पण भी आपके द्वारा हो।

दक्षिण अफ्रीका ने रोका भारत का विजयी रथ, थमाई सबसे बड़ी हार

सुपर-8 में टीम इंडिया की 76 रन से बड़ी हार, 188 रन के लक्ष्य के जवाब में 111 रन पर सिमटा

जेएनएन, अहमदाबाद

दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के एकतरफा मैच में रविवार को भारत को 76 रन से रौंदकर इस प्रतियोगिता में उसके अजेय क्रम पर रोक लगा दी। भारत ने 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए पिछले टी-20 विश्व कप में एक भी मैच नहीं गंवाते हुए खिताब जीता था, जबकि मौजूदा टूर्नामेंट में उसकी यह पहली हार है। यह रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार भी है। दक्षिण अफ्रीका के 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत मार्को यानसेन (22 रन पर चार विकेट), केशव महाराज (24 रन पर तीन विकेट) और कोर्बिन बॉश (12 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.5 ओवर में 111 रन पर सिमट गया। मेजबान टीम की ओर से सिर्फ शिवम दुबे (42 रन) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। डेविड मिलर ने 35 गेंद में 63 रन की पारी खेलने के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस (45 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 51 गेंद में 97 रन की साझेदारी की, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 20 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद सात विकेट पर 187 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 44 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 15 रन पर तीन विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

■ भारत ने 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद आईसीसी के किसी टूर्नामेंट में पहला मैच गंवाया है। किसी भी प्रारूप में भारत की आईसीसी टूर्नामेंट में 18 मैचों बाद यह पहली हार है। 2024 टी-20 विश्व कप से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में भारत ने लगातार 12 मैच जीते थे।

टर्निंग पाइंट लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरुआत भी खराब रही। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने पावरप्ले में तीन झटके दे दिए थे। किशन अपना खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि तिलक रिव्यू लेने के बावजूद कॉट बिहाइंड आउट हुए और कॉर्बिन बॉश ने अभिषेक का हैरतअंगेज कैच लपकते हुए भारत को दबाव में डाल दिया। पावरप्ले की समाप्ति के बाद भारत ने तीन विकेट के नुकसान पर 31 रन बनाए थे, जबकि इसकी तुलना में दक्षिण अफ्रीका ने इस समय तक स्कोरबोर्ड पर 41 रन जोड़े थे। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की पारी को मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस की चौथे विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी ने संभाला था, लेकिन भारत की ओर से ऐसी साझेदारी नहीं आई।

51 पर आधी टीम पवेलियन में भारत की पारी में 10 ओवर भी नहीं हुए थे, लेकिन 51 के स्कोर पर आधी भारतीय टीम पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद महाराज ने एक ही ओवर में हार्दिक, रिंकू और अर्शदीप का विकेट निकालकर भारत को मुकाबले से बाहर कर दिया। तीनों ही बल्लेबाज बाउंड्री लाइन पर स्टब्स के हाथों कैच आउट हुए। शिवम ने कुछ बड़े शॉट्स लगाने के प्रयास किए, लेकिन भारत पहले ही काफी पिछड़ चुका था और उनके सामने बस हार के अंतर को कम करने का विकल्प ही शेष रह गया था।

अक्षर की जगह सुंदर वॉशिंगटन सुंदर को अक्षर पटेल की जगह मौका दिया गया था, लेकिन वह भी कुछ खास नहीं कर पाए और उनके पवेलियन लौटने के बाद ही सूर्यकुमार भी अजीबोगरीब तरह से आउट हो गए।

मिलर, स्टब्स, ब्रेविस ने बड़े स्कोर तक पहुंचाया

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और बुमराह और अर्शदीप ने शुरुआती झटके देकर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना दिया था और महज 20 के स्कोर पर उनके तीन बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे। लेकिन मिलर ने आक्रमण शुरू किया और फिर जल्द ही ब्रेविस ने भी लय पकड़ ली। दोनों मिलकर दक्षिण अफ्रीका को 100 के पार ले गए। हालांकि डेथ ओवर से पहले भारत ने वापसी की, शिवम ने ब्रेविस और वरुण ने मिलर का विकेट निकाला। लेकिन अंतिम ओवर में स्टब्स ने 20 रन बटोरते हुए दक्षिण अफ्रीका को काफी अच्छे टोटल तक पहुंचा दिया।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका: 187/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मार्कराम का. हार्दिक बो. अर्शदीप	4	7	0	0
क्विंटन डिकॉक बो. बुमराह	6	7	1	0
रिकलटन का. शिवम बो. बुमराह	7	7	0	1
ब्रेविस का. अभिषेक बो. शिवम	45	29	3	3
मिलर का. तिलक बो. वरुण	63	35	7	3
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	44	24	1	3
यानसन का. रिंकू बो. अर्शदीप	2	6	0	0
कॉर्बिन बॉश का. एंड बो. बुमराह	5	6	1	0
कगिसो रबाडा नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 187 रन, **विकेट पतन:** 1-10, 2-12, 3-20, 4-117, 5-152, 6-158, 7-167, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-28-2, जसप्रीत बुमराह 4-0-15-3, वरुण चक्रवर्ती 4-0-47-1, वॉशिंगटन सुंदर 2-0-17-0, हार्दिक पंड्या 4-0-45-0, शिवम दुबे 2-0-32-1

भारत: 111/10 (18.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
किशन का. रिकलटन बो. मार्कराम	0	4	0	0
अभिषेक का. बॉश बो. यानसन	15	12	2	1
तिलक का. डिकॉक बो. यानसन	1	2	0	0
सूर्यकुमार का. ब्रेविस बो. बॉश	18	22	2	0
सुंदर का. डीकॉक बो. बॉश	11	11	0	1
शिवम का. एन्गिडी बो. यानसन	42	37	1	3
हार्दिक का. स्टब्स बो. महाराज	18	17	0	1
रिंकू का. स्टब्स बो. महाराज	0	2	0	0
अर्शदीप का. स्टब्स बो. महाराज	1	2	0	0
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	0	3	0	0
बुमराह का. मारक्रम बो. यानसन	0	1	0	0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 18.5 ओवर में 111 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-0, 2-5, 3-26, 4-43, 5-51, 6-86, 7-86, 8-88, 9-111, 10-111, **गेंदबाजी:** एडन मार्कराम 1-0-5-1, मार्को यानसन 3.5-0-22-4, कगिसो रबाडा 4-0-32-0, लुंगी एन्गिडी 4-0-15-0, केशव महाराज 3-0-24-3, कार्बिन बॉश 3-0-12-2.

इंग्लैंड की श्रीलंका पर लगातार 12वीं जीत

पावरप्ले में 34 रन पर पांच विकेट गंवाकर हारा श्रीलंका

पाल्लेकल, जेएनएन। फिल सॉल्ट (40 गेंदों पर 62 रन) की दमदार बल्लेबाजी के बाद जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स की तेज और स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने श्रीलंका के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर इंग्लैंड को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में 51 रन की शानदार जीत दिलाई। यह इस फॉर्मेट में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की लगातार 12वीं जीत है। बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालगे (26 रन पर तीन विकेट) की अगुआई में श्रीलंका की अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 146 रन तक सीमित कर दिया था, जिससे लग रहा था कि मुकाबला मेजबान टीम की पकड़ में है। आर्चर और ऑफ स्पिनर ऑलराउंडर जैक्स ने हालांकि मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। दोनों ने पावरप्ले में कहर बरपाते हुए छठे ओवर तक श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर 34 रन कर दिया। श्रीलंकाई टीम इससे उबर नहीं पाई और कप्तान दासून शनाका की 30 रन की पारी के बावजूद 16.4 ओवर में 95 रन पर आउट हो गई। जैक्स ने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि आर्चर ने तीन ओवर में 20 रन देकर दो विकेट हासिल किए। उन्हें लियाम डॉसन (चार ओवर में 27 रन पर दो विकेट) और आदिल रशीद (3.4 ओवर में 13 रन पर दो विकेट) का भी शानदार साथ मिला। जैक्स ने बल्ले से भी 14 गेंद में 21 रन का योगदान दिया।

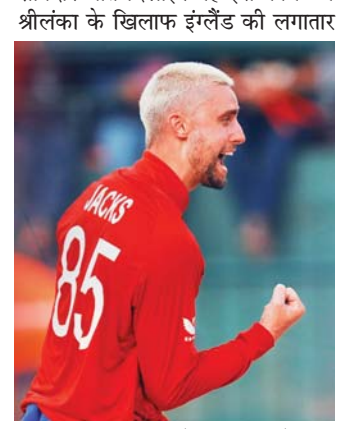

प्लेयर ऑफ द मैच विल जैक्स

खराब शुरुआत के बाद इंग्लैंड ने बनाया बड़ा स्कोर

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और चौथे ओवर में उन्होंने बटलर (7) का विकेट गंवा दिया था। पावरप्ले के आखिरी ओवर में उन्होंने जेकब बेथेल (3) का विकेट गंवाया। पावरप्ले में वे केवल 37 रन बना पाए थे। 10 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 68/4 क्योंकि टॉम बैंटन (6) रनआउट और कप्तान हैरी ब्रूक (14) कैच आउट हो चुके थे। साल्ट ने एक छोर को संभालते हुए 36 गेंदों में एक अहम अर्धशतक जड़ा। चमीरा ने पारी के 14वें ओवर में सैम करन (11) को आउट करा दिया। 14 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 105/5 था। सॉल्ट के पूरी तरह सेट होने की स्थिति में इंग्लैंड 160 तक जाती दिख रही थी, लेकिन पारी के 15वें ओवर में वेल्लालगे ने सॉल्ट (62) को कैच आउट करा दिया।

आर्चर-जैक्स ने श्रीलंका को सस्ते में समेटा

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी, तो श्रीलंका की शुरुआत उससे भी बदतर रही। पहले दो ओवर में केवल सात रन बने। तीसरे ओवर में आर्चर ने पतुम निसांका (नौ रन) का बड़ा विकेट निकाला। अगले ही ओवर में जैक्स ने दो विकेट निकाले, जिसमें कुसल मेंडिस (4) और पवन रत्नायके (0) शामिल थे। पावरप्ले में 34 के स्कोर पर श्रीलंका के पांच विकेट गिर चुके थे, जिसमें आर्चर को दो और जैक्स को तीन मिले थे। 34 के स्कोर पर पांच विकेट गिर जाने के बाद कामिंदु मेंडिस (13) और कप्तान दसून शानका (30) के बीच एक साझेदारी पनप रही थी। लेकिन नौवें ओवर में मेंडिस के आउट होने पर ये साझेदारी टूट गई।

मैदान से हटकर

हार्दिक ने बेटे और एक्स-वाइफ को गिफ्ट की लग्जरी कार

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक भले ही अलग हो चुके हों, लेकिन बेटे अगस्त्य की परवरिश दोनों मिलकर कर रहे हैं। अब हार्दिक-नताशा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इसकी वजह है करोड़ों की लग्जरी कार। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में नताशा ब्लैक रंग की लग्जरी कार के साथ नजर आईं. तस्वीरों में उनके साथ उनका बेटा अगस्त्य भी नजर आया। नताशा-अगस्त्य जिस एसयूवी के साथ नजर आए, वो गाड़ी एक हाई-एंड लैंड रोवर डिफेंडर है। इसकी कीमत वेरिएंट और कस्टमाइजेशन के आधार पर करीब 3 से 4 करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है। हार्दिक ने ये लग्जरी कार अपनी एक्स-वाइफ और बेटे के लिए खरीदा है। खास बात यह रही कि एक नोट पर Papa to Agastya (अगस्त्य के पापा) लिखा हुआ दिखा, जिसके बाद ये स्पष्ट हो गया कि यह खास तोहफा हार्दिक पंड्या की ओर से दिया गया है। तस्वीरें वायरल होते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने पूर्व कपल की परिपक्व को-पेरेंटिंग की जमकर तारीफ की। (जेएनएन)

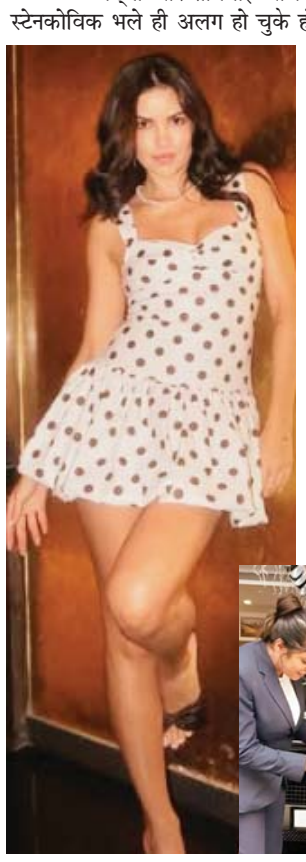

पीएसएल: लीग शुरू होने से पहले सियालकोट स्टैलियंज फिर से बिका

कराची, जेएनएन। पीएसएल में पिछले महीने 185 करोड़ रुपए में खरीदी गई नई फ्रेंचाइजी 'सियालकोट स्टैलियंज' शेयरों की बिक्री को लेकर विवाद और कुछ मालिकों की वित्तीय पृष्ठभूमि पर उठे सवालों के बाद एक बार फिर बिक गई है। पीएसएल के 11वें सत्र के शुरू होने से पहले ही पीसीबी को इस मामले में असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। पिछले महीने हुई नीलामी में 'ओजेड' समूह ने सियालकोट फ्रेंचाइजी के अधिकार हासिल किए थे, लेकिन इसके तुरंत बाद नए मालिकों की वित्तीय स्थिति को लेकर सवाल खड़े होने लगे। स्थिति तब और जटिल हो गई जब कुछ साझेदारों ने 98 प्रतिशत हिस्सेदारी ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी को बेच दी। अमेरिका स्थित व्यवसायी और प्रमुख मालिकों में शामिल मोहम्मद शाहिद ने हालांकि कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई समूह ने यह सौदा रद्द कर दिया। सियालकोट फ्रेंचाइजी की 98 प्रतिशत हिस्सेदारी अब 'सीडी वेंचर्स' ने खरीद ली है। यह वही कंपनी है, जिसने पहले मुल्तान सुल्तान की फ्रेंचाइजी के लिए नीलामी में भाग लिया था और 235 करोड़ रुपए की अंतिम बोली लगाई थी।

फॉर्म में चल रही जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के बीच टक्कर आज

सुपर-8: मैच आज शाम सात बजे से वानखेड़े स्टेडियम में

मुंबई, जेएनएन। आत्मविश्वास से भरी वेस्टइंडीज की टीम को सोमवार को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के दृढ़ संकल्प से सतर्क रहना होगा। यह दोनों टीम टूर्नामेंट में अभी तक अजेय रही है और वे यह सिलसिला जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों ने पहले दौर में अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन काम अभी खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि आगे और भी कड़ी चुनौतियां उनका इंतजार कर रही हैं। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के आत्मविश्वास की यह उस प्रारूप में कड़ी परीक्षा होगी। पूर्व चैंपियन कप्तान डेरेन सैमी की कोचिंग वाली टीम ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है, लेकिन उसके लिए निरंतरता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। वेस्टइंडीज ने लगातार चार मैच में जीत हासिल करके यह सुनिश्चित कर लिया है कि टी-20 विश्व कप से पहले सात द्विपक्षीय सीरीज में मिली हार अब अतीत की बात हो गई है। दूसरी ओर जिम्बाब्वे ने क्रिकेट जगत में नई उम्मीद जगा दी है। उसने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सभी को चौंका दिया था और अब वह यह साबित करने के लिए प्रतिबद्ध होगा कि उसकी यह जीत महज संयोग नहीं थी।

■ इन दोनों टीमों के बीच अब तक सिर्फ चार टी-20 मुकाबले हुए हैं। तीन मुकाबले वेस्टइंडीज ने जीते हैं, जबकि जिम्बाब्वे को एक मैच में सफलता मिली है।

■ वानखेड़े की यह लाल मिट्टी की पिच आमतौर पर स्पिनरों को अच्छा उछाल देती है। इसी पिच का इस्तेमाल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए मैच में भी हुआ था, जहां 300 से कम रन बने और गेंदबाजों को खासी मदद मिली। मौसम पूरी तरह साफ रहने का अनुमान है। हल्की हवा चल सकती है।

बांग्लादेश को हराकर भारत-ए दूसरी बार बना एशिया कप राइजिंग स्टार्स चैंपियन

46 रन से जीता भारत, 134 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश 88 पर सिमटी

जेएनएन, बैंकॉक

भारत-ए ने रविवार को कम स्कोर वाले एकतरफा फाइनल में बांग्लादेश-ए को 46 रन से हराकर एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट जीत लिया। भारत-ए ने 2023 में पहले टूर्नामेंट के फाइनल में भी बांग्लादेश-ए को हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम 44 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी, लेकिन तेजल हसबनिस ने 34 गेंद में नाबाद 51 रन की प्रभावी पारी खेलकर भारत को 20 ओवर में सात विकेट पर 134 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने कप्तान राधा यादव (30 गेंद में 36 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी भी की। बांग्लादेश के लिए कप्तान फाहिमा खातून ने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। फरजाना एसमिन और फातिमा जहान सोनिया ने 1-1 विकेट लिए। भारतीय टीम ने इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत (12 रन पर तीन विकेट) की फिरकी के जादू से बांग्लादेश को 19.1 ओवर में 88 रन पर समेट दिया। विकेटकीपर शमिमा सुल्ताना ने 20, सरमिन सुल्ताना ने 18, और खातुन ने 14 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने नहीं टिक सकीं। बांग्लादेश ने तीसरे ओवर में 12 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी। बांग्लादेश ने पहला विकेट इशमा तंजीम के रूप में गंवाया, जो तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर का शिकार बनीं। प्रेमा ने सुल्ताना को अतिरिक्त उछाल लेती शानदार लेग स्पिन पर आउट किया।

■ 2023 में शुरू हुए टूर्नामेंट का यह दूसरा संस्करण था। दोनों बार भारत ने खिताब जीता है। बांग्लादेश को दोनों ही मौकों पर हार झेलनी पड़ी।

मेसी की मौजूदगी में एमएलएस चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

लॉस एंजिलिस, जेएनएन। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने एमएलएस कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया। इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज ने गोल किए। बुआंगा ने मैच के बाद कहा कि वह मैच हमेशा खास होता है, जिसमें मेसी खेलते हैं। हम मेसी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है। इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिजियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे। दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेसी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया।

अल्काराज को कतर ओपन का खिताब

दोहा, जेएनएन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार खेल का नमूना पेश करते हुए आर्थर फिल्स को केवल 50 मिनट में 6-2, 6-1 से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। स्पेन के इस स्टार खिलाड़ी ने इस तरह से 2026 में अपनी जीत का सिलसिला 12 मैच तक पहुंचा दिया है। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने यानि चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने के 20 दिन बाद कतर ओपन में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या 26 हो गई है।

सिटी स्पोर्ट्स

शालिनी ने जीते गोल्ड सहित दो मेडल

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश की डॉ. शालिनी यादव ने ऑल इंडिया सिविल सर्विस बैडमिंटन (महिला एवं पुरुष) टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। गोवा में आयोजित प्रतियोगिता में शालिनी ने 50+ महिला युगल फाइनल में छत्तीसगढ़ की संगीता को 21-11, 11-06 से हराकर खिताब जीता। वहीं उन्होंने 40+ महिला युगल में मनीषी (छत्तीसगढ़) के साथ जोड़ी बनाकर कनार्टक/कानपुर (मधु/विजया) को 15-11, 11-03 से हराकर कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में डॉ. रजनीश मारन और नरेश बागड़े की जोड़ी ने 50+ पुरुष युगल में तमिलनाडु और आरएसबी कानपुर को हराकर सेमी क्वार्टर तक पहुंची। जबकि रूपेश अहरवार और डॉ. विशेषनाग की जोड़ी ने 40+ पुरुष डबल्स में तेलंगाना और हरियाणा पर जीत दर्ज की। उल्का सागोरे एवं डॉ. राजू राठौर को लाइफ टाइम एप्रिसिएशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। टीम का नेतृत्व मैनेजर डॉ. जीआर गांगले, कोच डॉ. राजू राठौर और सहायक प्रशिक्षक एसके जैन ने किया।

मंडल कार्यालय भोपाल बना चैंपियन

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ
प्लेयर ऑफ द मैच सोमांश मुदलियार
मैन ऑफ द सीरीज सोमांश
बल्लेबाज: प्रणव सील
गेंदबाज: विक्रम सिंह
फील्डर: व्योमेश ओझा

भोपाल, खेप्र। मंडल कार्यालय भोपाल ने फाइनल में क्षेत्रीय कार्यालय को हराकर अंतर-जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। फेथ क्रिकेट क्लब, रातीबड़ ग्राउंड में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारतीय खाद्य निगम, मध्यप्रदेश क्षेत्र की कुल 08 टीमों ने भाग लिया। टीमों को 04-04 के आधार पर पूल-ए और पुल-बी में विभाजित किया गया। क्षेत्रीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष एफसीआई मप्र महाप्रबंधक सूफिया फारूकी वली (आईएएस) एवं उपाध्यक्ष उप महाप्रबंधक संजीव कुमार कौशिक के तत्वावधान में यह टूर्नामेंट आयोजित किया गया।

45 साल के धोनी आईपीएल के लिए उपलब्ध, शायद सभी मैच नहीं खेलेंगे

धोनी की अनुपस्थिति में सैमसन और उर्विल पटेल कर सकते हैं कीपिंग

अहमदाबाद, जेएनएन। आईपीएल 2026 सत्र की तैयारियों के बीच एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या दिग्गज पूर्व कप्तान इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सभी मैचों में खेलते नजर आएंगे? फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष सूत्र ने इसकी पुष्टि की कि 45 वर्ष के होने जा रहे धोनी आईपीएल सत्र के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ उपलब्ध रहेंगे। टीम में इस बार बड़ी रकम के साथ ट्रेडिंग के जरिए संजू सैमसन के शामिल होने के बाद हालांकि यह संभावना कम मानी जा रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान लीग चरण के सभी मुकाबलों में खेलेंगे। सीएसके के सूत्र ने बताया, हम यह पुष्टि कर सकते हैं कि वह चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने सत्र के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।

सूत्र ने कहा कि धोनी सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह हम फिलहाल नहीं कह सकते। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू होने के बाद पिछले दो सत्रों में बल्लेबाज के तौर पर धोनी की भूमिका सीमित रही है। उन्हें अक्सर निचले क्रम में परिस्थिति के अनुसार छोटी, लेकिन प्रभावी पारियां खेलने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इस सत्र में सीएसके के पास तीन विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। जिन मुकाबलों में धोनी नहीं खेलेंगे, उनमें सैमसन के विकेट के पीछे मोर्चा संभालने की संभावना है। टीम में उर्विल पटेल शामिल हैं, जबकि 14.20 करोड़ रुपए में शामिल किए गए कार्तिक शर्मा को शिवम के साथ फिनिशर की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है।

घुटने और पीठ की समस्या मुसीबत धोनी पिछले कुछ वर्षों से घुटने और पीठ की समस्या से जूझते रहे हैं। आईपीएल में मैचों के बीच कम अंतराल और विकेटकीपिंग की शारीरिक मांग उनके करियर के इस चरण में अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। इतना लगभग तय माना जा रहा है कि धोनी चेन्नई में खेले जाने वाले सीएसके के अधिकांश घरेलू मैचों में मैदान पर उतरेंगे। चेपॉक स्टेडियम में उनके मैदान पर कदम रखते ही पीले रंग से सजी दर्शक दीर्घाएं उत्साह से गूंज उठती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ को पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

कोच्चि, जेएनएन। अमिताभ बच्चन को फिल्म कल्कि के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर मेल (तेलुगु) का अवॉर्ड दिया गया। यह उनका पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड है। प्रभास स्टारर फिल्म में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का रोल निभाया था। इस सेरेमनी में तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। फिल्म पुष्पा 2 ने तेलुगु कैटेगरी में पांच अवॉर्ड जीते। तमिल कैटेगरी में फिल्म अमरन ने सात अवॉर्ड अपने नाम किए। मलयालम सिनेमा से स्टार ममूटी को ब्रमायुगम के लिए बेस्ट एक्टर चुना गया।

पवार की फिर बिगड़ी तबीयत, कराया भर्ती

पुणे, जेएनएन। एनसीपी-एसपी नेता शरद पवार की एक बार फिर तबीयत खराब हो गई है. उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। सुप्रिया सुले के मुताबिक पवार पिछले हफ़्ते खांसी और गले में इन्फेक्शन से परेशान थे जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब एक बार फिर उनकी तबीयत खराब हो गई है। उन्हें आगे की मेडिकल देखभाल और ऑब्ज़र्वेशन के लिए रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। इससे पहले शनिवार को उनकी पार्टी के नेता अंकुश काकड़े ने कहा था कि शरद पवार अपने राज्यसभा के कार्यकाल के बारे में फैसला ले सकते हैं। हमने पवार साहेब के एक्टिव पॉलिटिक्स से रिटायर होने की कोई रिपोर्ट नहीं सुनी है।

सलमान के पिता सलीम खान वेंटिलेटर पर

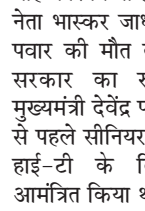

मुंबई, जेएनएन। सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। उन्हें मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इसके बाद उनका परिवार लगातार अस्पताल में आते-जाते दिख रहा है। रविवार को उनके बेटे सोहेल खान को अस्पताल से बाहर निकलते देखा गया। इसके अलावा मलाइका अरोड़ा और अर्पिता खान भी अस्पताल के बाहर नजर आईं। बता दें कि सलीम खान की तबीयत का हाल लेने अस्पताल में परिवार के अलावा सेलेब्स भी पहुंच रहे हैं। शनिवार देर शाम शाहरुख खान उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे। वहीं, शाहरुख खान से पहले रणवीर सिंह, फराह खान, आमिर खान और जावेद अख्तर जैसे सेलेब्स भी अस्पताल आए थे।

28 तक आएगी अजित पवार प्लेन क्रैश की रिपोर्ट

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की प्लेन क्रैश में हुई मौत की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट 28 फरवरी तक जारी की जाएगी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इस बीच, अजित पवार की मौत पर राज्य सरकार के रुख को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने बजट सत्र से पहले होने वाली पारंपरिक हाई-टी पार्टी का बहिष्कार किया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधवने कहा कि अजित पवार की मौत के मामले में महाराष्ट्र सरकार का रुख स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने बजट सत्र से पहले सीनियर नेताओं को पारंपरिक हाई-टी के लिए लेट लिखकर आमंत्रित किया था। जाधव ने कहा कि सत्ता पक्ष अहंकारी है और विपक्ष का सम्मान नहीं करता।

तेलंगाना भाजपा प्रमुख एन रामचंद्र राव हाउस अरेस्ट

कामारेड्डी, जेएनएन। तेलंगाना में बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक घमासान के बीच बड़ी खबर सामने आई है। जहां बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंदर राव को रविवार को कामारेड्डी के उनके प्रस्तावित दौरे से पहले एहतियात के तौर पर शनिवार देर रात हाउस अरेस्ट कर लिया गया। फोन पर बात करते हुए राव ने कहा, पुलिस ने मुझे आज रात हाउस अरेस्ट कर लिया है। कटिपल्ली वेंकट रमना रेड्डी के कैंप ऑफिस पर कथित कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले के बाद कामारेड्डी में तनाव बढ़ गया था। गौरतलब है कि एन रामचंदर राव ने बांसवाड़ा में पत्थरबाजी के पीड़ितों से मिलने का प्लान बनाया था। 20-21 फरवरी को कामारेड्डी शहर में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। यह तनाव सरकारी डिग्री कॉलेज की ज़मीन को लेकर हुए विवाद से शुरू हुआ। भाजपा एमएलए वेंकट रमना रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता इसे गैर-कानूनी तरीके से बेच रहे हैं।

इंग्लैंड में चीनी चंद्र नव वर्ष का उत्सव

इंग्लैंड के न्यूकैसल अपॉन टाइन में 2026 को चंद्र नव वर्ष जुलूस के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। चीनी राशि चक्र के अनुसार, यह वर्ष घोड़े का वर्ष है, जो जीवंतता और आत्मविश्वास के लिए जाना जाता है। यह वर्ष लगभग हर 60 वर्षों में आता है। पिछला अग्नि अश्व वर्ष 1966-67 में था। ऐसा माना जाता है कि इसकी ऊर्जा सांस्कृतिक बदलाव, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं, तीव्र परिवर्तन, विद्रोह और प्रगति लाती है।

आधी रह जाएगी अमेरिका की प्रभावी टैरिफ दर

येल यूनिवर्सिटी के अनुमान के अनुसार आईईईपीए हटने से अमेरिका की प्रभावी टैरिफ दर लगभग आधी हो सकती है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट का दावा है कि धारा 122, 232 और 301 को मिलाकर 2026 में राजस्व संतुलित रखा जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने सभी आयातों पर 15 फीसदी फ्लैट टैरिफ लागू करने की घोषणा की है।

भारत की स्थिति	चीन की स्थिति
15% है मौजूदा टैरिफ दर जो कि पहले 25% थी	पहले: पारस्परिक और फेंटेनिल टैरिफ
18% की प्रस्तावित कटौती की थी नई डील के बाद	अब: 15 फीसदी होगी फ्लैट दर
50% पहुंच गया था अगस्त 2025 से कुल टैरिफ	वर्तमान : में भारत और चीन बराबरी पर

इन देशों को राहत

भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान देश, ब्राजील, मेक्सिको, कनाडा पर पहले की तुलना में कम टैरिफ लगाया गया है।

इन देशों हुआ नुकसान

रूस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब, यूएई, कतर, अर्जेंटीना, कोलंबिया पर टैरिफ की दर बढ़ गई है।

भारत के निर्यात पर प्रभाव

- **55%** भारतीय निर्यात 18% पारस्परिक शुल्क से मुक्त हो सकते हैं।
- **50%** टैरिफ जारी रहेगा स्टील-एल्युमिनियम पर
- **25%** टैरिफ लगेगा कुछ ऑटो पार्ट्स पर
- **40%** निर्यात पहले से छूट श्रेणी में है।

ट्रंप के दूत का दावा: एक हफ्ते में परमाणु बम बना सकता है ईरान

छात्रों का प्रदर्शन: राजशाही समर्थक और सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के खिलाफ लगाए नारे

नई दिल्ली, जेएनएन। मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि ईरान सैद्धांतिक रूप से सिर्फ एक हफ्ते में बम-ग्रेड यूरेनियम तैयार कर सकता है। उन्होंने यह भी साफ नहीं किया कि फिलहाल ईरान के पास इसके लिए जरूरी सामग्री, उपकरण या सक्रिय हथियार कार्यक्रम है या नहीं। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में स्टीव विटकॉफ ने कहा कि ईरान शायद एक हफ्ते दूर है इंडस्ट्रियल स्तर का बम बनाने लायक यूरेनियम तैयार करने से। उन्होंने कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान को यूरेनियम संवर्धन की अनुमति मिले। जून 2025 में अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इस अभियान को ऑपरेशन मिडनाइट हैमर कहा गया। इन हमलों में लगभग 20,000 सेंट्रीफ्यूज नष्ट करने, हथियार कार्यक्रम को खत्म करने और तीन बड़े परमाणु स्थलों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया था। इन हमलों में कई प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने और यूरेनियम भंडार तक पहुंच मुश्किल होने की भी बात कही गई थी। हमलों से पहले आकलन था कि अगर ईरान चाहे तो वह लगभग एक हफ्ते में हथियार-ग्रेड यूरेनियम तैयार कर सकता था। लेकिन उसे मिसाइल में फिट करने और बम तैयार करने में तीन से छह महीने और लग सकते थे। पहले यह समयसीमा करीब दो साल मानी जाती थी।

जीरो एनरिचमेंट पर अड़ा अमेरिका

विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ समझौते में जीरो एनरिचमेंट यानी बिल्कुल भी यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं चाहते। हालांकि रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन सीमित और सख्त निगरानी में नागरिक उपयोग के लिए एनरिचमेंट पर विचार कर सकता है। विटकॉफ ने यह भी कहा कि ट्रंप नाराज नहीं बल्कि जिज्ञासु हैं कि भारी अमेरिकी सैन्य दबाव के बावजूद ईरान ने समझौता क्यों नहीं किया।

मशहद छात्रों ने की बड़ी रैलियां

ईरान में प्रदर्शनकारियों की कथित सामूहिक हत्या को लेकर तेहरान और मशहद के विश्वविद्यालयों में छात्रों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए। शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और अमीकबीर यूनिवर्सिटी सहित मेडिकल साइंसेज विश्वविद्यालयों में छात्रों ने राजशाही समर्थक और सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगाए. शरिफ यूनिवर्सिटी में विरोध को दबाने के लिए आईआरजीसी से संबद्ध अर्धसैनिक बल बसीज तैनात किए गए और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग की खबरें सामने आईं।

ईरान ने यूरोपीय संघ सेनाओं को आतंकवादी संगठन घोषित किया

ईरान के विदेश मंत्रालय ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की नौसेना और वायु सेना को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। यह कदम ईयू द्वारा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के जवाब में उठाया गया है, जिसे ईरान ने अवैध और अनुचित करार दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह निर्णय 2019 में पारित अमेरिका द्वारा आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित करने के जवाब में पारस्परिक कार्रवाई कानून के अनुच्छेद 7 के तहत लिया गया है। इस कानून के अनुसार, जो भी देश या समूह अमेरिका के फैसले का समर्थन या अनुसरण करता है, उसके खिलाफ पारस्परिक कदम उठाए जाएंगे। मंत्रालय ने आईआरजीसी को ईरान की आधिकारिक सशस्त्र सेनाओं का हिस्सा बताते हुए ईयू के फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध बताया। बयान में स्पष्ट किया गया है कि ईयू सदस्य देशों की सभी नौसेनाओं और वायु सेनाओं को इस कानून के दायरे में लाया गया है।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी,मौत

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसोर्ट में रविवार को घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि एक शख्स गैरकानूनी तरीके से अंदर घुसने की कोशिश कर था। जब उसने सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश की, तो सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने उसे गोली मार दी। सीक्रेट सर्विस के मुताबिक, युवक शॉटगन जैसी बंदूक और फ्यूल कैन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, हालांकि उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। ट्रम्प के रिसोर्ट में एंट्री के लिए मेंबरशिप जरूरी ट्रम्प के रिसॉर्ट में बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। इसकी लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपए है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड।

शर्मनाक: '500 में मसाज पार्लर में काम करती हो?'

दिल्ली में तीन महिलाओं से नस्लीय दुर्व्यवहार, केस दर्ज

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के साथ कथित नस्लीय और अपमानजनक टिप्पणी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में पड़ोसी दंपति हर्ष सिंह और उनकी पत्नी रूबी जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। घटना 20 फरवरी की बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में आरोपी महिला को यह कहते सुना जा सकता है, '500 रुपये में मसाज पार्लर में काम करने वाली धंधेवाली, क्या यहां धंधा करने बैठी हो? घर में मसाज पार्लर खोल लिया है क्या?' वीडियो में 'मोमो' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए भी अपमानजनक टिप्पणियां सुनाई देती हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिलाओं चौथी मंजिल स्थित किराए के फ्लैट में एयर कंडीशनर लगवाने के लिए दोपहर करीब 3.30 बजे एक इलेक्ट्रीशियन को बुलाया था। ड्रिलिंग के दौरान निकली धूल और मलबा नीचे की मंजिल पर गिरने से

पड़ोसियों ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। महिलाओं का आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी दंपति ने उन्हें 'धंधेवाली' कहकर संबोधित किया और पूर्वोत्तर समुदाय को लेकर नस्लीय टिप्पणियां कीं। पीड़ित महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें 'गटर-छाप', 'जाकर मोमो बेचो' और 'नॉर्थईस्ट के लोग' जैसी आपत्तिजनक बातें कही गईं। वीडियो में आरोपी महिला यह भी कहती दिखती है कि संबंधित व्यक्ति 'कस्टम अधिकारी और बड़े नेता का बेटा' है, जिससे सामाजिक दबदबा दिखाने की कोशिश की गई। मालवीय नगर थाने में दर्ज एफआईआर में बीएनएस की धारा 79 351(2), 3(5) और 196 (वैमनस्य फैलाना) शामिल हैं। धारा 196 संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध है।

पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो, बोले प्रधानमंत्री मोदी

मेरठ, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें टीएमसी, डीएमके या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया।

मन की बातः पीएम ने सुनाए जयललिता से जुड़े किस्से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड के जरिए दक्षिण भारत की राजनीति में हलचल बढ़ा दिया है। 24 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता जी की जयंती से पहले उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने न केवल अम्मा को एक जनप्रिय नेता बताया अपने पुराने रिश्तों की यादें भी ताजा की हैं।

देश को दिए तीन मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में देश को तीन मंत्र दिए। उन्होंने टेक्नोलॉजी, ऑर्गन डोनेशन और साइबर क्राइम पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, जुटे।

बीफ-फेस्ट की आईयूएमएल ने की आलोचना

कोझिकोड, जेएनएन। केरल में फिल्म केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के खिलाफ स्टूडेंट्स फॉरेशन ऑफ इंडिया के बीफ फेस्ट के आयोजन की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने आलोचना की है। लीग ने कहा कि इस तरह का विरोध लोगों की भावनाएं भड़काने वाला है। आईयूएमएल के स्टेट जनरल सेक्रेटरी ने कहा कि बीफ फेस्ट मुस्लिम वोटरों को लुभाने के लिए एक सस्ता पॉलिटिकल हथकंडा है। उन्होंने कहा कि बीफ और मुसलमानों के बीच क्या लिंक है। फिल्म केरल स्टोरी 2 के ट्रेलर के मुताबिक, फिल्म में एक सीन है जिसमें एक किरदार को जबरदस्ती बीफ खिलाया जाता है। इसका विरोध करने के लिए एसएफआई ने बीफ फेस्ट का आयोजन किया था। आईयूएमएल का बीफ फेस्टिवल पर बयान मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन के केरल स्टोरी 2 फिल्म का बॉयकॉट करने की अपील के दो दिन बाद आया। आईयूएमएल के स्टेट जनरल सेक्रेटरी सी के नजफ ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के विरोध प्रदर्शन का विरोध करते हुए कहा था कि इससे हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं।

बगैर चीनी की चाय भी करती है डायबिटीज में नुकसान

हेल्थ-वॉच

डायबिटीज की समस्या ज्यादातर लोगों को लाइफस्टाइल च्वॉइस की वजह से होती है। गलत खानपान, फिजिकल मूवमेंट की कमी अक्सर लोगों को इंसुलिन रेजिस्टेंस और डायबिटीज का मरीज बना देती हैं। ऐसे में उन्हें लाइफस्टाइल में बहुत सारे बदलाव करने की जरूरत होती है। अपने आसपास काफी सारे लोग ऐसे देखे होंगे जो डायबिटीज होने पर बगैर चीनी की चाय पीते हैं और बताते हैं कि ये चाय उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाती। लेकिन फ्रीडम फ्राम डायबिटीज के डॉक्टर प्रमोद गुप्ता ने बहुत ही सिंपल और आसानी से समझ में आ जाने वाले शब्दों में बताया कि सुबह के समय पी गई वो बिना चीनी वाली चाय भी कैसे आपके शुगर को प्रभावित करती है और डायबिटीज के मरीज के लिए मुश्किल खड़ी करती है। डॉक्टर प्रमोद ने बताया कि काफी सारे लोग डायबिटीज हो जाने के बाद चीनी छोड़कर बिना चीनी वाली दूध की चाय पीने लगते हैं। जबकि चीनी डालने का इस चाय पर कुछ खास असर नहीं होता। दूध वाली चाय चीनी और बगैर चीनी दोनों तरह से नुकसान पहुंचाती है। क्योंकि जो नॉर्मल घरों में चाय बनती है वो दूध में बनती है और दूध में आईजीएफ होता है। आईजीएफ यानी इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर। एनआईएच के मुताबिक ये आइजीएफ एक प्रोटीन है जो ग्रोथ हार्मोन-बाइंडिंग प्रोटीन के एक्शन से निकलता है। यह ग्रोथ और डेवलपमेंट के साथ-साथ मेटाबॉलिज्म में भी भूमिका निभाता है। इसके हाइपोग्लाइसेमिक और एनाबॉलिक असर होते हैं। डॉक्टर ने बहुत ही सिंपल शब्दों में बताया कि ये इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर यानी आईजीएफ उस जगह पर जाकर चिपक जाता है जहां पर इंसुलिन को चिपकना चाहिए। जिसकी वजह से इंसुलिन सही जगह पर काम नहीं कर पाता है।

नवाचार रिसर्च में किया जा रहे हैं नए प्रयोग या रैंकिंग और प्रोत्साहनों की रणनीति?

पेटेंट में निजी विवि आईआईटी से हैं आगे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने 2024-25 में पहली बार 1 लाख से अधिक पेटेंट आवेदन (1,10,375) दर्ज कर इतिहास रच दिया है। यह पिछले वर्ष (92,168) की तुलना में लगभग 19.75 फीसदी की वृद्धि है। खास बात यह है कि इस उछाल के पीछे सबसे बड़ी भूमिका शैक्षणिक संस्थानों की है, जिनके पेटेंट आवेदनों में एक ही वर्ष में 61.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। लेकिन सवाल यह है क्या यह वास्तविक नवाचार का संकेत है, या रैंकिंग और प्रोत्साहनों की रणनीति? 2024-25 में कुल 1.1 लाख आवेदनों में से 68,201 भारतीय आवेदकों से और 42,174 विदेशी आवेदकों से आए। घरेलू आवेदनों की हिस्सेदारी 62 फीसदी तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 56 फीसदी थी। सबसे बड़ा उछाल 'शैक्षणिक संस्थान' श्रेणी में देखा गया जहां आवेदन 23,306 (2023-24) से बढ़कर 37,681 (2024-25) हो गए। यानी 14,375 अतिरिक्त आवेदन एक ही वर्ष में।

टॉप-10 में निजी संस्थानों का दबदबा

2024-25 की 'टॉप 10 इंडियन एप्लिकेंट्स' सूची में 10 में से 9 संस्थान निजी या डीम्ड-प्राइवेट हैं। सामूहिक रूप से आईआईटी तीसरे स्थान पर हैं, पहले पर नहीं। यही तथ्य सोशल मीडिया पर वायरल दावों को बल देता है कि निजी विश्वविद्यालय आईआईटी से अधिक पेटेंट दाखिल कर रहे हैं। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है कि पेटेंट दाखिल और पेटेंट स्वीकृत अलग चीजें हैं।

पेटेंट प्रक्रिया: दाखिल करना आसान, मंजूरी कठिन

पेटेंट प्रक्रिया में आवेदन, प्रकाशन, परीक्षा, आपत्तियों का उत्तर और अंततः स्वीकृति शामिल होती है। दाखिल अधिकांश आवेदन प्रकाशित हो जाते हैं, लेकिन परीक्षा के बाद ही पेटेंट स्वीकृत होता है।

1 लाख से अधिक पेटेंट आवेदन देकर रचा इतिहास

क्या रिइम्बर्समेंट से बढ़ रही है फाइलिंग

केंद्र सरकार स्टार्टअप्स और शैक्षणिक संस्थानों को 80 फीसदी तक शुल्क छूट देती है। राज्य स्तर पर भी प्रतिपूर्ति योजनाएं हैं, जैसे कर्नाटक 75 फीसदी फाइलिंग पर और 25 फीसदी ग्रांट के बाद देता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि असली खर्च पेशेवर ड्राफ्टिंग में होता है, जो 40,000 से 80,000 रुपये या अधिक हो सकता है। रखरखाव (20 साल तक) भी लाखों में पड़ सकता है।

2024-25 के आंकड़े

- दाखिलः 1,10,375
- जांचे गएः 15,526
- स्वीकृतः 33,504

इसके विपरीत, 2023-24 में 1,03,057 पेटेंट स्वीकृत हुए थे। जो उस वर्ष दाखिल आवेदनों से भी अधिक थे। यह इसलिए संभव है क्योंकि स्वीकृति पूर्व वर्षों के आवेदनों से भी हो सकती है। फिर भी, स्पष्ट है कि दाखिल की गति और स्वीकृति की गति समान नहीं है।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 490/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

कश्मीर-मध्य प्रदेश युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आज से

जागरण, जबलपुर। कश्मीर और मध्य प्रदेश के युवाओं के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम सोमवार से शुरू होगा। युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कश्मीर से 132 युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। छह दिवसीय यह कार्यक्रम 23 से 28 फरवरी तक चलेगा। इन प्रतिभागियों में कश्मीर के छह जिलों- अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुला, बडगाम, श्रीनगर और कुलगाम के युवा शामिल हैं।

रतलाम मंडल में ब्लॉक के कारण 11 ट्रेने होंगी प्रभावित

जागरण, रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मल्हारगढ़ -मंदसौर यार्ड के बीच डबलिंग कार्य चल रहा है। इस कारण मंडल के यात्रियों को आगामी कुछ दिनों में असुविधा का सामना करना होगा। जानकारी अनुसार 01 मार्च रतलाम मंडल की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित ट्रेनों में चित्तौड़गढ़ से चलने वाली चित्तौड़गढ़-रतलाम डेमू, उज्जैन चित्तौड़गढ़, जयपुर बांद्रा स्पेशल, जमुना ब्रिज-रतलाम एक्सप्रेस समेत 11 ट्रेनें शामिल हैं।

"ट्वीट ऑफ द डे"

नीतिश कुमार
बिहार मुख्यमंत्री

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपनी कड़ी मेहनत और टैलेंट से उन्होंने खुद को भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद के तौर पर स्थापित किया है। आप बिहार के बच्चों के लिए प्रेरणा हो। अच्छा क्रिकेट खेलते रहो और राज्य और देश का नाम रोशन करो।

संक्षिप्त खबरें

खड़े ऑटो में बस ने मारी टक्कर, छह लोग घायल

जागरण, मुरैना। जिले के कैलारस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 552 पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक सड़क हादसा हो गया। कुटरावली फाटक के पास रतनपुरा पुलिया पर सवारियों से भरे एक खड़े ऑटो में पीछे से आ रही यात्री बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो सड़क से नीचे जा गिरा और उसमें सवार 6 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए कैलारस उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है, जहां सभी सुरक्षित हैं, वहीं पुलिस ने टक्कर मारने वाली बस को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही कैलारस थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने मौके से बस को अपने कब्जे में ले लिया है। कैलारस एसडीओपी उमेश मिश्रा ने कहा कि यात्री बस ने खड़े ऑटो को टक्कर मारी थी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे चला गया। इस हादसे में ऑटो में सवार 6 लोग घायल हो गए जिन्हें कैलारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस को जब्त कर लिया है।

तीन बच्चों को जहर देकर मारने वाली मां की मौत

जागरण, आलीराजपुर। एक महिला ने अपने तीन बच्चों को कीटनाशक मिलाकर चाय पिलाई और खुद भी पी लिया था। इलाज के दौरान तीनों बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के 9 दिन बाद अब बच्चों की मां नूरी बाई की मौत भी हो गई है। यह घटना आलीराजपुर जिले के अडवाडा गांव में हुई थी। पुलिस के मुताबिक घटना 13 फरवरी को अडवाडा गांव में मुकेश भिलाला की पत्नी नूरी बाई ने अज्ञात कारणों से चाय में कीटनाशक मिलाया था। पति मुकेश मजदूरी के लिए गुजरात गया था। नूरी बाई ने पहले अपने तीन बच्चों सावित्री (7), कार्तिक (5) और दिव्या (3) को वह चाय पिलाई, फिर खुद भी पी ली। बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां तीनों की मौत हो गई थी। नूरी बाई को गुजरात के दाहोद सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। अब उसकी भी मौत हो गई है।

628
करोड़ रुपए की सड़क पर उपजा बड़ा संकट

एनएच-45 पर भ्रष्टाचार की खुली पोल, शहपुरा में गिरा आरओबी

भरभराकर गिरे पुल से जबलपुर-भोपाल हाईवे बंद, यात्री परेशान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र की संस्कारधानी को राजधानी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 45 (एनएच-45) पर रविवार को शहपुरा में बना रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) अचानक भरभराकर गिर गया। पांच साल पहले तैयार हुए आरओबी के टूटने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता सवालिया निशान लगा रही है। उक्त घटनाक्रम से मुख्य मार्ग को पूर्णरूप से बंद कर दिया गया है।

जबलपुर से भोपाल के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए रविवार की दोपहर मुसीबत भरी रही। शहपुरा में स्थित फोर-लेन रेल ओवर ब्रिज का चालू हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। उक्त ब्रिज का एक हिस्सा पिछले साल दिसंबर में ही जर्जर होकर क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी मरम्मत के नाम पर उसे बंद रखा गया था। प्रशासन ने दूसरे हिस्से से आवाजाही चालू रखी थी, लेकिन वह भी रविवार को भारी दबाव और खराब गुणवत्ता के कारण ढह गया। अंधमूक बायपास से हिरन नदी तक के 54 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) की देखरेख में हुआ था। पैकेज-1 के तहत इस मार्ग और फ्लाईओवर पर करीब 628.45 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। निर्माण कार्य नवंबर 2015 में शुरू हुआ था और जनवरी 2020 में इसे पूर्ण घोषित किया गया। वर्तमान में पुल गारंटी पीरियड में है। सड़क पर बड़ी-बड़ी दरारें और अब ब्रिज का गिरना साफ तौर पर घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग होने की तरफ इशारा कर रहा है। फ्लाईओवर के टूटने से जबलपुर-भोपाल राजमार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। अब वाहनों को जबलपुर आने-जाने के लिए पाटन रोड या चरगवां रोड का लंबा चक्कर लगाना होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के कारण जनता के करोड़ों रुपये बर्बाद हुए हैं और यात्रियों की जान जोखिम में डाली गई। इस संबंध में एमपीआरआडीसी के महाप्रबंधक भरत यादव से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

कंपनी एक माह पहले हुई ब्लैकलिस्टेड

एमपीआरडीसी के कार्यपालन यंत्री (ईई) संजय मोरे के अनुसार निर्माण एजेंसी मेसर्स वाग इंफ्रा प्रोजेक्टस लिमिटेड और मेसर्स सोराठिया को खराब गुणवत्ता के चलते करीब एक माह पहले ही ब्लैक लिस्ट कर दिया था। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृत लाल साहू ने कहा कि भले ही इस मार्ग पर टोल एनएचएआई वसूल रहा है, लेकिन इसका निर्माण उन्होंने नहीं कराया। निर्माण में इतनी खामियां थीं कि एनएचएआई ने अब तक इस मार्ग का हैंडओवर भी स्वीकार नहीं किया है।

अधिकारियों ने काली मिट्टी से डाला पर्दा

जब सड़क पर चौड़ी दरारें और कंक्रीट उखड़ने की शिकायतें आईं, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने जमीन की काली मिट्टी को इसका कारण बताकर मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की। विशेषज्ञों का कहना है कि निर्माण से पहले मृदा परीक्षण अनिवार्य होता है। ऐसे में यह तर्क तकनीकी रूप से गले नहीं उतरता। डामर के थिगड़े लगाकर जर्जर मार्ग को चलाने की कोशिश आखिरकार एक बड़े हादसे में तब्दील हो गई।

दुर्घटनाएं रोकने, एमपी ट्रांसको की 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी'

जागरण संवाददाता, भोपाल। एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने सभी सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों पर कार्य करने के दौरान दुर्घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनाना शुरू कर दिया है, जिसके तहत सभी कर्मचारियों को इसे अपने काम का हिस्सा बनाने के लिए टेक्निकल ट्रेनिंग देना शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही कर्मचारी जोखिम भरा काम करने के दौरान मोबाइल को अपने पास नहीं रख सकेंगे, ताकि उनका दिमाग स्थिर रहे और काम के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो। जिसके चलते सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस का काम करने के पूर्व सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन अनिवार्य कर दिया गया है। जिसके चलते काम शुरू करने के पहले ही तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है और टीम को इससे बचाव के लिए टेक्निकल जानकारी प्रदान कर दी जाती है। इसके साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, ताकि हर कर्मचारी पूरी सजगता और आत्मविश्वास के साथ काम कर सके।

जोखिम भरे काम के दौरान नहीं कर सकेंगे मोबाइल का उपयोग

मेंटेनेंस कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने और जोखिम को कम करने के लिए मोबाइल के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है, जिसके तहत मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज और संबंधित सुपरवाइजर को जमा करवा दिया जाता है। इसके अलावा काम शुरू करने से पहले अर्थिंग से जोड़ने और सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है।

डकैतों ने पांच घरों में बंधक बनाकर की लाखों की लूट

पांढुर्णा से सोना-चांदी और नकदी लूट ले गए

जागरण, छिंदवाड़ा। प्रदेश के पांढुर्णा नगर के दो रिहायशी इलाकों में देर रात 12 से अधिक नकाबपोश डकैतों ने पांच घरों में घुसकर लोगों को बंधक बनाकर लूटपाट की। हथियारों से लैस बदमाशों ने परिजनों को डरा-धमकाकर बंधक बना लिया और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी बटोर ले गए। इस वारदात के बाद से समूचे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी नुसार, रात करीब 1.30 बजे से 2.45 बजे के बीच एक दर्जन से अधिक नकाबपोश डकैत नगर में दाखिल हुए और सिलसिलेवार तरीके से पांच घरों में धावा बोल दिया। डकैतों ने नगर के सांई धाम कॉलोनी और संतोषी माता वार्ड को अपना निशाना बनाया। हमलावर धारदार हथियारों और लोहे की रॉड से लैस थे। उन्होंने घरों में घुसते ही सो रहे लोगों को हथियारों के दम पर बंधक बना लिया, जिससे कोई शोर न मचा सके। बदमाशों ने कंचन (पति सुनील कौशिक), सुनील (पिता नेमालाल यदुवंशी), अमित (पिता शिवलाल डोंगरे) और संदीप नरोलिया के घरों में जमकर उत्पात मचाया। डकैत घरों से सोने-चांदी के आभूषण, कीमती बर्तन और बड़ी मात्रा में नगद राशि लूटकर फरार हो गए। एक ही रात में पांच घरों में हुई इस बड़ी डकैती से जिला मुख्यालय में दहशत का माहौल है।

पुलिस ने की घेराबंदी खंगाले रहे सीसीटीवी

घटना के करीब आधे घंटे बाद जब पीड़ित परिवार सदमे से बाहर आए, तब पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही आला अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और क्षेत्र की घेराबंदी की। हालांकि, तब तक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस अब क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।

स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए रात में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग की है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत कंट्रोल रूम को दें।

देश में झूठ और भ्रम का नैरेटिव फैला रही हैं भाजपा: श्रीनेत

दिल्ली से आईं कांग्रेस नेत्री, पीसीसी में सोशल मीडिया की बैठक

विसं भोपाल। एआईसीसी सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि भाजपा देश में झूठ भ्रम और मनगढ़त नैरेटिव के जरिए जनता को गुमराह कर रही है। इसका हमें पूरी ताकत के साथ जवाब देना होगा।

श्रीनेत रविवार को प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग की प्रादेशिक बैठक नव संचार 2026को संबोधित कर रही थी। उन्होंने भाजपा की सोशल मीडिया कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकर्त्ताओं का बंटू बना जैसे अभियानों के माध्यम से भाजपा की नीतियों की सच्चाई उजागर करने और रचनात्मक, तथ्यपरक तथा आक्रामक डिजिटल संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि आने वाला समय तकनीक आधारित राजनीतिक संचार का है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे एआई टूल्स का सकारात्मक, नैतिक और रणनीतिक उपयोग करते हुए कांग्रेस की आवाज को हर वर्ग तक पहुँचाएँ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने

कहा कि देश के किसान,युवा मजदूर और मध्यम वर्ग आज अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहा है। उन्होंने नरेन्द्र सरेंडर नारे को बुलंद बनाने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जनता की इस पीड़ा को डिजिटल माध्यमों पर मजबूती से उठाएँ और कांग्रेस को एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में प्रस्तुत करें।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि सोशल मीडिया आज लोकतंत्र का सबसे मजबूत मंच बन चुका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे जमीनी सच्चाइयों, जनआंदोलनों और कांग्रेस की नीतियों को पूरी ताकत से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रखें। बैठक राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, सोशल मीडिया विभाग की राष्ट्रीय सचिव सुश्री रुचिरा चतुर्वेदी ,संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक, विधायक महेश परमार, विक्रांत भूरिया, प्रशिक्षण विभाग प्रभारी महेंद्र जोशी, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी संदीप गुप्ता, एआईसीसी से प्रशिक्षण हेतु आए शौरभ वाजपेई तथा मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष चंचलेश व्यास ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक में आगामी तीन माह की डिजिटल रणनीति, जिला व विधानसभा स्तर पर सोशल मीडिया संगठन को मजबूत करने, कंटेंट प्लानिंग, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, वीडियो-ग्राफिक्स के माध्यम से जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा भाजपा के दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब देने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के अंत में यह संकल्प लिया गया कि नव संचार 2026 के माध्यम से मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग एक संगठित, अनुशासित और प्रभावी डिजिटल अभियान चलाएगा, जिससे जनता तक सच्चाई पहुँचेगी और भाजपा की जनविरोधी नीतियों का पर्दाफाश किया जा सकेगा।

दैवेभो श्रमिकों को मिलेगा डेढ़ साल बाद एरियर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र श्रम आयुक्त कार्यालय ने आदेश जारी करके विभाग अध्यक्षों को निर्देश दिए कि दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को 2024 में बढाए गए वेतन की अंतरराशि का भुगतान एरियर के रूप में किया जाए। मप्र कर्मचारी मंच की प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि मार्च 2024 में मुख्यमंत्री द्वारा विशेष घोषणा करके दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का वेतन 2000 रुपये प्रतिमाह बढ़ाया था। इस वृद्धि का लाभ एक साल बाद 2025 में दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को विभागों द्वारा दिया गया था। मार्च 24 से मार्च 2025 के बीच की अंतर राशि का भुगतान उच्च न्यायालय इंदौर के आदेश के बावजूद भी विभागों द्वारा नहीं किया जा रहा था। क्योंकि श्रम आयुक्त कार्यालय इंदौर ने स्पष्ट आदेश जारी नहीं करी थी। अब श्रम आयुक्त कार्यालय के स्पष्ट आदेश के बाद प्रदेश के समस्त विभागों निगम मंडलों के दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों आउटसोर्स श्रमिकों को 12 माह के एरियार की राशि भुगतान करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह राशि हजारों के रूप में दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को प्राप्त होगी।

सीधी: हाथियों की आहट ने बंद कराई 25 गांवों की बिजली

जागरण, सीधी। हाथियों की आहट ने सीधी के 25 गांवों की बिजली बंद करा दी। जनहानि रोकने के लिए 25 गांवों में दो दिन बिजली बंद रखने का निर्णय लिया गया है। वन विभाग निगरानी कर रहा है और ग्रामीणों से सतर्क रहने, तेज रोशनी व भीड़ से बचने तथा हाथी दिखने पर तुरंत सूचना देने की अपील की है। रविवार को हाथियों की मूवमेंट की पुष्टि होने के बाद यह कदम उठाया गया, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना से बचा जा सके। वन विभाग के एसडीओ बादशाह रावत ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। लगभग 35 कर्मचारियों की टीम प्रभावित और आसपास के क्षेत्रों में तैनात है, जो हालात पर पैनी नजर बनाए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, घरों की बिजली स्वेच्छा से बंद रखें और रात्रि में केवल मोमबत्ती या सुरक्षित वैकल्पिक प्रकाश का उपयोग करें, जिससे हाथियों को आकर्षित करने वाली तेज रोशनी से बचा जा सके। वन रक्षक पंकज मिश्रा ने भी गांव-गांव सूचना पहुंचाने की पहल की।

दो दिन तक बिजली बंद वन विभाग अलर्ट मोड पर

सर्वे पड़ोसी मुल्क में महंगाई, बेरोजगारी और आईएमएफ से जुड़े सुधारों के कारण देशभर में आय पर दबाव बढ़ा

पाकिस्तान में गरीबी दर 29 फीसदी, 7 करोड़ लोग अति गरीब

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान में गरीबी दर 11 साल के उच्चतम स्तर 29 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि आय असमानता 27 वर्षों में सबसे ज्यादा हो गई है। यह जानकारी शुक्रवार को योजना मंत्री अहसन इकबाल द्वारा जारी आधिकारिक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 7 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं। अत्यधिक गरीबी की परिभाषा प्रति माह 8,484 रुपये की उस आय सीमा से है, जो बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक मानी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के प्रारंभिक निष्कर्ष बताते हैं कि 2019 में 21.9 फीसदी रही गरीबी दर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदा सरकार के पहले वर्ष में बढ़कर 28.9 फीसदी हो गई। यह 2014 के बाद सबसे अधिक स्तर है, जब गरीबी 29.5 फीसदी थी। आय असमानता भी बढ़कर 32.7 पर पहुंच गई, जो 1998 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। देश में बेरोजगारी दर 7.1 फीसदी पर पहुंच गई है, जो 21 वर्षों में सबसे अधिक है। रिकॉर्ड स्तर की असमानता और 11 साल की उच्चतम गरीबी दर के बीच मंत्री ने स्वीकार किया कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम से जुड़े स्थिरीकरण उपायों ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ाईं। उन्होंने कहा कि सब्सिडी समाप्त करने और मुद्रा अवमूल्यन से महंगाई बढ़ी। प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर आर्थिक वृद्धि भी इसके प्रमुख कारण रहे। रिपोर्ट में कहा गया कि खैबर-पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा चुनौतियों ने आजीविका को प्रभावित किया, बाजारों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सीमित की और परिवारों की संवेदनशीलता बढ़ाई पिछले सात वर्षों में वास्तविक मासिक घरेलू आय 12 फीसदी घटकर 31,127 रुपये रह गई, जबकि वास्तविक खर्च में 5.4 फीसदी की गिरावट आई। सर्वे के अनुसार, नाममात्र आय में वृद्धि महंगाई से पीछे रह गई, जिससे वास्तविक आय में गिरावट आई।

अहसन इकबाल ने कहा कि आर्थिक प्रगति की यात्रा पहले 2018 में और फिर 2022 में बाधित हुई। उपभोग-आधारित आर्थिक वृद्धि के कारण अगले वर्ष अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम के तहत नकद सहायता स्थायी समाधान नहीं है और आर्थिक विकास व संपत्ति सृजन पर जोर दिया।

घटती आय, बढ़ती महंगाई

पिछले सात वर्षों में वास्तविक मासिक घरेलू आय 12 प्रतिशत घटकर 31,127 रुपये रह गई है। वहीं, वास्तविक खर्च में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका मतलब है कि नाममात्र आय में हल्की वृद्धि के बावजूद महंगाई उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ी है। मंत्री अहसन इकबाल ने माना कि आईएमएफ कार्यक्रम की शर्तों, प्राकृतिक आपदाओं और कमजोर आर्थिक वृद्धि ने हालात को और खराब किया है।

सभी प्रांतों में हालात बिगड़े

प्रांतीय आंकड़ों के अनुसार, हर क्षेत्र में गरीबी बढ़ी है।

- **16.5%** से बढ़कर 23.3 प्रतिशत पंजाब में हो गई है।
- **24.5%** से बढ़कर 32.6 प्रतिशत सिंध में हो गई है।
- **28.7%** से बढ़कर 35.3 प्रतिशत खैबर पख्तूनख्वा में।
- **42%** से बढ़कर 47 प्रति. बलूचिस्तान सबसे गरीब प्रांत।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।